राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

Www.vishalindia.in

विशाल इंडिया

सच्चाई की राह पर!

गौतमबुद्धनगर से प्रकाशित

वर्ष : 15
अंक : 46
पृष्ठ : 08
गौतमबुद्धनगर
गुरुवार 15 जनवरी 2026
मूल्य :2 /-
RNI No .UPHIN/2014/55236

मुख्य अपडेट | पेज 3 वृंदा सिटी में 20 साल बाद फ्लैटों की रजिस्ट्री शुरू | पेज 4 सर्राफा व्यापारी का शव फांसी पर लटका मिला, इलाके में मचा | पेज 6 विराट कोहली की बादशाहत फिर कायम, आईसीसी रैंकिंग में एक

संक्षिप्त खबरें

इंडियन नेवी का जहाज 'कौंडिन्य' भारत से ओमान पहुंचा

नई दिल्ली। इंडियन नेवी का 2000 साल पुरानी पाल विधि से निर्मित जहाज INSV कौंडिन्य बुधवार को 18 दिनों की यात्रा पूरी कर गुजरात से ओमान पहुंच गया। कौंडिन्य ने 29 दिसंबर को गुजरात के पोरबंदर से यात्रा शुरू की थी और 14 जनवरी को ओमान के मस्कट पहुंचा। इस यात्रा का मकसद भारत की प्राचीन समुद्री विरासत को फिर से पुनर्जीवित करना है। यह जहाज 4थी-5वीं शताब्दी के भारतीय जहाजों के मॉडल पर बना है। बिना कील या धातु के लकड़ी के तख्तों को रस्सियों से सिलकर तैयार किया गया। इस पर कोई कमरा नहीं है। क्रू मेंबर्स स्लीपिंग बैग में सोते थे। वहां बिजली की भी व्यवस्था नहीं थी।

काशी में मणिकर्णिका घाट तोड़ा

वाराणसी। काशी के मणिकर्णिका घाट को तोड़ा जा रहा है। यहां नए सिरे से घाट तैयार होगा, इसकी डिजाइन फाइनल है। मणिकर्णिका घाट को साल-1771 में लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर ने बनवाया था। फिर 1791 में उन्होंने ही इसका जीर्णोद्धार कराया था। बुधवार को लोगों ने जब मलबे में अहिल्याबाई की मूर्ति देखी, तो विरोध शुरू कर दिया। वहीं, लोगों के विरोध के बाद डीएम सत्येंद्र ने कहा- घाट की मूर्तियों को नुकसान नहीं पहुंचाया गया है। उन्हें सुरक्षित रखा गया है। कुछ लोग एआई से घाट के गलत वीडियो बनाकर जारी कर रहे हैं।

'तुरंत ईरान छोड़ दें भारतीय'

बढ़ती अशांति के बीच भारतीय नागरिकों के लिए विदेश मंत्रालय ने जारी की एडवाइजरी

- दूतावास ने पासपोर्ट तैयार रखने और संपर्क में रहने को कहा

नई दिल्ली। भारत सरकार ने ईरान में बढ़ते अशांति और सुरक्षा संकट को देखते हुए अपने नागरिकों को वहां से तुरंत निकलने की सलाह दी है।

तेहरान स्थित भारतीय दूतावास ने बुधवार को एक एडवाइजरी जारी कर कहा कि छात्र, पर्यटक, कारोबारी या धार्मिक यात्रा के लिए विशेष वीजा पर ईरान गए भारतीय नागरिकों को उपलब्ध साधनों से देश छोड़ देना चाहिए।

भारत ने जारी की एडवाइजरी

एडवाइजरी में नागरिकों से पासपोर्ट, पहचान पत्र और अन्य दस्तावेज तैयार रखने तथा दूतावास से संपर्क में रहने को कहा गया है, ताकि जरूरत पड़ने पर सहायता या सूचना प्रदान की जा सके।

यह कदम ईरान में सरकार विरोधी आंदोलन के बीच अमेरिका द्वारा सैन्य कार्रवाई की आशंका के चलते उठाया गया है।

विदेश मंत्रालय ने कहा कि ईरान में मौजूदा घटनाक्रम को देखते हुए भारतीय नागरिकों को गैर-जरूरी यात्रा से बचना चाहिए। दूतावास ने प्रदर्शनों वाली जगहों से दूर रहने, स्थानीय मीडिया पर नजर रखने और इमरजेंसी संपर्क नंबरों पर संपर्क करने की भी अपील की है।

ईरान में अशांति का माहौल

ईरान इन दिनों आर्थिक संकट और मुद्रा अवमूल्यन से उपजे बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शनों से जूझ रहा है। दिसंबर 2025 के अंत में शुरू हुए ये प्रदर्शन पूरे देश में फैल चुके हैं, जो दशकों में सबसे बड़े सरकार विरोधी आंदोलन बताए जा रहे हैं।

मानवाधिकार संगठनों के अनुसार, अब तक 2,500 से अधिक लोग मारे जा चुके हैं, जबकि हजारों को गिरफ्तार किया गया है। ईरान की न्यायपालिका ने गिरफ्तार प्रदर्शनकारियों के खिलाफ तेज ट्रायल और कड़ी सजा का ऐलान किया है, जिससे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चिंता बढ़ गई है।

दावा- ईरान में 12 हजार लोगों की मौत

ईरान में बुधवार शाम 300 शवों को दफनाया जाएगा। अंग्रेजी अखबार के मुताबिक, शवों में प्रदर्शनकारियों के साथ सुरक्षा बलों के शव भी शामिल होंगे। ये कार्यक्रम कड़ी सुरक्षा के बीच तेहरान यूनिवर्सिटी के कैंपस में हो सकता है। प्रदर्शन में मरने वालों की संख्या पर नजर रखने वाली अमेरिकी संस्था ह्यूमन राइट्स एक्टिविस्ट्स न्यूज एजेंसी ने बताया कि अब तक 2,550 से अधिक लोग मारे जा चुके हैं। इनमें 2,403 प्रदर्शनकारी और 147 सरकार से जुड़े लोग शामिल हैं। हालांकि ईरान से जुड़े मामलों को कवर करने वाली वेबसाइट ईरान इंटरनेशनल ने दावा किया है कि देशभर में कम से कम 12 हजार लोगों की मौत हुई है। ज्यादातर लोग गोली लगने से मारे गए हैं।

राहुल गांधी पहुंचेंगे इंदौर, दूषित जल से मरने वालों के स्वजनों से करेंगे मुलाकात

भोपाल। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी 17 जनवरी को इंदौर के भागीरथपुरा पहुंचेंगे। वे वहां दूषित जल से मरने वालों के स्वजन से भेंट करेंगे। साथ ही नगरीय निकायों के निर्वाचित जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक करेंगे। इसी दौरान कांग्रेस के 71 संगठनात्मक जिलों में मनरेगा कानून में परिवर्तन और दूषित जल की घटना के विरोध में कार्यकर्ताओं का उपवास होगा। प्रदेश कांग्रेस के संगठन महामंत्री संजय कामले ने बताया कि राहुल गांधी का कार्यक्रम निर्धारित हो गया है।

आईपैक रेड : कलकत्ता हाईकोर्ट ने टीएमसी की याचिका खारिज की

ईडी बोली- हमने कुछ जब्त नहीं किया, ममता ही गैरकानूनी तरीके से फाइलें ले गई

कोलकाता। कलकत्ता हाइकोर्ट ने IPAC रेड मामले में बुधवार को टीएमसी की याचिका खारिज कर दी। पार्टी ने आरोप लगाया था कि जांच एजेंसी ने 8 जनवरी को आईपैक के आईटी हेड प्रतीक जैन के ऑफिस पर रेड मारकर कुछ कागजात जब्त किए थे।

इस पर जांच एजेंसी के वकील एएसजी राजू ने ऑन रिकॉर्ड कहा कि एजेंसी ने पार्टी दफ्तर से कुछ भी जब्त नहीं किया है।

कोर्ट ने कहा, जब ईडी ने कुछ भी जब्त न करने की बात की है, तो अब इस मामले पर सुनवाई के लिए कुछ नहीं बचता है। याचिका को खारिज किया जाता है।

सुनवाई के दौरान ईडी की तरफ से पेश एएसजी राजू ने कहा कि अगर कोई रिकॉर्ड जब्त किया गया है तो वह एजेंसी ने नहीं, बल्कि ममता बनर्जी ने किया है। ममता अपने साथ गैरकानूनी तरीके से फाइलें ले गई थीं।

हाईकोर्ट ने ईडी की तरफ से दाखिल याचिका पर सुनवाई भी टाल दी है। कोर्ट ने कहा कि इस मामले पर सुप्रीम कोर्ट में पहले ही याचिका लगाई जा चुकी है। इस पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला आने के बाद सुनवाई होगी।

सिंगापुर पुलिस ने कहा-सिंगर जुबीन की मौत डूबने से हुई

नशे में लाइफ जैकेट पहनने से इनकार किया था; सीएम हिमंता ने कहा था- हत्या हुई

असम। सिंगर जुबीन गर्ग की मौत को लेकर सिंगापुर पुलिस ने किसी भी तरह की साजिश से इनकार किया। पांच महीने बाद पुलिस ने कोर्ट में अपनी रिपोर्ट सौंपी। इसके मुताबिक, जुबीन की मौत डूबने की वजह से हुई थी। उन्होंने नशे की हालत में लाइफ जैकेट पहनने से इनकार कर दिया था।

दरअसल 52 साल के सिंगर जुबीन की 19 सितंबर 2025 को सिंगापुर में एक यॉट पार्टी के दौरान मौत हो गई थी। वे सिंगापुर में नॉर्थ ईस्ट इंडिया फेस्टिवल में परफॉर्म करने पहुंचे थे। हालांकि परफॉर्मेंस से एक दिन पहले उनकी जान चली गई।

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने 25 नवंबर को विधानसभा में कहा था कि जुबीन गर्ग की मौत कोई हादसा नहीं, बल्कि हत्या थी। वे दोषियों को सजा दिलाकर रहेंगे।

सिंगापुर पुलिस ने 35 लोगों की गवाही पर रिपोर्ट बनाई

सिंगापुर पुलिस ने 35 लोगों की गवाही के आधार पर रिपोर्ट तैयार की है।

गवाहों ने उस दिन की पल-पल की जानकारी दी और बताया कि जुबीन गर्ग ने कितनी शराब पी और नशे में डाइविंग करने पहुंचे। विदेशी न्यूज वेबसाइट चैनल न्यूज एशिया ने कोर्ट में पुलिस की तरफ से सौंपी गई रिपोर्ट का खुलासा किया है।

उधर भारत में इस केस में एक एसआईटी भी बनाई गई है। अब तक 7 लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है।

कश्मीरी अलगाववादी आसिया अंद्राबी आतंकी मामले में दोषी करार

नई दिल्ली। नई दिल्ली की एनआईए कोर्ट ने कश्मीरी अलगाववादी आसिया अंद्राबी और उसकी दो साथियों-सोफी फहमीदा और नाहिदा नसीरीन को एक आतंकी मामले में दोषी करार दिया है। सजा पर सुनवाई 17 जनवरी को होगी। आसिया अंद्राबी महिला अलगाववादी संगठन दुख्तरान-ए-मिल्लत की प्रमुख बताई जाती है। आसिया अंद्राबी को साल 2018 में गिरफ्तार किया गया था। एनआईए ने उस पर देश के खिलाफ युद्ध छेड़ने, लोगों के बीच नफरत फैलाने और गैर कानूनी गतिविधियां रोकथाम कानून के तहत आतंकी साजिश रचने के आरोप लगाए थे।

स्विगी-जेप्टो ने भी '10 मिनट में डिलीवरी' का दावा हटाया

सरकार के आदेश के बाद विज्ञापन बदला; एक दिन पहले ब्लिंकिट ने हटाया था

कंपनियों ने बदला अपना स्लोगन और विज्ञापन

सरकार की सख्ती के बाद कंपनियों ने अपने एप और सोशल मीडिया हैंडल पर बदलाव शुरू कर दिए हैं। ब्लिंकिट ने अपनी टैगलाइन '10,000+ प्रोडक्ट्स 10 मिनट में' को बदलकर अब '30,000+ प्रोडक्ट्स आपके दरवाजे पर' कर दिया है। इसी तरह स्विगी और जेप्टो ने भी अपने प्लेटफॉर्म से 10 मिनट वाले वादे को हटाकर उसे सर्विस की सुविधा और वैराइटी पर फोकस कर दिया है।

नई दिल्ली। केंद्र सरकार के निर्देश के बाद स्विगी और जेप्टो ने बुधवार को अपने प्लेटफॉर्म से '10 मिनट में डिलीवरी' के दावे को हटा दिया। सरकार ने इन कंपनियों को सख्त हिदायत दी है कि वे डिलीवरी टाइम को लेकर ऐसे दावे न करें जिससे डिलीवरी पार्टनर्स पर दबाव बने।

इससे पहले मंगलवार को ब्लिंकिट ने अपने विज्ञापनों और एप से '10 मिनट' का टैग हटाया था। केंद्रीय श्रम मंत्री मनसुख मांडविया ने मंगलवार को ही क्विक कॉमर्स कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ एक हाई-लेवल मीटिंग की थी। इस बैठक में डिलीवरी पार्टनर्स की सुरक्षा और उनके काम करने के तरीकों पर चर्चा हुई थी।

सरकार का मानना है कि 10 मिनट में सामान पहुंचाने के वादे के कारण राइडर्स पर मानसिक दबाव बढ़ता है, जिससे सड़क दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है। मंत्रालय ने साफ कहा कि कंपनियों को अपनी ब्रांडिंग से समय की पाबंदी हटानी होगी।

श्रीनगर में डल झील जमी, पारा -5.2

- राजस्थान के बीकानेर में तापमान 1.4 डिग्री पहुंचा; यूपी के 25 जिलों में घना कोहरा

नई दिल्ली/भोपाल/लखनऊ। पहाड़ों पर जारी बर्फबारी के कारण मैदानों में सर्दी हो रही है। राजस्थान में कोहरे के साथ सर्दी जारी है। बीकानेर जिले के लूणकरनसर में बुधवार को न्यूनतम पारा 1.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

सीकर के फतेहपुर में न्यूनतम 2.2 , नागौर में 2.6 , अलवर में 3.0 , करौली में 3.2, गंगानगर में 3.5 , झुंझुनूं में 3.9 , पिलानी में 4.1 और जैसलमेर में 4.7 दर्ज किया गया।

कश्मीर घाटी में भी भीषण ठंड का असर बुधवार को और तेज हो गया।

पूरे कश्मीर में न्यूनतम तापमान शून्य से नीचे चला गया है। श्रीनगर में न्यूनतन तापमान -5.2 दर्ज किया गया, डल झील जम गई।

इधर, उत्तर प्रदेश में कड़ाके की ठंड जारी है। बुधवार सुबह मेरठ, संभल, बुलंदशहर समेत 25 जिलों में घना कोहरा छाया रहा। वहीं, हरियाणा और पंजाब के कई इलाकों में दिन का अधिकतम तापमान सामान्य से करीब 10 डिग्री सेल्सियस नीचे चला गया।

16 जनवरी : हिमाचल में बारिश-बर्फबारी का अलर्ट

हिमाचल प्रदेश में 16 से 18 जनवरी के बीच कुछ जगहों पर हल्की बारिश या बर्फबारी हो सकती है।

17 जनवरी : पहाड़ी राज्यों में भारी बर्फबारी

जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश में बारिश का अलर्ट, पहाड़ी इलाकों में भारी बर्फबारी हो सकती है।

पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, बिहार, उत्तर प्रदेश में घने कोहरे का अलर्ट, कड़ाके की सर्दी हो सकती है।

हैप्पी मॉर्निंग

एक मुर्गे का मालिक बीमार हुआ, उसकी पत्नी उसके बगल में बैठी थी मालिक की पत्नी बोली- आपको बहुत तेज बुखार है, मैं आपके लिए चिकन सूप बना लाती हूं इतना सुनते ही मुर्गे के होश उड़ गए वो मालिक की पत्नी से बोला- एक बार पैरासिटामोल देकर भी देख लो

शायरी

कहां तो यह तय था चिराग़ां हर एक घर के लिए
कहां चिराग़ मयस्सर नहीं शहर के लिए

अर्थसार

सेंसेक्स:
83,382.71
-244.98 (0.29%)
निफ्टी:
25,665.60
-66.70

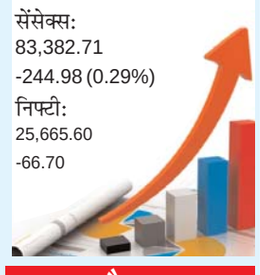

मौसम

अधिकतम : 17 डिग्री से0
न्यूनतम : 04 डिग्री से0
सूर्योदय शुक्रवार : 7 : 15
सूर्यास्त गुरुवार : 5 : 45

सीकर : परिवार की 7-महिलाओं की मौत

ट्रक से टकराकर चकनाचूर हुई कार, फंस गए शव; अंतिम संस्कार से लौट रहे थे

फतेहपुर (सीकर)। सीकर में ट्रक और कार की भीषण भिड़ंत में एक परिवार की 7 महिलाओं की मौत हो गई। ड्राइवर सहित 2 लोग गंभीर घायल हो गए। हादसा जयपुर-बीकानेर हाईवे पर फतेहपुर के हरसवा गांव के पास बुधवार शाम 4 बजे हुआ।

एक्सीडेंट में अर्टिगा कार चकनाचूर हो गई। कार में सवार लोग उसमें फंस गए। मौके पर पहुंचे लोगों ने शव और घायलों को बाहर निकाला। घायलों को फतेहपुर के ट्रॉमा सेंटर लाया गया।

हालत गंभीर होने पर उन्हें सीकर रेफर कर दिया। कार में सवार लोग अंतिम संस्कार में शामिल होकर लौट रहे थे। मरने वालों में मां-बेटी, बहू और देवरानी शामिल थे।

डीएसपी अरविंद कुमार जाट ने बताया- फतेहपुर सदर थाना क्षेत्र में अर्टिगा कार और ट्रक की आमने-सामने टक्कर हो गई। मोड़ पर कार कंट्रोल नहीं हो सकी और सामने से आ रहे ट्रक से भिड़ गई। क्षतिग्रस्त कार को क्रेन की मदद से रास्ते से हटाकर ट्रैफिक को सुचारू करवाया गया।

भोपाल में ट्रैक्टर-ट्रॉली और लोडिंग वाहन भिड़े, 5 की मौत

भोपाल। भोपाल में ट्रैक्टर-ट्रॉली और लोडिंग वाहन के बीच आमने-सामने की टक्कर में 5 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। 12 घायल हुए हैं। हादसा बैरसिया थाना इलाके में बुधवार रात करीब साढ़े 9 बजे हुआ। घायलों में से कुछ की हालत गंभीर है।

टीआई वीरेंद्र सेन ने बताया कि सिरोंज के एक ही परिवार के 15 लोग लोडिंग वाहन में थे। इनमें से पांच की मौत हो गई है। नौ घायल हुए हैं। ट्रैक्टर सवार 3 लोग भी घायल हुए हैं। सभी घायलों को बैरसिया शासकीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

लोडिंग वाहन में सवार परिवार संक्रांति स्नान के लिए नर्मदापुरम जा रहा था। जैसे ही उनका वाहन बैरसिया थाना इलाके में ठाकुर लाल सिंह स्कूल के पास पहुंचा, सामने से आ रही ट्रैक्टर-ट्रॉली से टक्कर हो गई।

हजारीबाग में बम विस्फोट, दंपती समेत तीन की मौत

हबीबी नगर इलाके में हुआ ब्लास्ट, धमाके की आवाज दूर तक सुनी गई; जांच जारी

हजारीबाग। हजारीबाग शहर के हबीबी नगर इलाके में बुधवार की शाम हुए एक विस्फोट में तीन लोगों की मौत हो गई। मृतकों में पति-पत्नी और एक महिला शामिल है। विस्फोट खुले स्थान पर हुआ।

यह घटना बड़ा बाजार ओपी क्षेत्र के अंतर्गत हुई, जिससे इलाके में अफरातफरी मच गई। विस्फोट की आवाज इतनी तेज थी कि आसपास के लोग घरों से बाहर निकल आए।

मृतकों की पहचान रशीदा परवीन (पति मुस्ताक), सद्दाम (पिता युनूस) और नन्ही परवीन (पति सद्दाम) के रूप में हुई है। सद्दाम और नन्ही परवीन पति-पत्नी थे। विस्फोट के तुरंत बाद घटनास्थल पर बड़ी संख्या में स्थानीय लोग जमा हो गए।

2016 में भी इस क्षेत्र में हुआ था ब्लास्ट, 6 की गई थी जान

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि धमाका अचानक हुआ, जिससे लोग घबरा गए।

कुछ लोगों ने घायलों की मदद करने का प्रयास किया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन सक्रिय हो गया।

बताते चलें कि 2016 में हबीबी नगर इलाके में हुए बम ब्लास्ट में 6 लोगों की मौत हो गई थी।

हादसा

ठंड में चारों के शव अकड़ गए, हजारों की संख्या में भीड़ जुटी

प्रयागराज में 2 भाई समेत 4 लड़के तालाब में डूबे, मौत

प्रयागराज। प्रयागराज में दो सगे भाई समेत 4 लड़कों की तालाब में डूबने से मौत हो गई। मंगलवार शाम को चारों तालाब के पास खेल रहे थे। उसके बाद काफी देर तक घर नहीं लौटे तो परिजनों ने तलाश की। लेकिन, कुछ पता नहीं चला।

बुधवार सुबह जब परिवार वाले तालाब के पास पहुंचे तो चप्पल और कपड़े मिले। जाल डालकर सर्च कराया तो सभी के शव मिल गए। इसके बाद परिवारों में कोहराम मच गया। हादसा पूरामुफ्ती थाना क्षेत्र के सल्लाहपुर के पास कुसुआ गांव का है। मृतकों में 3 नाबालिग और एक 19 साल का लड़का है।

पुलिस ने बताया कि मृतकों की शिनाख्त मनौरी के हुसैनपुर के अहमदपुर पावन गांव के 19 साल के करन पुत्र राजेश सोनकर, 10 साल के प्रियांशु पुत्र संजीव और दो सगे भाई 10 साल का प्रिंस और 13 साल के प्रतीक के तौर पर हुई है। पुलिस ने शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।

शाम को साढ़े तीन बजे से लापता थे बच्चे

चाचा रंजीत सोनकर ने बताया- मेरे चार भतीजे हैं। मंगलवार शाम को करीब साढ़े 3 बजे से गायब थे। उन्हें रात में 2 बजे तक खोजते रहे। गांव में भी खोजा। मेले में भी जाकर पता किया लेकिन कुछ पता नहीं चला। हमारे साथ गांव के लोग भी थे।

जब कुछ पता नहीं चला तो घर आ गए। बुधवार सुबह फिर से उन्हें खोजने निकले। करीब 2 किलोमीटर दूर सुबह 9 से साढ़े 9 के बीच गांव के तालाब के पास कुछ कपड़े मिले और चप्पल मिले तो हम लोगों को शक हुआ। चाचा रंजीत सोनकर ने बताया- जब कपड़े मिले तो हम लोगों ने गांव से जाल मंगवाया। जब गांव वालों ने जाल लगाया तो बच्चों की लाश मिली। इसमें करन सोनकर, प्रतीक, प्रिंस और प्रियांशु सोनकर का शव मिला। उन्होंने बताया- हम लोग 6 भाई है। इसमें सबसे छोटे भाई संदीप सोनकर की 2024 में मौत हो गई थी। घर में उनकी पत्नी और उनकी दो बेटियां और एक बेटा प्रियांशु था। इसमें प्रियांशु की डूबकर मौत हो गई है। करन 11वीं में पढ़ता था। जबकि प्रतीक क्लास 4, प्रिंस क्लास 3 और प्रियांशु क्लास 3 में पढ़ते थे।

संपादकीय

असमानता के संदर्भ में राहुल गांधी का 'न्याय' सिद्धांत

और वह चेतावनियाँ जिन्हें अनसुना किया गया

जितेन्द्र चौधरी, प्रधान संपादक, विशाल इंडिया हिंदी दैनिक

भारत में अमीर-गरीब की बढ़ती खाई पर यदि किसी नेता ने लगातार, सार्वजनिक और वैचारिक रूप से चेताया है, तो वह हैं राहुल गांधी। उनकी राजनीति का केंद्रीय विचार 'न्याय' रहा है—जिसका अर्थ केवल क़ानूनी न्याय नहीं, बल्कि आर्थिक, सामाजिक और अवसरों का न्याय है।

राहुल गांधी बार-बार कहते रहे हैं कि भारत का संकट केवल विकास की गति का नहीं, बल्कि विकास के वितरण का है।

उनका तर्क साफ़ था :

अगर विकास का फल कुछ चुनिंदा लोगों तक सीमित रहेगा, तो लोकतंत्र खोखला हो जाएगा।

'न्याय' का मूल विचार क्या है?

राहुल गांधी का 'न्याय' सिद्धांत चार स्तंभों पर टिका है :

1. आर्थिक न्याय – धन और संसाधनों का न्यायपूर्ण बँटवारा
2. सामाजिक न्याय – जाति, वर्ग, लिंग और क्षेत्रीय असमानताओं का समाधान
3. रोज़गार न्याय – हर हाथ को काम, हर काम को सम्मान
4. संस्थागत न्याय – लोकतांत्रिक संस्थाओं की स्वतंत्रता और जवाबदेही

यही कारण है कि वे बार-बार 'दो भारत' की बात करते रहे—एक वह भारत जो शेयर बाज़ार और कॉर्पोरेट मुनाफ़े में जी रहा है, और दूसरा वह भारत जो महँगाई, बेरोज़गारी और कर्ज़ से जूझ रहा है।

समय-समय पर दी गई चेतावनियाँ (जो अनसुनी कर दी गईं)

1) क्रोनी कैपिटलिज़्म पर खुली चेतावनी

राहुल गांधी ने संसद से लेकर सड़क तक कहा कि कुछ चुनिंदा कॉर्पोरेट समूहों को नीतिगत संरक्षण मिल रहा है।

उनका तर्क था—

जब सरकार कुछ उद्योगपतियों के लिए नियम बदलती है, तो वह बाज़ार नहीं, सत्ता का दुरुपयोग होता है।

इस चेतावनी को 'राजनीतिक आरोप' कहकर टाल दिया गया, लेकिन आज संपत्ति का तेज़ संकेंद्रण उसी दिशा की पुष्टि करता दिखता है।

2) बेरोज़गारी को 'सबसे बड़ा राष्ट्रीय संकट' बताना

जब आधिकारिक नैरेटिव 'रिकॉर्ड जीडीपी' पर केंद्रित था, तब राहुल गांधी युवा बेरोज़गारी को देश का सबसे बड़ा खतरा बता रहे थे।

उन्होंने आगाह किया था कि :

- बिना रोज़गार के विकास सामाजिक विस्फोट को जन्म देगा
- असंगठित क्षेत्र को झटका लगेगा
- युवा हताशा लोकतंत्र के लिए घातक होगी

इन चेतावनियों को 'नकारात्मक राजनीति' कहकर नज़रअंदाज़ किया गया।

3) शिक्षा और स्वास्थ्य में सार्वजनिक निवेश की माँग

राहुल गांधी का स्पष्ट रुख़ था कि निजीकरण समाधान नहीं, बल्कि सार्वजनिक शिक्षा और स्वास्थ्य में बड़ा निवेश ही असमानता तोड़ सकता है।

उन्होंने बार-बार कहा

अगर गरीब का बच्चा अच्छी शिक्षा और इलाज नहीं पाएगा, तो समान अवसर केवल भाषण रह जाएगा।

लेकिन नीति-प्राथमिकताओं में यह क्षेत्र हाशिये पर ही रहा।

4) 'भारत जोड़ो यात्रा' का आर्थिक संदेश

भारत जोड़ो यात्रा केवल सांस्कृतिक या राजनीतिक यात्रा नहीं थी, बल्कि आर्थिक विभाजन के ख़िलाफ़ चेतावनी थी।

राहुल गांधी ने यात्रा के दौरान साफ़ कहा :

- नफ़रत का फायदा कुछ ताक़तवर वर्गों को होता है
- आर्थिक अन्याय को ढकने के लिए भावनात्मक मुद्दे उछाले जाते हैं
- असली सवाल—रोज़गार, महँगाई, आय—पीछे छूट जाते हैं

यह संदेश भी सत्ता-तंत्र द्वारा गंभीरता से नहीं लिया गया।

आज की स्थिति : चेतावनियां सच साबित होती दिखती हैं

आज जब शीर्ष 1त्न के पास देश की संपत्ति का बड़ा हिस्सा है,

जब अरबपतियों की संपत्ति तेज़ी से बढ़ रही है और आम आदमी की क्रय-शक्ति घट रही है,

तो राहुल गांधी की वह बात बार-बार याद आती है—

यह विकास नहीं, असमानता का मॉडल है।

निष्कर्ष: 'न्याय' को नज़रअंदाज़ करने की कीमत

राहुल गांधी का 'न्याय' सिद्धांत कोई आदर्शवादी नारा नहीं था, बल्कि आर्थिक यथार्थ की चेतावनी थी।

इसे लगातार अनसुना करने का नतीजा आज हमारे सामने है—

- गहरी होती असमानता
- सामाजिक असंतोष
- और लोकतंत्र पर बढ़ता दबाव

अगर भारत को सच में समावेशी और टिकाऊ विकास की ओर ले जाना है, तो 'न्याय' को राजनीतिक नारे से निकालकर नीति का केंद्र बनाना ही होगा।

यही वह सबक है, जिसे देर से ही सही—अब समझना अनिवार्य है।

अमेरिकी मनमर्जी को रोकने के लिए विश्व को एक होना पड़ेगा

उमेश चतुर्वेदी

भारत और पाकिस्तान के बीच हुए 1965 और 1971 के युद्धों में अमेरिका में चाहे जिसकी भी सरकार रही हो, अमेरिकी सेनाओं और सरकार ने परोक्ष रूप से पाकिस्तान का साथ दिया और भारत का विरोध किया। साल 2024 में हुए बांग्लादेश में विद्रोह और शेख हसीना के तख्तापलट के पीछे भी अमेरिकी एजेंसियों के हाथ को लेकर संदेह जताया जाता है।

1995 में एक फिल्म आई थी, गैंबलर। गोविंदा-शिल्पा शेट्टी अभिनीत इस फिल्म का एक गाना उन दिनों बेहद मशहूर हुआ था, मैं चाहे ये करूं, मैं चाहे वो करूं, मेरी मर्जी निश्चित तौर पर कह सकते हैं कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनॉल्ड ट्रंप ने ये गाना नहीं सुना होगा, लेकिन उन्होंने हाल ही में न्यूयार्क टाइम्स को दिए इंटरव्यू में जो कहा है, उसका भावार्थ कुछ यही निकलता है। उन्होंने कहा है, सिर्फ मेरा दिमाग ही मुझे रोक सकता है। मेरी अपनी नैतिकता और अपना दिमाग। यहीं वे चीजें हैं, जो मुझे रोक सकती हैं। मुझे अंतर्राष्ट्रीय कानून की परवाह नहीं है और न ही इसकी ज़रूरत।

तीन जनवरी को वेनेजुएला में की गई अमेरिकी कार्रवाई के संबंध में पूछे गए सवाल के जवाब में ट्रंप का इन शब्दों का प्रयोग करना दुनिया के लिए निश्चित तौर पर डरावना है। ट्रंप और उनकी सोच पारंपरिक लोकतांत्रिक मुखौटाबाज राजनीति से अलग है, लिहाजा वे खुलकर ऐसा कह रहे हैं। लेकिन सुपर पावर के रूप में स्थापित होने के बाद से ही अमेरिका की सोच और कार्यशैली ऐसी ही रही है। अमेरिका की सत्ता में दो ही पार्टियों का वर्चस्व है। चाहे रिपब्लिकन पार्टी हो या फिर डेमोक्रेटिक पार्टी, दोनों के राष्ट्रपतियों की कार्यशैली कम से कम विदेश मामलों में एक जैसी ही रही है। ट्रंप खुलकर 'अमेरिका फर्स्ट' की नीति और नीयत का हवाला देते हैं, लेकिन दूसरे राष्ट्रपति ऐसा कहने से बचते रहे हैं। हां, उनके भी कदम हमेशा ऐसा ही रहे हैं। अफगानिस्तान में अमेरिकी कार्रवाई हो, खाड़ी युद्ध हो, सूडान स्थित अमेरिकी दूतावास पर आतंकी हमले के बाद अमेरिकी कार्रवाई हो, वियतनाम का युद्ध हो, ईरान पर कार्रवाई हो, हर जगह अमेरिका अपने हितों की रक्षा के लिए कार्रवाई करता रहा है। बेशक उसे कई बार मुंह की खानी पड़ी है। हाल ही में ट्रंप के पूर्व राष्ट्रपति रहे डेमोक्रेटिक पार्टी के जो बाइडन की सेनाएं अफगानिस्तान छोड़कर भाग खड़ी हुईं। वियतनाम का युद्ध लंबा चला था। इसे शुरू किया था डेमोक्रेटिक राष्ट्रपति जॉन एफ कैनेडी ने और जब अमेरिका वियतनाम युद्ध में फंसता नजर आया तो रिपब्लिकन पार्टी के राष्ट्रपति रहे रिचर्ड निक्सन ने सेनाओं की वापसी कराई।

कुवैत पर जब इराकी तानाशाह सद्दाम हुसैन ने हमला किया, तब जार्ज बुश सीनियर राष्ट्रपति थे। अमेरिका में एक धारणा रही है कि कुवैत पर कब्जे की कार्रवाई इराकी राष्ट्रपति सद्दाम हुसैन ने अमेरिकी इशारे पर ही की थी। लेकिन जब मामला उल्टा पड़ गया तो जॉर्ज बुश सीनियर ने संयुक्त राष्ट्र संघ के प्रस्तावों की आड़ में ब्रिटेन, फ्रांस जैसे देशों के साथ गठबंधन करके सैनिक कार्रवाई शुरू की। 1990 में अमेरिकी कार्रवाई के चलते इराकी गार्ड को कुवैत को खाली करना पड़ा। इसके बाद इराक अमेरिका का कट्टर दुश्मन बन गया। वैसे लंबे समय तक चले ईरान-इराक युद्ध के पीछे भी अमेरिकी हित काम कर रहे थे। तब दुनिया दो धुवीय थी। एक तरफ सोवियत संघ की अगुआई में विश्व का एक बड़ा हिस्सा काम कर रहा था तो दूसरी ओर अमेरिकी अगुआई में ज्यादातर नाटो देश सक्रिय थे। अफगानिस्तान में जब पिछली सदी के अस्सी के दशक में सोवियत सेनाएं घुसीं, तब सोवियत संघ को काबू करने के लिए अमेरिकी सरकार ने पाकिस्तान का उपयोग किया और एक तरह से पाकिस्तान को अपना अघोषित उपनिवेश बना लिया।

भारत और पाकिस्तान के बीच हुए 1965 और 1971 के युद्धों में अमेरिका में चाहे जिसकी भी सरकार रही हो, अमेरिकी सेनाओं और सरकार ने परोक्ष रूप से पाकिस्तान का साथ दिया और भारत का विरोध किया।

साल 2024 में हुए बांग्लादेश में विद्रोह और शेख हसीना के तख्तापलट के पीछे भी अमेरिकी एजेंसियों के हाथ को लेकर संदेह जताया जाता है। साल 2010 के दिसंबर में ट्यूनिशिया में शुरू हुई पिंक क्रांति, जिसे अरब क्रांति के नाम से भी जाना जाता है, की बुनियाद पर अरब देशों में कार्रवाई करने और तख्तापलट के पीछे भी अमेरिकी एजेंसियों के सहयोग को देखा जाता है। अमेरिकी एजेंसियों की ही शह पर लीबिया से गद्दाफी की विदाई हुई, सीरिया अब भी जल रहा है। निश्चित तौर पर अमेरिकी प्रतिकार में शीत युद्ध के दिनों में सोवियत संघ कभी प्रत्यक्ष तो कभी परोक्ष काम करता था, अब दुनिया की दूसरे नंबर की आर्थिक महाशक्ति बन चुका चीन कर रहा है। हाल ही में वेनेजुएला के जिन मादुरो की सत्ता को अमेरिकी सेनाओं ने पलट दिया, उन्हें चीन का खुला समर्थन मिल रहा था। शीत युद्ध के दिनों में सोवियत संघ और उसकी सेना ऐसे हालात में अमेरिकी सेनाओं का परोक्ष विरोध करती थी, वैसा चीन नहीं कर पाया।

कह सकते हैं कि अमेरिका में हर सत्ता ने वैश्विक ताकत क्रम में खुद को सर्वोच्च बनाए रखने के लिए अपने हिसाब से दादागिरी दिखाई है। कभी यह दादागिरी अमेरिकी हितों के नाम पर हुई तो कभी दुनिया में लोकतंत्र की स्थापना के नाम पर।

कहने के लिए अमेरिका लोकतंत्र का सबसे बड़ा पहरूआ बनता है, लेकिन अमेरिकी हितों, कारोबारियों और हथियार लॉबी के हित में अक्सर वह गैर लोकतांत्रिक तरीके से कार्रवाई करता है। दुनिया का आधुनिक इतिहास इससे भरा पड़ा है। वेनेजुएला इसका ताजा उदाहरण है। ट्रंप जिन अंतरराष्ट्रीय कानूनों को अपने हिसाब से मानने या न मानने की बात कर रहे हैं, दरअसल उन्हें बनाने और संशोधित करने में सबसे ज्यादा योगदान अमेरिका का ही रहा है। विश्व में जब भी कहीं वेनेजुएला जैसी घटना होती है, तब जिनेवा समझौते और अंतरराष्ट्रीय कानूनों का बहुत जिक्र होता है। दरअसल उन्नीसवीं सदी के मध्य तक दुनिया में होने वाले युद्धों के लिए युद्धबंदियों और सैनिकों और युद्धग्रस्त देशों के लोगों को लेकर शत्रु देशों की ओर से की जाने वाली अमानवीय कार्रवाई को रोकने के लिए ना तो कोई कानून था और इसे लेकर कोई प्रयास हुआ था। साल 1864 में पहली बार युद्ध के वक्त घायलों की मदद युद्धरत देशों के बीच बातचीत के लिए रेड क्रॉस के संस्थापक हेनरी डुनेंट ने कोशिश की। यही कोशिश पहले जेनेवा समझौते के रूप में सामने आई। इस दौरान युद्धरत देशों, उनके नागरिकों, सैनिकों आदि के मानवीय अधिकारों की रक्षा करने को लेकर चर्चाएं शुरू हुईं। इसके तहत कुछ अंतर्राष्ट्रीय कानूनों की परिकल्पना की गई और युद्ध के प्रभाव को सीमित करने और युद्धबंदियों के अधिकारों के संरक्षण की कोशिश शुरू हुई। जेनेवा में आखिरी समझौता 1949 में हुआ।

जिनेवा कन्वेंशन का मकसद युद्ध के वक्त मानवीय मूल्यों को बनाए रखने के लिये कानून तैयार करना है। 1949 के समझौते में शामिल दो प्रोटोकॉल 1977 में जोड़े गए। आज तकरीबन पूरी दुनिया ने इस पर हस्ताक्षर किया है। इस लिहाज से जेनेवा समझौते को सभी देश मानते हैं। जेनेवा समझौते के अनुसार हर देश की अपनी संप्रभुता है और उसकी रक्षा ना सिर्फ युद्ध बल्कि शांति काल में भी होती है। यानी उसके नियम और कानून युद्ध, शांति और संकट काल, हर वक्त लागू होते हैं। इस संदर्भ में देखें तो अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप का यह कहना कि उनकी अपनी नैतिकता ही उन्हें किसी भी कार्रवाई से रोक सकती है। ट्रंप ने यहां तक कहा है कि जहां उन्हें लगेगा कि उन्हें अंतरराष्ट्रीय कानून मानना चाहिए, वहां तो उसे वे मान लेंगे और जहां नहीं लगेगा, वहां नहीं मानेंगे।

अमेरिकी दादागिरी के इतिहास में ट्रंप का यह बयान दुनिया की सोच से आगे है। चीन, ब्राजील और भारत के खिलाफ वे टैरिफ युद्ध चला ही रहे हैं, रूस से तेल खरीदने के आरोप की आड़ में वे तीनों देशों पर अब 25 प्रतिशत की बजाय पांच सौ प्रतिशत टैरिफ थोपने की धमकी दे रहे हैं। ट्रंप की जैसी फितरत है, उसकी वजह से उनसे कोई सकारात्मक उम्मीद रखना बेमानी ही है। भारत-पाकिस्तान संघर्ष को रोकवाने को लेकर उनका कल्पित दावा हो या फिर ग्रीनलैंड, कोलंबिया, ईरान, मैक्सिको और क्यूबा को लेकर दी गई धमकी, सभी अमेरिकी दादागिरी का ही उदाहरण हैं। माना जा रहा है कि वे उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग के खिलाफ भी कार्रवाई कर सकते हैं। ट्रंप पहले ही कनाडा को अमेरिका का 51वां राज्य बनाने की बात कर चुके हैं और इस तरह अपने पड़ोसियों और यूरोप के अपने पारंपरिक सहयोगियो को ना सिर्फ आशंकित, बल्कि नाराज भी कर चुके हैं।

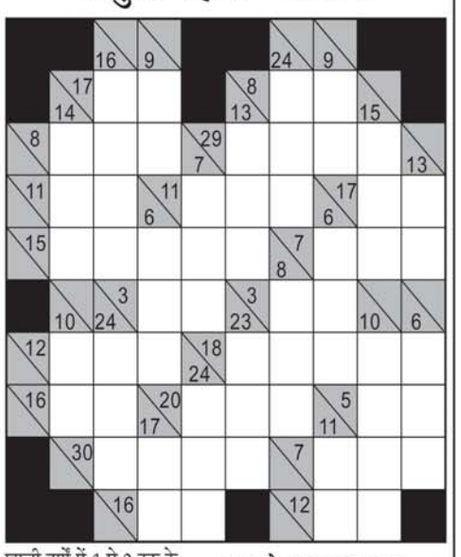

अमेरिकी दादागिरी पूरी दुनिया देखती और समझती रही है। लेकिन एक साथ इतने मोर्चे खोल देने की ट्रंप की नीति के खिलाफ अमेरिका में ही आवाजें उठने लगी हैं। पूर्व अमेरिकी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस का कहना कि वेनेजुएला में की गई कार्रवाई की जरूरत नहीं थी और इससे अमेरिका को लेकर संघर्ष बढ़ेगा, एक तरह से अमेरिका की बढ़ती चुनौतियों का ही संकेत देता है।

टाईम पास

काकुरो पहेली - 3771

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

काकुरो -3770 का हल

हंसी के फूव्वारें

एक कवि की कविताएं कोई नहीं सुनता था आखिरकार एक दिन जब एक व्यक्ति ने उनकी कविता सुनी तो कवि ने उसका आभार मानते हुए कहा कि 'आप पहले ऐसे महानुभाव है जिन्होंने कि मेरी कविताएं इतने ध्यान से सुनी हैं.'

दूसरा व्यक्ति- 'जरा जोर से बोलिए मैं थोड़ा ऊंचा सुनता हूँ.'

□ □ □

एक कैदी से मिलने जेल में कोई नहीं आता था, यह देख कर जेलर को उस पर दया आ गई उसने कैदी को बुलाकर पूछा कि 'क्या बात है तुमसे मिलने तुम्हारा कोई रिश्तेदार जेल में क्यों नहीं आता है ?'

कैदी- 'क्योंकि साहब वे सब भी तो यहीं ही है !'

□ □ □

दो मित्र आपस में बातें कर रहे थे. एक बोला- 'क्या यह ताज्जुब की बात नहीं कि रमेश के भाग्य ने उसका आखिर तक साथ दिया.'

'वह कैसे ?'

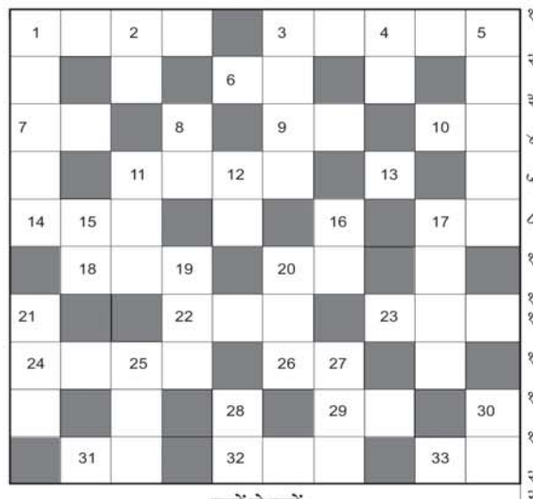

'खाना खाते हुए वह एक मोती निगल गया था.' मित्र ने पूरी बात बताते हुए कहा -'जब उसका ऑपरेशन करके वह मोती निकाला गया तो वह इतना कीमती निकला कि उसकी कीमत से न केवल आपरेशन का बिल ही चुक गया, बल्कि उसका क्रिया-कर्म भी ठाठ से सम्पन्न हुआ.'

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली - 3771

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, अक्षय, करिश्मा की 'दिल लगाने की' गीत वाली फिल्म-२,२
३. 'आते आते तेरी' गीत वाली संजयदत्त, अनिताराज की फिल्म-२,१,२
६. दिलीपकुमार, निम्मी की 'आग लगी तन मन में' गीत वाली फिल्म-२
७. 'धक धक करने लगा' गीत वाली अनिलकपूर, माधुरी की फिल्म-२
९. 'कमसिन कली हूँ' गीतवाली फिल्म-२
१०. मनोज वाजपेयी, उर्मिला की रामगोपाल वर्मा निर्देशित फिल्म-२
११. राजेश खन्ना, शबाना की 'दिन महीने साल' गीत वाली फिल्म-४
१३. 'उगंली में अंगूठी' गीत वाली जीतेंद्र, जयाप्रदा की फिल्म-१
१४. गोविंदा, रवीना की 'तेरे प्यार ने ये क्या' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'दोस्तों तुम सबको' गीतवाली अनिल, जैकी, टीना, हेमा की फिल्म-२
१८. नायक सुनीलदत्त वाली फिल्म 'मिलन' की नायिका कौन थी-३
२०. 'सनी' में अमृता सिंह का नायक-२
२२. अशोक, मधुबाला की 'मुश्किल है बहुत मुश्किल' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'तुन्ना तुन्ना तक तक तुन्ना' गीत वाली संजयदत्त, अनिताराज की फिल्म-३
२४. सुनील शेट्टी, रवीना टंडन की 'बप्पा मोरिया' गीत वाली फिल्म-४
२६. 'ऐ दिल कहाँ तेरी मंजिल' गीतवाली देव आनंद, माला की फिल्म-२
२९. दीनो मोरिया, बिपाशा बसु की 'तुम अगर सामने' गीत वाली फिल्म-२
३१. 'गोरी के हाथ में' गीत वाली फिरोज खान, संजय, मुमताज की फिल्म-२
३२. ऋषिकपूर, शाहरूख, दिव्या की 'तेरी उम्मीद तेरा' गीत वाली फिल्म-३
३३. 'मेरा कँगना झाँझर चूड़ी' गीत वाली सुनील शेट्टी, रंभा की फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. जीतेंद्र, रेखा की 'मैं ने कह दी तूने सुन ली' गीत वाली फिल्म-२,३
२. 'दिलबर दिलबर' गीत वाली अनिल कपूर, शिल्पा, करिश्मा की फिल्म-२
३. 'सच कहते हैं हम' गीत वाली अक्षय कुमार, करिश्मा की फिल्म-४
४. 'तेरा जादू चल गया' में अभिषेक के साथ नायिका कौन थी-२
५. 'सुन सजना तेरे' गीत वाली मिथुन, जयाप्रदा, ममता कुलकर्णी की फिल्म-५
८. सलमान खान, रेवती की 'साथिया तूने क्या किया' गीत वाली फिल्म-२
११. फिल्म 'कालीचरण' में 'लॉयन' के नाम से कौन प्रसिद्ध हुआ-३
१२. 'इस टूट दिल की पीर' गीतवाली फिल्म-२
१५. जैकी श्रॉफ, रति की 'जितना कभी किसी ने' गीत वाली फिल्म-२
१६. फिल्म 'प्यार दिवाना होता है' में गोविंदा के साथ नायिका -२
१७. मिथुन, संगीता बिजलानी की 'नाले नाले मैं चली' गीत वाली फिल्म-४
१९. 'ओ गुड़िया ओ बहना' गीत वाली संजयदत्त, फरहा की फिल्म-३
२०. फिल्म 'निकाह' की नायिका कौन थी-३
२१. १९४२ ए लव स्टोरी' के गीत 'क्यों नये लग रहे हैं' की गायिका कौन?-३
२५. फिल्म 'अमर प्रेम' में नायिका कौन थी-३
२७. 'छू कर मेरे मन को' गीत वाली फिल्म-३
२८. धर्मेन्द्र, सायरा 'आज की रात नया चाँद' गीत वाली फिल्म-२
३०. संजय खान, डैनी, जीनत की 'उलझन सुलझे ना' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 3770

सूडोकु -3771

5		9		8	3	2		
	2		4					8
3	8		5	2	6	1		
	7						9	5
9		3	6		8	7		4
2	6						1	
		5	2	7	1		8	6
6					4		7	
		8	9	6		4		2

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3770 का हल

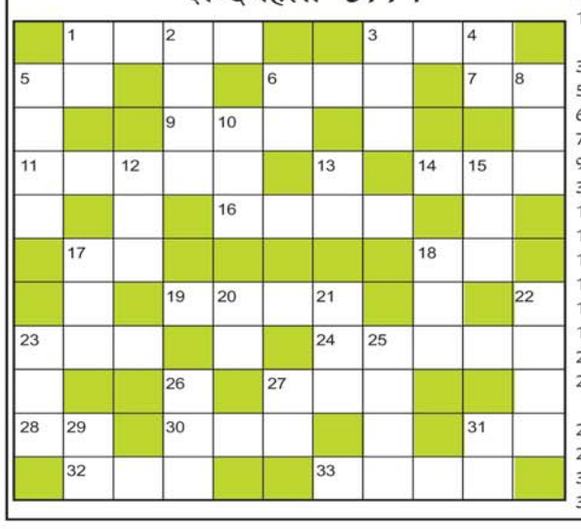

8	2	5	3	6	7	9	1	4
4	6	1	8	9	2	3	7	5
3	7	9	1	5	4	6	8	2
1	3	7	4	2	9	5	6	8
6	5	2	7	1	8	4	9	3
9	8	4	6	3	5	1	2	7
2	4	6	9	8	3	7	5	1
5	1	3	2	7	6	8	4	9
7	9	8	5	4	1	2	3	6

शब्द पहेली - 3771

बाएँ से दाएँ

1.महीन व कीमती कपड़ा-4
3.गिरवी रखी वस्तु-3
5.चहा,पेय पदार्थ-2
6.ऐयार,गुप्तचर-3
7.संध्या,सांझ-2
9.रसद,किराणा सामग्री-3
11.करामात,करतब-5
14.विक्रय स्थल-3
16.कलाकार-4
17.चाहत,लगन-2
18.सद्,अच्छा-2
19.लंबा कोट-4
23.पानी की बूंद-3
24.कमर में पहना जाने वाला आभूषण-5
27.लोभ,लालसा-3
28.दौड़ना(अंग्रेजी-2)
30.रेखा,लाइन-3
31.अकुवा,आकड़ा-2
32.अव्यवस्थित भीड़-3
33.अचानक,सहसा-4

ऊपर से नीचे

1.शराब-2
2.सम्राट,शहंशाह-4
3.सांभर जैसा खाद्य-3
4.सरुर, मद-2
5.चापलूस-4
6.प्राण, जीवन तत्व-2
8.चिंतन-3
10.भद्र, कुलीन-3
12.अपराध-3
13.पिता का भाई-2
15.यात्री दल-3
17.प्रेम लगन-3
18.भ्रमर,जलावर्त-3
20.चमड़ी,त्वचा-2
21.अनुकृति-3
22.आर्द्रक-4
23.कटि,मध्यांग-3
25.हठ करना, जिद करना,रोना-4
26.साजन,सनम-3
27.थूक,लेस-2
29.भीगा हुआ-2
31.उम्मीद,आशा-2

शब्द पहेली -3770 का हल

नोएडा प्राधिकरण का बड़ा फैसला

जारी रहेगी स्टॉल्ड रियल एस्टेट प्रोजेक्ट्स नीति, बिल्डर जमा कर सकते है पैसा

नोएडा। घर खरीदारों को राहत देने और लंबे समय से अटकी आवासीय परियोजनाओं को गति देने के उद्देश्य से नोएडा प्राधिकरण ने एक अहम फैसला लिया है। प्राधिकरण ने उत्तर प्रदेश सरकार की स्टॉल्ड रियल एस्टेट प्रोजेक्ट्स नीति के तहत उन बिल्डरों को भी लाभ देना जारी रखने का निर्णय किया है, जिन्होंने तय समयसीमा में पुनर्गणना की गई बकाया राशि का अनिवार्य 25ब जमा नहीं किया था।

यह निर्णय 3 जनवरी को हुई नोएडा प्राधिकरण की बोर्ड बैठक में लिया गया। बैठक में 21 दिसंबर 2023 को जारी राज्य सरकार के उस आदेश को आगे बढ़ाने की मंजूरी दी गई, जिसे कैबिनेट से स्वीकृति मिल चुकी है। इसके साथ ही बोर्ड ने अपने पहले के उस प्रस्ताव को पलट दिया,जिसमें गैर-अनुपालन करने वाले बिल्डरों से नीति के सभी लाभ वापस लेने की सिफारिश की गई थी।

57 परियोजनाएं नीति के दायरे में

अमिताभ कांत की सिफारिश के तहत 57 परियोजनाओं में से 31 दिसंबर 2025 तक 36 परियोजनाओं के डेवलपर ने इसका लाभ लिया। जो कि कुल डेवलपर का करीब 60 प्रतिशत हिस्सा है।

इसमें 4 ऐसी परियोजनाएं है जिनके द्वारा अपनी सहमति के बाद भी भुगतान नहीं किया गया। 11 ऐसे डेवलपर है। जिनके द्वारा 25 प्रतिशत धनराशि के सापेक्ष आंशिक धनराशि जमा करायी गयी।

36 ऐसे डेवलपर है जिनके द्वारा 25 प्रतिशत धनराशि जमा कराए जाने के बाद कोई भी भुगतान नहीं किया गया। कुल 872.12 करोड़ की धनराशि प्राधिकरण में जमा कराई गई। जिससे 6855 फ्लैट बायर्स के पक्ष में रजिस्ट्री हो सकती है।

अब तक 4134 फ्लैट बायर्स की रजिस्ट्री की जा चुकी हैं। बोर्ड ने रजिस्ट्री कराने का निर्देश दिया।

नोएडा प्राधिकरण के सीईओ लोकेश एम ने बोर्ड को बताया कि चूंकि अटकी परियोजनाओं की नीति राज्य सरकार की है, इसलिए इसे पूरी तरह वापस नहीं लिया जाना चाहिए। जो बिल्डर बकाया चुकाने को तैयार हैं, उन्हें अवसर दिया जाना चाहिए। बोर्ड ने सहमति जताई कि डिफॉल्टर परियोजनाओं के मामलों को व्यक्तिगत रूप से परखा जाएगा और फिर निर्णय लिया जाएगा न कि एक साथ सभी लाभ वापस लिए जाएं।

21 हजार से अधिक फ्लैट थे अनरजिस्टर्ड

बोर्ड को बताया गया कि नीति लागू होने के समय 57 परियोजनाओं में 21,034 फ्लैटों का रजिस्ट्री लंबित थी। डेवलपर्स द्वारा किए गए भुगतानों के अनुपात में 6,855 फ्लैटों के पंजीकरण की अनुमति दी गई। 31 दिसंबर 2025 तक 4,134 फ्लैटों का रजिस्ट्री हो चुकी है।

वृंदा सिटी में 20 साल बाद फ्लैटों की रजिस्ट्री शुरू

बायर्स ने ढोल बजाकर खुशी जताई, 166 फ्लैटों का होगा पंजीकरण

गौतम बुद्ध नगर। ग्रेटर नोएडा की वृंदा सिटी में 20 साल के लंबे इंतजार के बाद फ्लैट मालिकों को अपने घरों का मालिकाना हक मिल गया है। रजिस्ट्री प्रक्रिया शुरू होने पर गृहस्वामियों ने ढोल बजाकर खुशी मनाई।

सोसाइटी के निवासी हिमांशु शुक्ला ने बताया कि दो दशकों से अधिक समय तक चले संघर्ष, प्रतीक्षा और अनिश्चितता के बाद यह एक ऐतिहासिक क्षण है। कई परिवारों ने अपने फ्लैटों का पंजीकरण सफलतापूर्वक संपन्न कराया।

जिन गृहस्वामियों ने पहले दिन अपने घरों का पंजीकरण कराया, उनमें विजय कुमार चौबे, आनंद कुमार राय, संध्या राय, मोहन कुमार वर्मा, प्रगति वर्मा, श आरती चावला कंसल, आशीष मोहन, अक्षय कुमार जैन, दीपक गुप्ता, निधि गर्ग, सुधा शर्मा, प्रदीप कुमार, रुही शुक्ला और हिमांशु शुक्ला शामिल हैं। अगले कुछ दिनों में सोसाइटी के कुल 166 फ्लैटों का पंजीकरण होना है।

इन परिवारों के लिए यह केवल एक कानूनी प्रक्रिया नहीं, बल्कि 20 वर्षों से अधिक समय तक चले संघर्ष का परिणाम है।

अपनी जीवन भर की कमाई निवेश करने के बावजूद, गृहस्वामियों को परियोजना से जुड़ी प्रशासनिक प्रक्रियाओं, अनुमोदनों और लंबित प्रमाणपत्रों के कारण लंबा इंतजार करना पड़ा था।

गृहस्वामियों के लगातार प्रयासों, सामूहिक प्रतिनिधित्व और प्राधिकरण के साथ संवाद के बाद कंप्लीशन सर्टिफिकेट जारी हुआ। इससे पंजीकरण प्रक्रिया का मार्ग प्रशस्त हुआ। निवासियों ने कहा कि यह सिर्फ घर का पंजीकरण नहीं, बल्कि वर्षों से रुकी हुई उम्मीदों का पूरा होना है।

शार्ट न्यूज

नोएडा डिवाइडर से टकराकर पलटी थार

नोएडा। नोएडा में तेज रफ्तार थार कार का एक्सीडेंट हो गया। डिवाइडर से टकराकर कार पलट गई। कार एक लड़की ड्राइव कर रही थी। जिसे हल्की चोट लगी है। वहीं, कार का बोनट और साइड बुरी तरह से क्षतिग्रस्त है। घटना सेक्टर-126 के पास की है। पुलिस ने क्रेन की मदद से कार को साइड किया। इसका एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। ये वीडियो 15 सेकेंड का है। जिसमें ट्रैफिक पुलिसकर्मी क्षतिग्रस्त कार को क्रेन की मदद से सड़क से हटा रही है। गनीमत रही कि कार की चपेट में कोई अन्य वाहन या लोग नहीं आए। अन्यथा बड़ा हादसा हो सकता था। पुलिस ने बताया कि कार एक लड़की चला रही थी। वो अपने दोस्त को छोड़कर वापस लौट रही थी। इसी दौरान उसके झपकी आ गई। जिससे कार सड़क किनारे डिवाइडर से टकरा कर पलट गई। इस दौरान कार की स्पीड करीब 70 से 80 किमी प्रतिघंटा थी। कार पलटने के बाद करीब 10 मीटर घिसटती गई। इस घटना में युवती को मामूली चोट लगी जिसे उपचार के बाद छोड़ दिया गया है।

साइबर ठगी के लिए पहले थाइलैंड फिर भेजा म्यांमार

नोएडा। नोएडा साइबर क्राइम की टीम ने एक एजेंट को शामली से गिरफ्तार किया है। ये बेरोजगार युवाओं को विदेश में नौकरी दिलाने पर फंसाता और उन्हें विदेश में बैठे साइबर ठगों को सौंप देता था। साइबर ठग ऐसे युवाओं से साइबर ठगी करवाते है। आरोपी की पहचान शुभम पुंडीर हुई है। अब तक पूछताछ में छह लोगों को थाइलैंड के रास्ते म्यांमार भेज चुका है। डीसीपी साइबर क्राइम शैव्या गोयल ने बताया कि नोएडा सेक्टर 73 निवासी पीड़ित ने 12 जनवरी को मुकदमा दर्ज कराया। उसने बताया कि इंस्टाग्राम के जरिए उसकी मुलाकात शुभम नाम के व्यक्ति से हुई। शुभम ने उसे विदेश में डाटा एंट्री करने की नौकरी दिलाने का झांसा दिया। उससे थाईलैंड भेजने के नाम पर 80 हजार रुपए लिए। शुभम ने उसका टिकट बुक किया और उसे थाईलैंड भेजा दिया। वहां मौजूद एक अन्य ऐजेंट उसे साइबर अपराधियों के पास ले गया। जहां से उसे म्यांमार देश लाया गया। वहां उससे जबरन साइबर ठगी का काम करवाया गया। उसको म्यांमार में साइबर स्लेवरी में रखा और दुनिया के विभिन्न देशों के व्यक्तियों को साइबर ठगी के लिए सोशल मीडिया प्लेट फार्म जैसे फेसबुक इस्ट्राग्राम, टिन्डर ऐप आदि के माध्यम से ग्रेटिंग मैसेज भिजवाए गए। जिससे ठगी हो रही है।

जेवर में विवाहिता को घर से निकाला

जेवर। ग्रेटर नोएडा के ईकोटेक-1 कोतवाली क्षेत्र स्थित घरबरा गांव में एक व्यक्ति ने अपनी बेटी को दहेज के लिए प्रताड़ित कर घर से निकालने का आरोप लगाया है। शिकायतकर्ता के अनुसार, ससुराल पक्ष ने 50 लाख रुपये का दहेज न मिलने पर विवाहिता के साथ मारपीट की। पुलिस ने इस मामले में पति सहित पांच लोगों के खिलाफ बुधवार को केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। रविंद्र नामक व्यक्ति ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उन्होंने करीब दो साल पहले अपनी बेटी साक्षी का विवाह हरियाणा के तिगांव निवासी योगेश नागर से किया था। शादी में अपनी क्षमतानुसार दहेज दिया गया था, लेकिन ससुराल पक्ष इससे संतुष्ट नहीं था। आरोप है कि शादी के कुछ समय बाद ही 50 लाख रुपये के अतिरिक्त दहेज की मांग की जाने लगी। यह मांग पूरी न होने पर साक्षी को लगातार शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जाता रहा। रविंद्र ने आगे आरोप लगाया कि हाल ही में ससुराल वालों ने उनकी बेटी के साथ मारपीट की और उसे घर से निकाल दिया। इस घटना के बाद से पीड़िता अपने मायके में रह रही है। पीड़ित परिवार की शिकायत पर पुलिस ने कार्रवाई की।

ग्रेटर नोएडा में सेल्समैन को लाठी-डंडों से पीटा

जेवर। ग्रेटर नोएडा के दनकौर कोतवाली क्षेत्र के भट्टा गांव में शराब के ठेके के सेल्समैन के साथ मारपीट का गंभीर मामला सामने आया है। आरोप है कि समय से पहले और उधारी शराब देने से मना करने पर कुछ दबंगों ने लाठी-डंडों से हमला कर सेल्समैन को गंभीर रूप से घायल कर दिया। घायल का इलाज अस्पताल में चल रहा है। इस संबंध में पीड़ित की तरफ से पुलिस से मंगलवार देर रात को मामले की शिकायत की गई है। पीड़ित नरेश निवासी बुलंदशहर ने दनकौर कोतवाली में दी शिकायत में कहा है कि वह भट्टा गांव स्थित शराब के ठेके पर सेल्समैन के रूप में कार्यरत हैं। मंगलवार सुबह करीब 10 बजे से पहले कुछ दबंग युवक शराब लेने दुकान पर आए। नियम के अनुसार समय से पहले और उधार नशराब न देने पर नरेश ने मना कर दिया। इस पर नाराज होकर आरोपियों ने नरेश के साथ गाली-गलौज की और फिर उसको सीसीटीवी कैमरे के सामने से उठा कर ले जाकर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। हमले में नरेश गंभीर रूप से घायल हो गए। शोर सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे, तब तक आरोपी धमकियां देते हुए फरार हो गए।

पौने दो लाख मतदाताओं को नोटिस जारी होंगे

ग्रेटर नोएडा। विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत जिले में 1.76 लाख मतदाताओं को वर्ष 2003 का विवरण न देने पर नोटिस जारी होंगे। इसके लिए जिला प्रशासन ने विधानसभा वार सूची तैयार कर ली है। सबसे अधिक दादरी विधानसभा के 98858 मतदाताओं ने विवरण पेश नहीं किया। जिले में चार नवंबर से एसआईआर जारी था। करीब 1868 बीएलओ ने घर-घर जाकर फॉर्म वितरित किए। लोकसभा चुनाव के तहत जिले में कुल 18,65,673 मतदाता पर सर्वे किया गया। अधिकारियों ने दावा किया कि बीएलओ ने शत प्रतिशत गणना पत्र बांटे, लेकिन कुल 1418202 फॉर्म का डिजिटाइजेशन यानी जमा हुए।कुल 1241974 मतदाता की मैंपिग हो चुकी हैं यानी यह मतदाता अपना और परिवार का 2003 का विवरण पेश कर चुके हैं। 176228 मतदाता ऐसे हैं, जिन्होंने अपना और परिवार का 2003 का विवरण पेश नहीं किया। कुल 23.98 प्रतिशत यानी 4,47,471 मतदाताओं को (अनुपस्थित, स्थानारित व मृत) श्रेणी में रखा गया है।

दूषित पेयजल आने की आपूर्ति शिकायत

ग्रेटर नोएडा। सेक्टर बीटा-1 में बुधवार को भी गंदे और दूषित पेयजल की आपूर्ति हुई। इससे लोगों में रोष देखने को मिला। लोगों का आरोप है कि सेक्टर अल्फा-2 और सेक्टर डेल्टा-1 में दूषित पेयजल से बड़ी संख्या में लोग बीमार हो चुके हैं। ग्रेटर नोएडा के सेक्टर बीटा-1 के ई ब्लॉक में दूषित पेयजल की आपूर्ति हो रही है। इसके वीडियो लोगों ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर जिम्मेदार अधिकारियों की कार्यशैली पर सवाल उठाए। लोगों का आरोप है कि लगातार शिकायत करने के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं हो रही। बता दें कि कई दिनों से शहर में दूषित पेयजल से सेक्टर डेल्टा-1 में सात लोगों और सेक्टर अल्फा-2 में अब तक 110 लोग बीमार हो चुके हैं।इसके बाद भी ग्रेनो प्राधिकरण के अधिकारी कार्रवाई करने का आश्वासन देते नजर आ रहे हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर कोई काम नहीं हो रहा है। इससे लोगों में रोष है। वे बोतलबंद पानी का इस्तेमाल कर रहे हैं। यहां तक कि घरों में साफ सफाई के लिए भी उन्हें पानी खरीदकर मंगाना पड़ रहा है।

अवैध हथियार के साथ दो आरोपी दबोचे

नोएडा। सेक्टर-24 थाने की पुलिस ने बुधवार को सेक्टर-34 स्थित अरावली क्षेत्र में जांच के दौरान दो संदिग्ध लोगों को गिरफ्तार कर लिया। उनके पास से दो अवैध हथियार बरामद हुए। वह किसी वारदात को अंजाम देने की नियम से घूम रहे थे। थाना प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि पुलिस की टीम गश्त कर रही थी, तभी सेक्टर-34 स्थित अपना घर आश्रम के पास उसे दो संदिग्ध दिखाई दिए। टीम ने दोनों को रुकने का इशारा किया तो वह घबरा गए। वह रुकने के बजाय भागने लगे। टीम ने पीछा करके दोनों को दबोच लिया। पुलिस ने तलाशी ली तो दोनों से अवैध हथियार बरामद हुए।आरोपियों की पहचान सेक्टर-51 स्थित होशियारपुर गांव निवासी सन्नी झा और रवि के रूप में हुई। दोनों से अवैध हथियार लेकर घूमने का कारण पूछा तो उन्होंने बताया कि वे राह चलते लोगों से वारदात को अंजाम देने की नियत से घूम रहे थे। टीम ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। जहां से दोनों को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

अखलाक मॉब लिंचिंग केस में 22 जनवरी को होगी सुनवाई

नोएडा। अखलाक मॉब लिंचिंग मामले में ट्रांसफर याचिका (टीए) पर गौतमबुद्ध नगर के जिला न्यायाधीश आज सुनवाई की। अखलाक के परिवार के वकील यूसुफ सैफी ने बताया कि मामले में आरोपी पक्ष की ओर से कोई बहस नहीं की गई। दस्तावेज जमा करने के लिए कुछ और समय मांगा है। कोर्ट ने अगली तारीख 22 जनवरी दी है। 23 जनवरी को अखलाक पक्ष की ओर से गवाही भी दी जाएगी। 22 जनवरी को सुनवाई के बाद यह तय किया जाएगा कि मामला अतिरिक्त जिला न्यायाधीश की फास्ट ट्रैक कोर्ट में चलेगा या किसी अन्य अदालत में चलेगा। आरोपियों के वकील ने 8 जनवरी को एफटीसी से किसी अन्य अदालत में मामले के ट्रांसफर के लिए याचिका दायर की थी। ट्रांसफर याचिका छह आरोपियों विनय, शिवम, सौरभ, संदीप, गौरव और हरिओम की ओर से दायर की गई है। याचिका में आरोप लगाया गया है कि पुलिस द्वारा उनके खिलाफ लगाए गए सभी आरोप झूठे हैं। उन्हें झूठे तरीके से फंसाया गया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए उत्तर प्रदेश सरकार ने निर्दोष लोगों के खिलाफ दर्ज मामला वापस लेने का निर्देश दिया। मगर एफटीसी अदालत ने सुनवाई के बाद धारा-321 सीआरपीसी के तहत मामला वापस लेने के आवेदन को खारिज कर दिया।

नोएडा एयरपोर्ट को मिल सकती है कंडीशनल एनओसी

इस बेस पर मिल सकता है डीजीसीए लाइसेंस, काम पूरा होते ही उड़ेगी कामर्शियल फ्लाइट

नोएडा। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर सुरक्षा मानकों को पूरा करने के लिए तेजी से काम किया जा रहा है। अब तय समय में शेष मानकों को पूरा करने की शर्त पर कंडीशनल एनओसी जारी किया जा सकता है। जिसके बाद उद्घाटन किया जा सकता है। हालांकि कॉमर्शियल फ्लाइट की उड़ान तभी भर सकती है जब काम पूरी तरह से हो जाएगा।

बकास को मिली थी 25 कमियां

ब्यूरो ऑफ सिविल एविएशन सिक्योरिटी (बकास) ने पहले 25 सुरक्षा कार्यों की कमी पर आपत्तियां दर्ज की थीं। इनमें सीसीटीवी, चारदीवारी के पास वॉच टावर, कुछ सुरक्षा उपकरणों को बदलने समेत कई पाइंट शामिल थे। एयरपोर्ट प्रबंधन ने इनमें से अधिकांश कार्य पूरे कर लिए हैं। जबकि शेष कार्यों पर काम जारी है। जनवरी में बकास की टीम लगातार निरीक्षण कर रही है।

तय समय पर काम पूरा करे

अब तय समय में शेष मानकों को पूरा करने की शर्त पर कंडीशनल एनओसी जारी किया जा सकता है। अधिकारियों के मुताबिक यह सर्टिफिकेट केवल उद्घाटन के लिए मान्य होगा। इसके लिए एयरपोर्ट प्रबंधन को एक सेल्फ अटैच प्रमाण पत्र देना होगा। इसके बाद ही डीजीसीए लाइसेंस जारी करेगा और कॉमर्शियल फ्लाइटें की अनुमति मिलेगी।

फरवरी में हो सकता है उद्घाटन

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हाल ही में कहा था कि 15 जनवरी के बाद एयरपोर्ट का उद्घाटन किया जा सकता है।

माना जा रहा है कि कंडीशनल एनओसी मिलने के बाद फरवरी में उद्घाटन किया जा सकता है।

नोएडा को यूपी दिवस पर मिलेंगे तीन प्रोजेक्ट

स्काई वॉक, क्लॉक टावर और गोदावरी मार्केट, लोगों के लिए बनेंगे सेल्फी पाइंट

नोएडा। नोएडा में 24 से 26 तक तीन दिवसीय यूपी दिवस मनाया जाएगा। तीनों दिन सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। स्कूल से संपर्क किया जा रहा है। इसके अलावा नोएडा वासियों के लिए तीन प्रोजेक्ट शुरू किए जाएंगे। नोएडा को पहला स्काई वॉक मिलेगा। इसके अलावा श्रीनगर की तर्ज पर क्लॉक टावर बनाया गया है। वहीं न्यूली रिन्यू वेटेड गोदावरी मार्केट मिलेगा। ये तीनों प्रोजेक्ट 47 करोड़ के आसपास के है।

श्रीनगर की तर्ज पर क्लॉक टावर

सेक्टर-38ए जीआईपी मॉल के सामने बन रहा क्लॉक टावर का शुभारंभ यूपी दिवस पर किया जाएगा। नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों का कहना है कि काम अंतिम चरण में है। इससे पहले सेक्टर-128 जेपी गोलचक्कर के पास बनाए गए क्लॉक टावर का शुभारंभ किया जा चुका है। अधिकारियों ने बताया कि इस क्लॉक टावर की ऊंचाई करीब 70 फीट है। इसको बनाने में करीब एक करोड़ 40 लाख रुपए का खर्च किए गए है। यहां घड़ियों को लगा दिया गया है। फिनिशिंग का काम किया जा रहा है।

नोएडा के सेक्टर-51 और 52 मेट्रो स्टेशन को जोड़ने के लिए बन रहे स्काई वॉक का काम पूरा कर लिया गया है। यहां लगाए गए ट्रेवलेटर की टेस्टिंग चल रही है। स्काई वॉक नहीं बने होने के कारण अभी लोगों को स्टेशनों से नीचे उतरकर पैदल आना-जाना पड़ता है। सड़क किनारे बने फुटपाथ के जरिए लोग आते-जाते हैं। लोगों की सुविधा के लिए फ्री में लगाए गए ई-रिक्शे भी बंद हो चुके हैं।

स्काई वॉक करीब 450 मीटर लंबा और छह मीटर चौड़ा है। एक तरफ यह स्काई वॉक एनएमआरसी के सेक्टर-51 स्टेशन और दूसरी तरफ डीएमआरसी के सेक्टर-52 स्टेशन से जोड़ रहा है। मेट्रो से दिल्ली और नोएडा से ग्रेनो की ओर जाने वालों को इस इंटरचेंज पर स्टेशनों से नीचे उतरने की जरूरत नहीं पड़ेगी। वे स्काई वॉक के जरिए आ-जा सकेंगे। लोगों की सहूलियत के लिए यहां पर 10 ट्रेवलेटर भी लगाए गए हैं। यह ट्रेवलेटर करीब 250 मीटर हिस्से में बीच-बीच में लगे हैं।

गोदावरी मार्केट का काम पूरा

सेक्टर-37 स्थित गोदावरी मार्केट का नवीनीकरण किया जा रहा है। इसका काम पूरा कर लिया गया है। नोएडा में ब्रह्मपुत्र मार्केट के बाद दूसरा बाजार है जिसका नवीनीकरण किया गया है। सेक्टर-37 गोदावरी मार्केट करीब 40 साल पुरानी है। यहां भूतल पर 38 दुकान और 5 कियोस्क है। इस मार्केट के प्रथम तल पर पांच हॉल है। यहां रोजाना हजारों की संख्या में फुटफॉल है। इसे दोबारा से डिजाइन करके बनाया गया है। फसाड लाइट लगाई गई है। जिस पर करीब 2.34 करोड़ रुपए खर्च किए गए है।

नोएडा में युवक ने किया सुसाइड

नोएडा। नोएडा सेक्टर-52 स्थित अरावली अपार्टमेंट के एक फ्लैट में किराए पर रहने वाले युवक ने मंगलवार शाम फंदे से झूलकर सुसाइड कर लिया। सेक्टर-24 थाना पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल पहुंचाया। युवक मानसिक रूप से परेशान चल रहा था। पुलिस ने बताया कि मूलरूप से मध्य प्रदेश के जिला मुरैना निवासी अंकित वर्मा सेक्टर-52 स्थित अरावली अपार्टमेंट के प्रथम तल के फ्लैट में किराए पर रहता था। वह एक प्राइवेट कंपनी में नौकरी करता था। वह सोसाइटी में पिछले कुछ सालों से रहते थे। उन्होंने कमरे में फंदा लगाकर सुसाइड कर लिया। बुधवार सुबह शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। वहीं, आरडब्ल्यूए के अध्यक्ष ओपी यादव ने बताया कि मंगलवार शाम परिजन ने अंकित को कॉल की थी। काफी देर तक संपर्क न होने पर उन्होंने ओपी यादव से संपर्क किया, लेकिन बिना कानूनी प्रक्रिया के उन्होंने फ्लैट खुलवाने में असमर्थता जताई। बुधवार सुबह परिजन ने अंकित के दोस्त को फ्लैट पर भेजा। मौके पर पुलिस को बुलाया गया। पुलिस दरवाजा तोड़कर अंदर घुसी तो, देखा शव जमीन पर पड़ा था। गले में बेडशीट बंधी थी।

ग्रेटर नोएडा में अवैध कब्जा करने वालों पर एक्शन

प्राधिकरण की शिकायत पर केस दर्ज, जमीन कारोबारी को दी गई थी

नोएडा। ग्रेटर नोएडा के खेड़ा चौगानपुर में प्राधिकरण की अधिगृहीत व अधिसूचित जमीन पर अवैध रूप से कब्जा करने का मामला सामने आया है। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने इस मामले में अवैध कब्जाधारियों के खिलाफ शिकायत की थी। थाना इकोटेक-3 ने इस मामले में प्रदीप भाटी, कुलदीप भाटी और संजीव भाटी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद भू माफियाओं को लेकर तीनों प्राधिकरण एक्शन मोड में है। ऐसे में कब्जा और अर्जित भूमि पर अवैध कब्जा और कब्जा धारियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया जा रहा है। इसी क्रम में सेक्टर केपी-5 में भूखंड संख्या 33ए ग्राम खेड़ा चौगानपुर के खसरा नंबर-126 में आता है। ये जमीन प्राधिकरण की अर्जित और कब्जा प्राप्त जमीन है। इसका मुआवजा भी किसान की ओर से लिया जा चुका है। ये भूखंड कंपनी PIVOTEL INFRASTRUCTURE PRIVATE LIMITED को आवंटित की गई है। इस संबंध में भू मालिक सुनील कुमार ने बताया कि हाल ही में जमीन की फेंसिंग का कार्य शुरू किया गया तो उक्त अवैध कब्जा धारियों ने कर्मचारियों को परेशान किया और उनके कर्मचारियों के साथ मारपीट तक की। अवैध कब्जाधारियों द्वारा किसान यूनियन के नाम पर प्रदर्शन किया गया। यही नहीं कंपनी कर्मचारियों को स्थल पर काम करने से रोका गया।

मारपीट और जान से मारने की धमकी

कर्मचारियों के साथ मारपीट और उनको जान से मारने की धमकी देते हुए सामान तक फेंक दिया गया। जबकि भूखंड पर आवंटी नियमानुसार कार्य कर रहा है। अलग-अलग तरीकों से अवैध कब्जाधारी ब्लैक मेल करने का प्रयास तक कर रहे है। वो अज्ञात लोगों का नाम लेकर जमीन के मालिक बताते है। इस संबंध में उन्होंने ग्रेटरनोएडा प्राधिकरण में लिखित शिकायत दी।

ग्रेटर नोएडा : 15 लोगों पर केस दर्ज

घर के सामने कार खड़ी करने से मना करने पर परिवार पर हमला

जेवर। ग्रेटर नोएडा के दनकौर कस्बे के मोहल्ला प्रेमपुरी में घर के सामने कार खड़ी करने से मना करने पर एक परिवार पर हमला किया गया। इस घटना में परिवार के चार सदस्य घायल हो गए, जिन्हें ग्रेटर नोएडा के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने इस मामले में 10 नामजद सहित 15 लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है और बुधवार को तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

पीड़ित राजेंद्र कुमार ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनके पड़ोसी काफी समय से जबरन उनके घर के सामने कार और बाइक खड़ी करते थे।

इससे उनकी अपनी गाड़ी खड़ी करने के लिए पर्याप्त जगह नहीं बचती थी। राजेंद्र कुमार ने कई बार इसका विरोध किया, लेकिन आरोपी उन्हें धमका देते थे। आरोप है कि सोमवार रात को फिर से विरोध करने पर आरोपियों ने मारपीट शुरू कर दी। इसकी सूचना पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों पक्षों को समझा-बुझाकर आरोपियों को चेतावनी दी थी।

इसके बावजूद, मंगलवार रात को पीड़ित पक्ष पर लाठी-डंडों से जानलेवा हमला किया गया। इस हमले में सीताराम, जयप्रकाश, धर्मेंद्र और तरुण को गंभीर चोटें आईं, जबकि परिवार के अन्य सदस्यों को भी मामूली चोटें लगीं। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक आरोपी फरार हो चुके थे।

घायलों को इलाज के लिए ग्रेटर नोएडा के अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

नगर पंचायत अध्यक्ष की दुकान से लाखों के तार चोरी

जेवर। ग्रेटर नोएडा के दनकौर कस्बे में नगर पंचायत अध्यक्ष राजवती देवी की इलेक्ट्रॉनिक दुकान से लाखों रुपये के बिजली के तार चोरी हो गए। यह घटना दनकौर बस अड्डे के पास स्थित दुकान में करीब तीन दिन पहले हुई, जिसकी शिकायत अब पुलिस में दर्ज कराई गई है। नगर पंचायत अध्यक्ष के बेटे दीपक ने दनकौर कोतवाली में इस संबंध में तहरीर दी है। शिकायत के अनुसार, अज्ञात चोर छत के रास्ते दुकान तक पहुंचे और खिड़की काटकर अंदर दाखिल हुए। उन्होंने दुकान में रखे लाखों रुपये कीमत के तांबे और कॉपर के बिजली के तार चुरा लिए। चोरी का पता तब चला जब दुकान खोली गई। दुकान के अंदर सामान बिखरा पड़ा था और बिजली के तार गायब थे। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटना स्थल का निरीक्षण किया।

नोएडा में सड़क हदसा दो युवकों की मौत

नौ जनवरी को एक्सप्रेस वे पर हुआ था हादसा, दिल्ली में चल रहा था इलाज

नोएडा। एक्सप्रेसवे थानाक्षेत्र में सेक्टर-129 के पास नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे पर ट्रक चालक ने लापरवाही से वाहन चलाते हुए बाइक सवार तीन युवकों को टक्कर मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। घटना नौ जनवरी की है। घायलों को गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहां इलाज के दौरान युवकों की मौत हो गई।

थाने में दी शिकायत में संत कबीर नगर के खलीलाबाद निवासी अमित चौधरी ने बताया कि नौ जनवरी को उनके चाचा पंकज कुमार सहकर्मी विवेक कुमार और गुलशेर अली को बाइक पर लेकर परी चौक से होते हुए नोएडा आ रहे थे। रात ग्यारह बजे के करीब एक्सप्रेसवे थाना क्षेत्र में ट्रक

चालक ने लापरवाही से वाहन चलाते हुए बाइक में टक्कर मार दी। बाइक सवार तीनों युवक हादसे में गंभीर रूप से घायल हो गए।

सफदरजंग अस्पताल में कराया भर्ती

राहगीरों की मदद से घायलों को दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल के ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया। हालत गंभीर होने के चलते उपचार के दौरान ही विवेक और पंकज की मौत हो गई। गुलशेर अली ही हालत गंभीर है और उसका उपचार चल रहा है। हादसे के बाद घटना की जानकारी घायलों के परिजनों को दी गई थी। शिकायतकर्ता का यह भी कहना है कि हादसे के बाद आरोपी चालक ट्रक छोड़कर मौके से फरार हो गया।

सिर और सीने में आई थी चोट

पुलिस ने अज्ञात ट्रक चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। उसकी तलाश की जा रही है। मृतकों का अंतिम संस्कार कर दिया गया है। घटनास्थल के पास पुलिस को हेलमेट नहीं मिला है। जांच की जा रही है कि बाइक सवार युवकों ने हेलमेट लगाया था या नहीं। मृतक विवेक और पंकज के घर में मातम पसरा हुआ है। घायलों के सिर और सीने में चोट आई थी। टक्कर से बाइक भी पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई है।

सर्राफा व्यापारी का शव फांसी पर लटका मिला, इलाके में मचा हड़कंप

जन्मदिन के अगले दिन संदिग्ध हालात में मौत, पुलिस ने शव पोस्टमार्टम को भेजा

बरखेड़ा। थाना क्षेत्र में उस समय सनसनी फैल गई, जब एक सर्राफा व्यापारी का शव संदिग्ध परिस्थितियों में पशुशाला के अंदर फांसी के फंदे से लटका मिला। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई और परिजनों में कोहराम मच गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया है।मृतक की पहचान गांव पतरसिया निवासी ओमप्रकाश रस्तोगी के पुत्र राजीव रस्तोगी (उम्र लगभग 40 वर्ष) के रूप में हुई है। राजीव रस्तोगी बरखेड़ा कस्बे में कपड़ा और सर्राफा की दुकान चलाते थे। खास बात यह रही कि मृतक के घर एक दिन पहले ही जन्मदिन का कार्यक्रम आयोजित किया गया था, जिसमें रिश्तेदार भी शामिल हुए थे।

मृतक के बड़े भाई रजनीश रस्तोगी ने बताया कि राजीव रस्तोगी रोज की तरह सुबह करीब 7 बजे घर से पशुशाला जाने के लिए निकले थे, जहां भैंस आदि बंधी रहती हैं। काफी देर तक जब वह घर वापस नहीं लौटे तो परिजन चिंतित हो गए।इसी दौरान मृतक का पुत्र अपने पिता को खोजते हुए पशुशाला पहुंचा। वहां देखा कि पशुशाला का मुख्य गेट अंदर से बंद था।

किसी तरह गेट फांदकर अंदर प्रवेश किया तो पिता का शव रस्सी के सहारे फांसी के फंदे पर लटका हुआ मिला। यह दृश्य देखते ही वह चीख-पुकार करने लगा।

चीख-पुकार से जुटे ग्रामीण, परिजनों में मचा कोहराम

बच्चे की चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग छतों पर चढ़कर देखने लगे और घटना की सूचना परिजनों को दी। मौके पर पहुंचे परिजनों में कोहराम मच गया। देखते ही देखते गांव में शोक और दहशत का माहौल बन गया।

पुलिस जांच में जुटी, पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार

सूचना मिलने पर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को नीचे उतरवाकर कब्जे में लिया।

पुलिस ने आवश्यक कानूनी कार्रवाई करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया है।पुलिस के अनुसार मौत के कारणों की स्पष्ट जानकारी पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगी।

मामले की जांच हर पहलू से की जा रही है।मृतक राजीव रस्तोगी अपने पीछे पत्नी सुनीता देवी, दो बेटियां और दो बेटे छोड़ गए हैं। घटना के बाद परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है। गांव में शोक की लहर दौड़ गई है।

शराब-सिगरेट के लिए दोस्त की हत्या, पेट्रोल डालकर लाश जलाई

लखनऊ। लखनऊ में शराब-सिगरेट के लिए युवक की दो दोस्तों ने हत्या कर दी। पहले उसके सिर पर गमला मारा।फिर बेहोश होते ही चाकू से गला रेत दिया। पहचान छिपाने के लिए पेट्रोल छिड़ककर शव को आग लगा दी। पुलिस ने युवक की पहचान नगराम के टिकरा गांव निवासी सचिन तिवारी के रूप में की है। पुलिस के मुताबिक, सचिन ने दोस्त निहाल के घर पर शराब पार्टी दी थी।तभी शराब खत्म होने पर उनका विवाद हो गया। दोस्तों ने सचिन के शव को जलाकर भागीरथी एन्क्लेव के पास फेंक दिया। पुलिस ने दोनों आरोपी दोस्तों को बुधवार को अरेस्ट किया है। घटना 7 जनवरी की सुशांत गोल्फ सिटी इलाके की है। निहाल ने सचिन की हत्या के बाद ममेरे भाई करन वाल्मीकि को भी फोन करके बुलाया। इसके बाद तीनों ने मिलकर शव को पहले चादर में लपेटा। फिर प्लास्टिक में बांधकर स्कूटी पर लाद लिया। शव को ठिकाने लगाने के लिए निकल पड़े। पुलिस ने तीसरे आरोपी के नाम का अभी तक खुलासा नहीं किया है। तीनों आरोपियों ने भागीरथी एन्क्लेव के पास रास्ते में एक सुनसान खाली मैदान देखकर शव को दूसरी तरफ फेंक दिया। इसके बाद आरोपी पेट्रोल लेने नीलमथा गए, जहां बोतल में पेट्रोल देने से मना कर दिया गया।

बरखेड़ा पुलिस का बड़ा एक्शन अंतरराज्यीय बाइक चोर गिरोह ध्वस्त

- 07 चोरी की मोटरसाइकिलें व 05 मोबाइल बरामद, यूपी-उत्तराखंड के 06 शातिर आरोपी जेल भेजे

पीलीभीत। पुलिस अधीक्षक जनपद पीलीभीत के कुशल निर्देशन एवं अपर पुलिस अधीक्षक के मार्गदर्शन में जनपद में अपराध एवं अपराधियों पर प्रभावी रोकथाम के उद्देश्य से विशेष अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत वांछित एवं सक्रिय अपराधियों की गिरफ्तारी, संदिग्ध व्यक्तियों व वाहनों की सघन चेकिंग तथा चोरी की घटनाओं में संलिप्त अपराधियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जा रही है।

इसी क्रम में क्षेत्राधिकारी बीसलपुर के कुशल पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक प्रमेन्द्र कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार किया। पुलिस की इस कार्रवाई से अपराधियों में हड़कंप मचा हुआ है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जनपद में कानून-व्यवस्था बनाए रखने और आमजन को सुरक्षित वातावरण प्रदान करने के लिए इस प्रकार के विशेष अभियान आगे भी लगातार जारी रहेंगे। अपराध में संलिप्त किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। पुलिस प्रशासन ने आम नागरिकों से भी अपील की है कि वे किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें, ताकि समय रहते कार्रवाई कर अपराध पर अंकुश लगाया जा सके। जनपद में लगातार बढ़ रही मोटरसाइकिल चोरी की घटनाओं पर बरखेड़ा पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक सक्रिय अंतरराज्यीय वाहन चोर गिरोह का खुलासा किया है। पुलिस ने योजनाबद्ध अभियान के तहत उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड से जुड़े 06 शातिर आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 07 चोरी की मोटरसाइकिलें और 05 मोबाइल फोन बरामद किए हैं। गिरफ्तारी के बाद सभी आरोपियों को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया। पुलिस को यह सफलता 13 जनवरी 2026 को ग्राम नवादा महेश अंडरपास के पास सघन चेकिंग और सुरागरसी के दौरान मिली।

शार्ट न्यूज

यातायात पुलिस ने आपदा मित्रों, सिविल डिफेंस के सदस्यों को यातायात का दिया प्रशिक्षण

ललितपुर। राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के अवसर पर पुलिस अधीक्षक, मो0 मुश्ताक के निर्देशन एवं अपर पुलिस अधीक्षक कालू सिंह व क्षेत्राधिकारी यातायात राजेश श्रीवास्तव के पर्यवेक्षण में यातायात पुलिस ललितपुर द्वारा कलेक्ट्रेट में आपदा मित्रों एवं सिविल डिफेंस के सदस्यों को यातायात का प्रशिक्षण दिया गया तथा यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया गया। उक्त अभियान के अंतर्गत यातायात पुलिस द्वारा सभी को यातायात नियमों के पालन के संबंध में जागरूक किया गया । अभियान के दौरान विशेष रूप से निम्न बिंदुओं पर जागरूकता प्रदान की गई। दो पहिया वाहन चलाते समय हेलमेट का अनिवार्य प्रयोग चार पहिया वाहन चलाते समय सीट बेल्ट का प्रयोग दो पहिया वाहन पर तीन सवारी न बैठाने के नियम का पालन रॉन्ग साइड ड्राइविंग न करने एवं निर्धारित दिशा में ही वाहन चलाने की अपील कोहरे के समय वाहन धीमी गति से चलाएं तथा आगे चल रहे वाहन से पर्याप्त सुरक्षित दूरी बनाए रखें।

बरेली में 300 घरों पर लाल निशान लगे

बरेली। बरेली में 300 से ज्यादा घरों पर बुलडोजर एक्शन की तैयारी है। नगर निगम ने पूरी बस्ती पर रेड क्रॉस (लाल निशान) लगा दिए हैं। अचानक हुई कार्रवाई से लोग दहशत में हैं। सालों से रह रहे लोग अब बेघर होने के डर से सो नहीं पा रहे हैं। लोगों का कहना है कि यह कार्रवाई पूरी तरह से तानाशाही है और बिना किसी पूर्व सूचना या नोटिस के उनके सपनों के आशियाने पर निशान लगा दिए गए हैं। वो तो कट्टर भाजपाई हैं फिर उनके आशियानों पर बुलडोजर क्यों चलने जा रहा है। लोग अपना घर बचाने की गुहार लगा रहे हैं। मामला सीबीगंज थाना क्षेत्र के खलीलपुर रोड का है। दरअसल, खलीलपुर रोड पर बने ये मकान कोई दो-चार साल पुराने नहीं हैं। स्थानीय बुजुर्गों और निवासियों का दावा है कि उनकी यह बस्ती आजादी के पहले से आबाद है। पीढ़ी-दर-पीढ़ी लोग यहां रहते आ रहे हैं और उनके पास मकानों के पुख्ता कागजात भी मौजूद हैं।

माघ मेला में लगातार दूसरे दिन आग लगी

प्रयागराज। प्रयागराज माघ मेले में लगातार दूसरे दिन आग भड़क उठी। बुधवार शाम को ब्रह्माश्रम शिविर में अचानक आग लग गई। तेज हवा से लपटों ने 2 बड़े शिविर को चपेट में ले लिया। इससे 10 से ज्यादा टेंट जल गए। कल्पवासियों ने भागकर जान बचाई। बाह्माश्रम शिविर सेक्टर 4 के लोअर मार्ग पर है। ऊंची उठती लपटों के साथ धुआं करीब 5 किमी दूर से दिख रहा था। फायर ब्रिगेड की टीमों ने पानी की बौछार डालकर आग पर काबू पाया। इस दौरान पूरे एरिया को सील कर दिया गया, ताकि आग ज्यादा न फैले। सबसे पहले पुलिस और संतों ने बचाव कार्य शुरू किया। फिर 10 फायर ब्रिगेड और 10 एम्बुलेंस मौके पर पहुंचीं। 30 दमकल कर्मचारियों ने लोगों को दूसरी जगह पर शिफ्ट करवाया। टेंट में कल्पवासियों के सामान जलकर राख हो गए। किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

मिर्जापुर में 49,925 अनमैप्ड मतदाता मिले

मिर्जापुर। मिर्जापुर में मतदाता सूची संशोधन के दौरान 49,925 ऐसे मतदाता पाए गए हैं जिनकी मैपिंग नहीं हो पाई है। यह निरीक्षण 1 जनवरी 2026 की अर्हता तिथि के आधार पर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में किया गया था। इन मतदाताओं का विवरण वर्ष 2003 की मतदाता सूची में स्वयं या उनके माता-पिता, दादा-दादी, नाना-नानी के रिकॉर्ड से मेल नहीं खा रहा है। उप जिला निर्वाचन अधिकारी अजय कुमार सिंह ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार, इन सभी अनमैप्ड मतदाताओं को सुनवाई के लिए नोटिस जारी किए जाएंगे। इन नोटिसों के जवाब में, संबंधित मतदाताओं को आयोग द्वारा निर्धारित आवश्यक अभिलेख और साक्ष्य प्रस्तुत करने होंगे। आयोग ने जन्मतिथि के आधार पर दस्तावेजों की आवश्यकता स्पष्ट की है। यदि किसी व्यक्ति का जन्म 1 जुलाई 1967 से पहले भारत में हुआ है, तो उसे जन्मतिथि या जन्म स्थान प्रमाणित करने वाला दस्तावेज प्रस्तुत करना होगा।

पुरानी रंजिश में दो पक्षों के बीच फायरिंग

बागपत। बागपत में पुरानी रंजिश को लेकर दो पक्षों के बीच हुई फायरिंग में एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। गोली लगने से घायल युवक को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और गांव में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई। मामला बड़ौत कोतवाली क्षेत्र के बवाली गांव का है। फायरिंग में घायल युवक की पहचान नितिन के रूप में हुई है। परिजन उसे तत्काल अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां प्राथमिक इलाज के बाद डॉक्टरों ने उसकी गंभीर हालत को देखते हुए हायर सेंटर रेफर कर दिया। घटना के बाद गांव में अफरा-तफरी मच गई और मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। पुलिस ने हालात को नियंत्रित करते हुए जांच शुरू कर दी है। एहतियात के तौर पर गांव में पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। बड़ौत कोतवाली प्रभारी मनोज चहल ने बताया कि दो पक्षों के बीच फायरिंग की सूचना मिली है। जिसमें एक युवक घायल हुआ है।

सरसों के खेत में मिला युवक का शव

लालगंज (प्रतापगढ़)। प्रतापगढ़ में बुधवार को सरसों के खेत में एक युवक का खून से लथपथ शव मिलने से हड़कंप मच गया। मृतक की पहचान मनीष जाटव(20) के रूप में हुई है, जो गाजियाबाद के विजय नगर का निवासी था। युवक के सिर में गोली लगी थी। मौके से एक तमंचा और चाकू भी बरामद हुआ है। मामला लीलापुर थाना क्षेत्र के ताला सरिस्ताबाद गांव का है। पुलिस जांच में सामने आया है कि मनीष की पहचान इंस्टाग्राम के जरिए लीलापुर क्षेत्र की एक नाबालिग किशोरी से हुई थी। किशोरी की मां गाजियाबाद में नौकरी करती है और करीब 10 दिन पहले गांव आई थी। इसी दौरान युवक का किशोरी से प्रेम प्रसंग हो गया। सोमवार शाम मनीष गाजियाबाद से किशोरी से मिलने उसके गांव पहुंचा, लेकिन परिजनों ने नाबालिग होने का हवाला देकर मिलने से इनकार कर दिया। परिजनों का आरोप है कि इसी बात से नाराज होकर युवक ने खुद को या किशोरी को गोली मार लेने की धमकी दी थी। बुधवार दोपहर ग्रामीणों ने गांव के पास सरसों के खेत में युवक का शव पड़ा देखा। सिर में गोली लगने के निशान थे।

सहारनपुर में चाइनीज मांझा बेचते तीन अरेस्ट

सहारनपुर। सहारनपुर में प्रतिबंधित चाईनीज मांझे की बिक्री पर पुलिस लगातार सख्त कार्रवाई कर रही है। बुधवार को थाना कुतुबशेर पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को अरेस्ट किया है। उनके कब्जे से भारी मात्रा में प्रतिबंधित चाइनीज मांझा बरामद किया गया है। पुलिस की इस कार्रवाई को शहर में पतंगबाजी के दौरान होने वाली दुर्घटनाओं को रोकने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। डीआईजी एसएसपी आशीष तिवारी के निर्देश पर जिले में अपराध नियंत्रण और प्रतिबंधित सामग्री की बिक्री पर अंकुश लगाने के लिए एक विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत, थाना कुतुबशेर पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि कुछ लोग नाला पटरी के पास प्रतिबंधित चीनी मांझा बेचने की फिराक में हैं। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने तत्काल मौके पर दबिश दी और तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

पत्नी की हत्या की, फिर फांसी लगाकर दे दी जान

उन्नाव में गले में रस्सी बांधकर छत से कूद गया; मां बोली-दो दिन से दोनों झगड़ रहे थे

उन्नाव। उन्नाव में एक युवक ने दुपट्टे से पत्नी का गला घोंटकर हत्या कर दी। इसके बाद वह दो मंजिला घर की छत पर गया और वहां रखी रस्सी से फंदा बनाकर कूद गया। बताया जा रहा है कि पति-पत्नी के बीच सुबह से ही किसी बात को लेकर झगड़ा चल रहा था।

पड़ोसी ने बताया कि दोनों को झगड़ता देखकर वह बीच-बचाव करने गया और समझाकर आया। इसके करीब एक घंटे बाद घर में कोई हलचल नहीं दिखी तो उसने अंदर झांककर देखा। पत्नी जमीन पर पड़ी हुई थी। फिर पुलिस को सूचना दी।

यह वारदात बुधवार सुबह बांगरमऊ कोतवाली क्षेत्र के नौनिहाल गंज मोहल्ले की है। परिजनों के अनुसार, मंगलवार शाम को भी पति-पत्नी के बीच झगड़ा हुआ था।

अगले दिन सुबह फिर दोनों के बीच जमकर विवाद हुआ, जिसके बाद यह घटना हुई।

जिलाधिकारी ने 15 लाभार्थियों को वितरित किए एग एवं चिकिन कार्ट

पोल्ट्री व्यवसाय को बढ़ावा देकर जनपद को अंडा उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने पर जोर

पीलीभीत। पोल्ट्री व्यवसाय को प्रोत्साहन देने और स्वरोजगार को बढ़ावा देने की दिशा में बुधवार को महत्वपूर्ण पहल की गई।जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह ने पशु चिकित्सालय सदर पहुंचकर जनपद के 15 लाभार्थियों को एग एवं चिकिन कार्ट वितरित किए। यह वितरण नेशनल एग कोऑर्डिनेशन कमेटी द्वारा पशुपालन विभाग, उत्तर प्रदेश के सहयोग से किया गया।

इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि पीलीभीत जनपद में अंडा उत्पादन की अपार संभावनाएं मौजूद हैं, लेकिन मांग के सापेक्ष उत्पादन अभी कम है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अधिक से अधिक लोगों को पोल्ट्री फार्म खोलने के लिए प्रेरित किया जाए, ताकि जनपद को अंडा उत्पादन के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाया जा सके। जिलाधिकारी ने कहा कि पशुपालन विभाग द्वारा कुक्कुट पालन से संबंधित विभिन्न योजनाएं संचालित की जा रही हैं। इन योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए, ताकि अधिक से अधिक लोग लाभान्वित होकर आत्मनिर्भर बन सकें। उन्होंने यह भी कहा कि जनपद में पहले से संचालित पोल्ट्री फार्म अपनी क्षमता बढ़ाकर आय में वृद्धि कर सकते हैं। कार्यक्रम के दौरान मुख्य विकास अधिकारी राजेन्द्र कुमार श्रीवास, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ. पी.के. त्यागी, जिला कार्यक्रम अधिकारी सहित पशुपालन विभाग के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। लाभार्थियों ने इस पहल के लिए जिला प्रशासन और पशुपालन विभाग का आभार जताया।

मरीज ले जा रही कार पर गिरा सांड, बड़ा हादसा टला

पीलीभीत के गोरा ग्राम प्रधान की कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त, सभी सवार सुरक्षित

पीलीभीत। पीलीभीत जनपद के थाना सेहरामऊ उत्तरी क्षेत्र में मंगलवार रात एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। गांव गोरा के ग्राम प्रधान नूर मोहम्मद की वह कार, जिससे एक मरीज को अस्पताल ले जाया जा रहा था, हाईवे पर हुए हादसे का शिकार हो गई। तेज रफ्तार वाहन की टक्कर से उछलकर आया सांड सीधे कार पर जा गिरा, जिससे कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई, हालांकि उसमें सवार सभी लोग बाल-बाल बच गए।

मंगलवार रात गोरा गांव के एक ग्रामीण की अचानक तबीयत बिगड़ गई। परिजनों ने इलाज के लिए ग्राम प्रधान नूर मोहम्मद से मदद की गुहार लगाई। प्रधान ने तुरंत मानवीय पहल करते हुए अपनी कार से अपने छोटे भाई को मरीज के साथ पीलीभीत जिला अस्पताल के लिए रवाना किया। मरीज को लेकर जा रही कार जब भोपतपुर पेट्रोल पंप के पास पहुंची, तो परिजनों के अनुरोध पर चालक ने वाहन को हाईवे किनारे खड़ा कर दिया। इसी दौरान पूरनपुर की ओर से आ रही एक तेज रफ्तार कार ने अचानक सड़क पर आए एक सांड को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि सांड उछलकर पास में खड़ी ग्राम प्रधान की कार पर आ गिरा। सांड के कार पर गिरते ही अफरा-तफरी मच गई। कार का अगला हिस्सा और छत क्षतिग्रस्त हो गई। गनीमत रही कि कार में सवार सभी लोग सुरक्षित रहे और किसी को गंभीर चोट नहीं आई। इस घटना ने एक बार फिर हाईवे पर आवारा पशुओं के कारण हो रही दुर्घटनाओं को लेकर चिंता बढ़ा दी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि रात के समय सड़कों पर घूमने वाले पशु अक्सर जानलेवा हादसों का कारण बन रहे हैं, लेकिन अब तक इस समस्या के स्थायी समाधान की दिशा में ठोस कदम नहीं उठाए गए हैं।

नौकरी के नाम पर धोखाधड़ी करने का आरोपी गिरफ्तार

ललितपुर। जाखौरा पुलिस ने नौकरी के नाम पर ठगी करने वाले गिरोह के एक वांछित को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है।आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर के जेल भेज दिया है।

पुलिस अधीक्षक मो0 मुश्ताक के निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक कालू सिंह एवं क्षेत्राधिकारी सदर अजय कुमार के निकट पर्यवेक्षण में वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना जखौरा पुलिस द्वारा थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0 207/24 धारा 316(2),318(4),338,336(3), 340(2), 352, 351(2) बीएनएस में प्रकाश में आये वांछित अभियुक्त-अमरसिंह पुत्र राम बहादुर सिंह उम्र करीब 38 वर्ष नि0 ग्राम अटेसुआ थाना इटौजा जनपद लखनऊ को नियमानुसार गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय भेजा जा रहा है। वादी देवेन्द्र पुत्र रामनाथ अहिरवार नि0 बाँसी थाना जखौरा जनपद ललितपुर द्वारा प्रार्थना पत्र देकर अवगत कराया कि अभियुक्तगण द्वारा दो माह पूर्व वादी व अन्य पीडितों को संविदा पर नौकरी दिलवाने के नाम पर रूपये ले लेना तथा कूटरचित नियुक्ति पत्र वादी को देना तथा प्रार्थी द्वारा विपक्षी के घर जाकर धोखाधडी के सम्बन्ध में उलाहना देना व रुपये वापस मांगने पर गाली-गलौज कर झूठे मुकदमें में फसाने की धमकी देने के सम्बन्ध में दिया गया था।

साइबर ठगी का शिकार हुए युवक के 10 लाख रुपये वापस कराए

ललितपुर। साइबर क्राइम थाना टीम ने ऑनलाइन ठगी के शिकार हुए युवक के 10 लाख 94 हजार रुपये वापस कराए हैं।

पुलिस अधीक्षक मो0 मुश्ताक के कुशल नेतृत्व में साइबर क्राइम थाना, ललितपुर पुलिस द्वारा साइबर अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में आवेदक समित समैया पुत्र राजेंद्र समैया नि0 मुहल्ला तालाबपुरा थाना कोतवाली व जनपद ललितपुर के साथ 10,94,000/- रुपये की वित्तीय धोखाधड़ी हुई थी, जिसका साइबर क्राइम थाना, ललितपुर पर प्राप्त शिकायत के आधार पर मु0अ0स0-26/2025 धारा-318(4),351(3),353 बीएनएस व 66डी आई0टी0एक्ट में पंजीकृत किया गया था । साइबर क्राइम थाना, ललितपुर पुलिस द्वारा पीड़ित के उपलब्ध कराये गये बैंक स्टेटमेन्ट व अन्य प्रपत्रों का अवलोकन व तकनीकी विश्लेषण कर, त्वरित व प्रभावी कार्यवाही करते हुये विभिन्न वित्तीय एजेंसियों/ बैंकों/वॉलेट आदि से सम्पर्क कर, द्वारा उचित माध्यम से संबंधित वित्तीय एजेंसियों को द्वड्डद्वद्य व समन्वय स्थापित करके, पीड़ित का पैसा होल्ड कराकर, पीड़ित से फ्रॉड हुई सम्पूर्ण धनराशि को नियमानुसार वापस करने में सफलता प्राप्त की है । पीड़ित की ऑनलाइन धोखाधड़ी से फ्रॉड हुई धनराशि, पीड़ित के खाते में वापस होने पर, पीड़ित द्वारा पुलिस अधीक्षक, ललितपुर व साइबर क्राइम थाना, ललितपुर टीम की भूरि - भूरि प्रशंसा की गयी ।

मिशन शक्ति के अंतर्गत महिलाओं को किया जागरूक

ललितपुर। माननीय मुख्यमंत्री उ0प्र0 सरकार की महत्वकांक्षी योजना मिशन शक्ति फेज-5.0 अभियान के अन्तर्गत नारी सुरक्षा/नारी सम्मान/नारी स्वावलंबन के प्रति जनपद ललितपुर में महिलाओं एवं बालिकाओं में सुरक्षा, सशक्तिकरण एवं विश्वास का वातावरण बनाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक मो0 मुश्ताक के निर्देशन में मिशन शक्ति फेज- 5.0 अभियान के अन्तर्गत जनपद के थानों पर स्थापित मिशन शक्ति केन्द्र एवं एंटी रोमियो टीम द्वारा बस अड्डों, बाजारों, पार्कों, स्कूलों व गाँव-गाँव आदि जगहों पर जाकर महिलाओं एवं बालिकाओं को

उनकी सुरक्षा, आत्मसम्मान और आत्मनिर्भरता, यौन उत्पीड़न से बचाव व उसके खिलाफ आवाज उठाने, साइबर अपराध से बचाव के तरीके, महिलाओं व किशोरियों के कानूनी अधिकार व हेल्प लाइन से सम्बंधित महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्रदान की। विशेष रूप से यह स्पष्ट किया गया कि साइबर अपराधी डर और लालच का सहारा लेते हैं, ऐसे में किसी भी संदिग्ध कॉल, लिंक या ओटीपी साझा न करने की सलाह दी गई। मिशन शक्ति टीम द्वारा आपात सहायता हेतु हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी देते हुए उनके त्वरित उपयोग के लिए प्रेरित किया गया। 112 आपातकालीन सेवा 1090 / 1091 महिला सुरक्षा हेल्पलाइन 181 महिला हेल्पलाइन 1930 साइबर अपराध हेल्पलाइन 1076 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन मिशन शक्ति की टीमों द्वारा उपस्थित जनसमूह को यह भरोसा दिलाया कि किसी भी प्रकार की छेड़छाड़, उत्पीड़न या साइबर ठगी की सूचना तुरंत देने पर पुलिस पूरी गंभीरता से कार्रवाई करेगी। नारी की सुरक्षा केवल जिम्मेदारी नहीं, ललितपुर पुलिस का संकल्प है।

प्रतापगढ़ में मेडिकल कॉलेज कर्मचारी ने खुद को गोली मारी

प्रतापगढ़। प्रतापगढ़ में मेडिकल कॉलेज के आईसी वार्ड में तैनात एक संविदा स्टाफ नर्स ने अपने घर में खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। गोली की आवाज सुनकर परिजन दौड़कर कमरे में पहुंचे तो शव फर्श पर पड़ा हुआ था। परिजन उसे मेडिकल कॉलेज लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस का कहना है- मृतक शाम में रोजमर्रा की तरह ड्यूटी से लौटा था। रात में खाने के बाद मां से झगड़ा हुआ था। नशे की लत को लेकर मां ने उसे डांट लगाई थी। सुसाइड से कुछ समय पहले ही उसने अज्ञात नंबर पर मोबाइल से किसी से बात भी की थी। फिलहाल, मोबाइल फोन का सीडीआर निकाला जा रहा है।

लव मैरिज के 6 महीने बाद युवक ने जान दी

झांसी। झांसी में लव मैरिज के 6 महीने बाद युवक ने सुसाइड कर लिया। उसके माता-पिता और 2 बहनें दर्शन के लिए कामाख्या देवी मंदिर गई थीं। युवक घर पर अकेला था। 2 दिन से उसका मोबाइल स्विच ऑफ आ रहा था। बुधवार को परिवार घर पहुंचा तो युवक का शव फंदे पर लटका मिला। ध्रुवराज कुशवाहा की बहन ने कहा- भइया और भाभी की दोस्ती इंस्टाग्राम पर हुई थी। शादी के बाद से दोनों में विवाद चल रहा था। भाभी नए कपड़े, घूमने-फिरने और बाहर खाने-पीने के शौकीन थी। भइया इतना ज्यादा नहीं कमाते थे। इसलिए भाभी धमकाती थी कि पैसे नहीं दिए, तो दूसरी शादी कर लेंगे। एक महीने पहले भाभी अपने मायके चली गई थीं। सोमवार को फोन पर दोनों के बीच लड़ाई हुई। भइया ने उनसे कहा- बात नहीं मानती हो, फांसी लगा लेंगे। तब भाभी ने कहा- लगा लो फांसी, तो उन्होंने परेशान होकर जान दे दी। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। मामला कोतवाली थाना क्षेत्र के सागर गेट के पास का है।

संक्षिप्त समाचार

ईरान में हिंसा पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कड़ी प्रतिक्रिया

वाशिंगटन, एजेंसी। ईरान में जारी विरोध प्रदर्शनों के दौरान कथित राज्य हिंसा को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तीखी प्रतिक्रिया सामने आई है। यूरोपीय संसद की अध्यक्ष मेटसोला ने ईरानी महिलाओं और पुरुषों के खिलाफ की जा रही हिंसा की कड़ी निंदा की है। उन्होंने कहा कि अपने अधिकारों के सम्मान की मांग कर रहे नागरिकों को निशाना बनाना अस्वीकार्य है। उन्होंने स्पष्ट किया कि मौलिक स्वतंत्रताओं का सम्मान कोई क्षेत्रीय नहीं, बल्कि वैश्विक मांग है। साथ ही उन्होंने कहा कि यूरोप उन सभी महिलाओं और पुरुषों के साथ खड़ा है, जो साहस के साथ अपने अधिकारों और आजादी की रक्षा के लिए आवाज उठा रहे हैं।

चीन से तनाव के बीच द.कोरिया से रिश्ते सुधारने में जुटा जापान

टोक्यो, एजेंसी। जापानी प्रधानमंत्री साने ताकाइची मंगलवार को अपने गृहनगर नारा में दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति ली जे मायुंग की मेजबानी करेंगी। इस बैठक का उद्देश्य चीन के साथ क्षेत्रीय तनाव के बीच दोनों देशों के संबंधों को स्थिर करना है। हाल ही में ताइवान मुद्दे पर जापान और चीन के बीच कड़वाहट बढ़ी है। ली का यह जापान दौरा उनके चीन दौरे के ठीक एक सप्ताह बाद हो रहा है। पिछले सप्ताह ली के चीन दौरे में शी जिनपिंग ने दक्षिण कोरिया से नजदीकी बढ़ाने की कोशिश की थी।

फेडरल रिजर्व के अध्यक्ष को ट्रंप ने दी आपराधिक मामले की धमकी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी फेडरल रिजर्व के अध्यक्ष जेरोम पॉवेल और ट्रंप सरकार से बीच टकराव बढ़ता जा रहा है। जेरोम ने खुलासा किया है कि अमेरिका के न्याय विभाग ने केंद्रीय बैंक को समन जारी कर आपराधिक अभियोग की धमकी दी है। यह विवाद बैंक की इमारतों के नवीनीकरण में खर्च हुए 2.5 अरब डॉलर को लेकर पॉवेल की गवाही से जुड़ा है। पॉवेल का आरोप है कि ये धमकियां फेडरल रिजर्व की स्वतंत्रता को खत्म करने के लिए राजनीतिक दबाव बनाने का एक जरिया हैं।

गाजा में ड्रोन हमला, तीन की मौत

गाजा , एजेंसी। मध्य गाजा में ड्रोन हमले में तीन फलस्तीनी नागरिकों की मौत हो गई। यह हमला ऐसे समय हुआ है, जब हमास गाजा की सत्ता एक नई समिति को सौंपने की तैयारी कर रहा है। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, युद्धविराम के बाद से अब तक 440 से अधिक लोगों की जान जा चुकी है। हमास ने कहा है कि नई समिति के गठन के बाद वह अपनी मौजूदा सरकार भंग कर देगा। दूसरी ओर, प्रदर्शनकारियों ने फलस्तीनी कैदियों की रिहाई की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। हालात तनावपूर्ण बने हुए हैं।

सीरिया में हालात सामान्य, झड़पों के बाद घर लौटने लगे विस्थापित लोग

दमिश्क, एजेंसी। सीरिया के अलेप्पो शहर में भीषण झड़पों के बाद हालात धीरे-धीरे सामान्य हो रहे हैं। सरकारी बलों और कुर्द लड़ाकों के बीच संघर्ष थमने के बाद सैकड़ों विस्थापित लोग अपने घर लौटने लगे हैं। पिछले पांच दिनों की लड़ाई में कम से कम 23 लोगों की मौत हुई और हजारों लोग विस्थापित हुए थे। अब सुरक्षा बलों की तैनाती के बीच दुकानें खुल रही हैं और यातायात सामान्य हो रहा है, हालांकि तनाव पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है।

बांग्लादेश बोला- गाजा में अपने देश के सैनिक भेजने की चाह

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश ने गाजा में तैनात अंतरराष्ट्रीय स्थिरीकरण बल में शामिल होने की इच्छा जताई है। वाशिंगटन में बांग्लादेश के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार खलीलुर रहमान ने अमेरिकी राजनयिकों के साथ बैठक में यह प्रस्ताव रखा। बांग्लादेशी सरकार के बयान के अनुसार, देश सैद्धांतिक रूप से इस शांति बल का हिस्सा बनने के लिए तैयार है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने नवंबर के मध्य में एक प्रस्ताव पारित कर गाजा में इस अस्थायी बल की स्थापना को मंजूरी दी थी। अक्तूबर में संघर्ष विराम के बावजूद गाजा में मानवीय संकट बरकरार है और हिंसा जारी है।

इंडोनेशिया में गैस स्टेशन पर लगी आग का वीडियो वायरल

पनाबो , एजेंसी। इंडोनेशिया के पनाबो शहर में गैस स्टेशन पर भीषण आग लगने की खबर है। रिपोर्ट्स के मुताबिक रविवार को पनाबो शहर के बरांगे मनाय में एक गैस स्टेशन में भीषण आग लगी। आसमान में घने धुएं का गुबार देखा गया। इमरजेंसी रिस्पॉन्स टीम को राहत और बचाव कार्य के लिए मौके पर भेजा गया। अधिकारियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाने में सफलता पाई। आग लगने के कारणों की जांच जारी है।

ट्रम्प बोले- ईरान से व्यापार किया तो 25% टैरिफ लगाएंगे : नियम तत्काल लागू

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान के साथ कारोबार करने वाले देशों पर 25% एक्स्ट्रा टैरिफ लगाने का ऐलान किया है। ट्रम्प ने सोमवार रात ट्रुथ सोशल पर पोस्ट कर बताया कि यह फैसला तत्काल प्रभाव से लागू होगा। हालांकि व्हाइट हाउस की तरफ से इस टैरिफ को लेकर आधिकारिक दस्तावेज जारी नहीं किया गया है। यह फैसला ऐसे वक्त में लिया गया है जब ईरान में सरकार विरोधी प्रदर्शन जारी हैं। इन प्रदर्शनों में 600 से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं। दूसरी तरफ ईरान की करेंसी रियाल की वैल्यू अब लगभग जीरो के बराबर पहुंच चुकी है। भारतीय मुद्रा में 1 रियाल की कीमत सिर्फ 0.000079 रुपए रह गई है। ईरान पर अमेरिका पहले ही कड़े आर्थिक प्रतिबंध लगा चुका है। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक ईरान से व्यापार करने वालों में प्रमुख देशों में चीन, संयुक्त अरब अमीरात और भारत शामिल हैं।

भारत पर पहले ही 50% टैरिफ लगा चुका अमेरिका : अमेरिका पहले ही भारत पर 50% टैरिफ लग चुका है। इसमें 25% रेसिप्रोकल और 25% रूस से तेल आयात को लेकर टैरिफ शामिल हैं। ईरान से व्यापार को लेकर अगर भारत पर टैरिफ लगाया जाता है तो कुल टैरिफ 75% हो जाएगा। टैरिफ के चलते भारत को अमेरिका में अपना सामान बेचने में मुश्किलों का सामना करना पड़ा रहा है, जिसका असर भारत के निर्यात पर पड़ रहा है। दोनों देशों के बीच टैरिफ विवाद को निपटाने के लिए आज ट्रेड डील पर बातचीत होनी है। भारत चाहता है कि उस पर लगाए गए कुल 50% टैरिफ को घटाकर 15% किया जाए और रूस से कच्चा तेल खरीदने पर जो एक्स्ट्रा 25% पेनल्टी लगाई गई है, उसे पूरी तरह खत्म किया जाए।

ट्रम्प के टैरिफ पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला कल : ट्रम्प के टैरिफ लगाने के अधिकार को लेकर अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट कल यानी बुधवार को फैसला सुना सकता है। इसे लेकर ट्रम्प ने चिंता जताई है। ट्रम्प ने सोमवार को अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर लिखा कि अगर कोर्ट ने उनके टैरिफ लगाने के अधिकार को सीमित किया, तो अमेरिका को भारी आर्थिक संकट का सामना करना पड़ सकता है और पहले वसूले गए टैरिफ लौटाना लगभग असंभव होगा। उन्होंने लिखा कि इतनी बड़ी रकम चुकाने में सालों लग जाएंगे और यह तय करना भी मुश्किल होगा कि किसे, कब और कितना भुगतान किया जाए।

चीन, यूएई और भारत ईरान के प्रमुख साझेदार : वर्ल्ड बैंक के 2022 के उपलब्ध डेटा के मुताबिक ईरान ने सबसे ज्यादा चीन, यूएई और भारत से व्यापार किया। इन देशों को ईरान मुख्य रूप से तेल, पेट्रोकेमिकल्स और औद्योगिक उत्पाद निर्यात करता है। अमेरिकी प्रतिबंधों के बावजूद ईरान एशिया और खाड़ी देशों के जरिए अपना व्यापार जारी रखे हुए है। 2022 में ईरान का कुल व्यापार करीब 140 अरब डॉलर रहा। इसमें ईरान का निर्यात 80.9 अरब डॉलर और आयात लगभग 58.7 अरब डॉलर रहा। ईरान के निर्यात का सबसे बड़ा हिस्सा कच्चा तेल, पेट्रोलियम उत्पाद और प्राकृतिक गैस हैं। इसके अलावा पेट्रोकेमिकल्स, स्टील, तांबा, कृषि उत्पाद और खनिज भी निर्यात किए जाते हैं। ईरान मुख्य रूप से मशीनरी, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, औद्योगिक कच्चा माल और दवाएं आयात करता है।

तुरंत छोड़ दें ईरान :अमेरिकी दूतावास ने जारी की सलाह : ईरान में अमेरिकी वर्चुअल दूतावास की ओर से जारी सलाह में अमेरिकी नागरिकों को तुरंत ईरान छोड़ने को कहा गया है। इसमें कहा गया है, 'ईरान में विरोध प्रदर्शन बढ़ रहे हैं और हिंसक रूप ले सकते हैं, जिसकी वजह से गिरफ्तारियां हो सकती हैं और चोटें लग सकती हैं। सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है, सड़कें बंद कर दी गई हैं, सार्वजनिक परिवहन बाधित है और इंटरनेट पर प्रतिबंध है। एयरलाइंस ईरान से आने-जाने वाली उड़ानों को सीमित या रद्द कर रही हैं। अमेरिकी नागरिकों को इंटरनेट की लगातार रुकावटों के लिए तैयार रहना चाहिए, संचार के वैकल्पिक साधनों की योजना बनानी चाहिए। अगर ऐसा करना सुरक्षित हो, तो आर्मेनिया या तुर्किये के लिए सड़क मार्ग से ईरान छोड़ने पर विचार करना चाहिए। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के मद्देनजर कैरोलिन लेविट ने कहा, 'राष्ट्रपति ट्रंप हमेशा सभी विकल्प खुले रखते हैं। कूटनीति उनकी पहली पसंद है, लेकिन जरूरत पड़ने पर सैन्य कार्रवाई, यहां तक कि हवाई हमले भी विकल्पों में शामिल हैं।' लेविट ने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप हालात को बेहद करीब से देख रहे हैं। उन्होंने बताया कि ईरानी शासन सार्वजनिक मंचों पर जो बयान दे रहा है, वह उन निजी संदेशों से अलग है, जो अमेरिकी प्रशासन को अंदरूनी चैनलों से मिल रहे हैं।

बांग्लादेश में एक और हिंदू की हत्या

फेनी , एजेंसी। बांग्लादेश के दक्षिणी हिस्से चटगांव डिवीजन के फेनी जिला स्थित दागनभुइयां में रविवार रात अज्ञात बदमाशों ने 28 साल के हिंदू युवक समीर कुमार दास की पीट-पीटकर और चाकू मारकर हत्या कर दी। उसका ऑटोरिक्शा भी लूट लिया गया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, समीर रविवार शाम करीब 7 बजे ऑटोरिक्शा लेकर घर से निकला था। देर रात तक जब वह नहीं लौटा तो परिजन ने उसकी तलाश शुरू की। रात करीब 2 बजे जगतपुर गांव के एक खेत में स्थानीय लोगों को उसका शव मिला।

दागनभुइयां थाने के एक पुलिस अधिकारी के अनुसार, समीर की हत्या में देसी हथियारों का इस्तेमाल किया गया था। प्राथमिक जांच में लग रहा है कि हत्या पहले से प्लानिंग के तहत की गई थी। जांच जारी है और अभी तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। बांग्लादेश में 23 दिनों के दौरान हिंदू की हत्या की ये 7वीं घटना है। इससे पहले 5 जनवरी को बांग्लादेश के नरसिंदी जिले में एक हिंदू दुकानदार की धारदार हथियारों से हत्या कर दी गई थी। मृतक 40 साल का शरत चक्रवर्ती मणि था।

साजिश के तहत की वारदात : पुलिस ने बताया कि हत्या को साजिशन अंजाम दिया गया। थाना प्रभारी फैयाजुल अजीम नोमान ने बताया, परिजनों की शिकायत पर प्राथमिकी दर्ज कर आरोपियों की पहचान की कोशिश की जा रही है।

11 जनवरी की शाम को हुई हत्या : पुलिस और स्थानीय सूत्रों के मुताबिक दागनभुआ इलाके में समीर कुमार दास की हत्या की घटना 11 जनवरी की शाम की है। समीर कुमार दास, कार्तिक कुमार दास और रीना रानी दास के सबसे बड़े बेटे थे। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए फेनी जनरल अस्पताल भेजा।

हिंदू समुदाय के खिलाफ बढ़ रहे हिंसा के मामले : पुलिस का कहना है कि ऑटोरिक्शा गायब होने से लूटपाट के इरादे से हत्या की आशंका जताई जा रही है। हालांकि अन्य कारणों से भी इनकार नहीं किया गया है। यह घटना ऐसे समय में सामने आई है जब बांग्लादेश में हिंदू समुदाय के खिलाफ हिंसा, धमकी और असुरक्षा की घटनाएं लगातार रिपोर्ट हो रही हैं। मानवाधिकार संगठनों का कहना है कि कमजोर कार्रवाई और देरी से न्याय न मिलने के कारण अल्पसंख्यक समुदाय में भय का माहौल बना हुआ है।

ईरान का भविष्य ईरान के लोग ही खुद बनाएं : मलाला यूसुफजई

काबुल, एजेंसी। नोबेल पुरस्कार विजेता मलाला यूसुफजई ने ईरान में चल रहे विरोध प्रदर्शनों का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि ये विरोध अचानक नहीं हुए। ईरान में सरकार ने बहुत पहले से ही लड़कियों और महिलाओं की आजादी पर सख्त पाबंदियां लगा रखी हैं। खासकर शिक्षा में उन्हें बहुत कम अधिकार मिलते हैं। उन्होंने कहा, 'दुनिया की बाकी लड़कियों की तरह ईरानी लड़कियां भी सम्मान और गरिमा के साथ जीना चाहती हैं। वे सिर्फ पढ़ाई नहीं, बल्कि पूरी जिंदगी में अपनी मर्जी से फैसले लेना चाहती हैं।'

मलाला यूसुफजई ने कहा, 'ईरान के लोग कई सालों से इस अन्याय के खिलाफ बोलते आ रहे हैं। लेकिन अपनी जान जोखिम में डालकर भी उनकी आवाज दबा दी जाती रही है। ये नियम सिर्फ स्कूल तक सीमित नहीं हैं। पूरे समाज में महिलाओं पर अलग तरह के नियंत्रण हैं - जैसे अलग-अलग बैठना, हर समय निगरानी रखना और गलती करने पर सजा मिलना।' उन्होंने कहा कि इन सबकी वजह से महिलाओं को अपनी पसंद की जिंदगी जीने, फैसले लेने और सुरक्षित महसूस करने का हक नहीं मिल पाता। ईरानी महिलाएं और लड़कियां अब अपनी आवाज सुनाई देने और अपना भविष्य खुद तय करने की मांग कर रही हैं।

ईरानी महिलाओं के समर्थन में क्या कहा : मलाला यूसुफजई ने साफ कहा कि वे ईरान की जनता और खासकर लड़कियों के साथ खड़ी हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि ईरान का भविष्य ईरान के लोग ही खुद बनाएं और इसमें महिलाओं व लड़कियों की अहम भूमिका हो। कोई बाहर का देश या दमनकारी सरकार इसमें दखल न दे। मालूम हो कि अभी ईरान में महंगाई, बेरोजगारी और महिलाओं के अधिकारों पर रोक के खिलाफ बड़े प्रदर्शन हो रहे हैं। मलाला की यह बात दुनिया भर में ईरानी महिलाओं के संघर्ष को मजबूत समर्थन दे रही है।

ईरान पर कभी भी हो सकता है अमेरिकी हमला, एक और जंग की तैयारी में जुट गया इजरायल

वाशिंगटन , एजेंसी। ईरान में बीते कुछ सप्ताह से जारी हिंसक विरोध प्रदर्शन के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हस्तक्षेप करने की धमकी देकर पूरी दुनिया में खलबली मचा दी है। वहीं अमेरिका के किसी भी हमले को लेकर ईरान ने करारा जवाब देने की कसम खाई है। ऐसे में वैश्विक स्तर पर एक और जंग की आहट साफ सुनाई देने लगी है। इस बीच इजरायल ने ईरान के साथ किसी भी जंग को लेकर तैयारियां शुरू कर दी हैं। इसे लेकर इजरायल के उच्च अधिकारियों के बीच बैठकों का दौर शुरू हो गया है।

इजरायली सेना ने सोमवार को इस मामले की जानकारी देते हुए कहा कि सेना संभावित रूप से किसी भी स्थिति के लिए अलर्ट पर है। आईडीएफ के प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल एफी डेफ्रिन ने सोमवार को पर एक बयान में कहा, 'ईरान में विरोध प्रदर्शन एक आंतरिक मामला है लेकिन आईडीएफ रक्षात्मक रूप से तैयार है और नियमित रूप से स्थिति का आकलन कर रहा है।'

बेंजामिन नेतन्याहू ने बुलाई बैठक : इस बीच कान पब्लिक ब्रॉडकास्टर के मुताबिक, इजरायली अधिकारियों का मानना है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड हमले की अपनी धमकियों को पूरा जरूर करेंगे और इससे इजरायल और ईरान के बीच एक और युद्ध होने वाले वाला है। इसे लेकर इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने रविवार को पूर्व रणनीतिक मामलों के मंत्री रॉन डर्मर को वरिष्ठ मंत्रियों और सुरक्षा अधिकारियों के साथ एक बैठक के लिए भी बुलाया था।

डोनाल्ड ट्रंप की धमकी : इससे पहले ट्रंप अब तक कई बार ईरान में हस्तक्षेप की धमकी दे चुके हैं। वाइट हाउस से जुड़े सूत्रों ने बताया है कि राष्ट्रपति ट्रंप और उनकी राष्ट्रीय सुरक्षा टीम ईरान के खिलाफ संभावित कदम पर विचार कर रही है, जिनमें साइबर हमले और अमेरिका या इजरायल द्वारा सीधा सैन्य हमला शामिल है। ट्रंप ने सोमवार को कहा है कि ईरान पर हमले की उनकी चेतावनी के बाद अब ईरानी सरकार उनके साथ बातचीत करना चाहता है। वहीं ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने तेहरान में विदेशी राजनयिकों से बातचीत के दौरान कहा है कि स्थिति पूरी तरह से नियंत्रण में है। हालांकि, अराघची ने अपने आरोप के समर्थन में कोई सबूत पेश नहीं किया। उन्होंने यह भी कहा है कि विरोध-प्रदर्शन के दौरान हिंसा और खूनखराबा इसलिए हुआ, ताकि अमेरिकी राष्ट्रपति को हस्तक्षेप करने का बहाना मिल सके। हालांकि अराघची ने यह भी कहा कि ईरान कूटनीति का स्वागत करता है। इस बीच ईरान में सोमवार को सरकार के खिलाफ प्रदर्शन में लाखों प्रदर्शनकारी सड़कों पर उतरे। मानवाधिकार समूहों के मुताबिक हिंसा के अब तक करीब 600 लोगों की मौत हो गई है।

भारत की मदद से श्रीलंका की पटरी पर वापसी? चक्रवात के बाद 50 लाख डॉलर से रेलवे मरम्मत शुरू

कोलंबो, एजेंसी। चक्रवात से बुरी तरह प्रभावित श्रीलंका में राहत और पुनर्निर्माण की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। भारत की 50 लाख डॉलर की वित्तीय सहायता से उत्तरी श्रीलंका में क्षतिग्रस्त रेलवे ट्रैक की मरम्मत का काम शुरू हो गया है। यह परियोजना न केवल परिवहन बहाली की दिशा में अहम मानी जा रही है, बल्कि दोनों देशों के बीच सहयोग और भरोसे को भी मजबूती देती है।

महावा जंक्शन से ओमानथाई तक फैली उत्तरी रेलवे लाइन चक्रवात के कारण बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई थी। भारत ने इस पूरे हिस्से के पूर्ण पुनर्निर्माण में हरसंभव सहायता का आश्वासन दिया है। इस काम की शुरुआत भारत द्वारा घोषित 45 करोड़ डॉलर के व्यापक पुनर्निर्माण पैकेज के तहत की गई है, जिसका मकसद श्रीलंका में संपर्क, यातायात और जनजीवन को सामान्य करना है। परिवहन मंत्रालय के अनुसार, मरम्मत कार्य की औपचारिक शुरुआत के मौके पर संतोष झा, कोलंबो स्थित भारतीय उच्चायुक्त, और श्रीलंका के परिवहन मंत्री बिमल रत्नायका मौजूद रहे। मंत्रालय ने बताया कि भारत की ओर से दिए गए 50 लाख डॉलर के अनुदान से उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र के महावा जंक्शन पर पुनर्निर्माण कार्य शुरू हुआ है। भारत की मदद क्यों अहम मानी जा रही है? रेलवे मरम्मत से उत्तरी श्रीलंका में आवागमन तेज होगा। व्यापार और स्थानीय अर्थव्यवस्था को सहारा मिलेगा। आपदा के बाद रोजगार और निर्माण गतिविधियां बढ़ेंगी। भारत-श्रीलंका संबंधों को रणनीतिक मजबूती मिलेगी। यह परियोजना दिखाती है कि भारत क्षेत्रीय संकट के समय पड़ोसी देशों के साथ खड़ा रहता है।

जिमी लाई: पत्रकार से डरा चीन, लगा दिया देशद्रोह का आरोप, सजा तय करने के लिए कोर्ट में बहस

हांगकांग, एजेंसी। हांगकांग की कोर्ट में पत्रकार जिमी लाई और उनके सह-आरोपियों पर सजा तय करने के लिए बहस हुई। वह कभी मीडिया टाइकून और लोकतंत्र का समर्थन करने के लिए जाने जाते थे। राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत दोषी पाए जाने पर उन्हें उम्रकैद हो सकती है। 78 साल के लाई एप्पल डेली अखबार के संस्थापक थे। यह कंपनी अब बंद हो चुकी है। वह चीन की सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी के मुखर आलोचक हैं। उन्हें 2020 में बीजिंग द्वारा लागू किए गए कानून के तहत गिरफ्तार किया गया था। उन्हें बाहरी लोगों के साथ देश के खिलाफ साजिश रचने और लेख प्रकाशित करने का दोषी पाया गया है।

अमेरिका और ब्रिटेन ने गिरफ्तारी की आलोचना की : उनका मामला बीजिंग के राजनयिक संबंधों पर भी काफी असर डाल सकता है। इसका कारण यह है कि अमेरिका और ब्रिटेन सहित विदेशी सरकारों ने उनकी गिरफ्तारी की आलोचना की है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि लाई को दोषी ठहराए जाने पर उन्हें बुरा लगा। लाई को कोर्ट लाए जाने से पहले दर्जनों लोग पब्लिक गैलरी में जगह पाने के लिए कोर्ट के बाहर कतार में लग गए थे।

जजों ने लाई को मास्टरमाइंड बताया : लाई को विदेशी ताकतों के साथ मिलकर साजिश रचने के दो मामलों में और देशद्रोह किताबें बांटने की साजिश के एक मामले में दोषी ठहराया गया। लाई ने सभी आरोपों में खुद को निर्दोष बताया। सुरक्षा कानून के तहत मिलीभगत के आरोप में दोषी पाए जाने पर तीन साल से लेकर उम्रकैद तक की सजा हो सकती है, जो अपराध की प्रकृति और उसमें उसकी भूमिका पर निर्भर करता है। सरकार द्वारा चुने गए तीन जजों ने दिसंबर में अपने फैसले में लिखा कि लाई ने ही इन साजिशों का नेतृत्व किया था। लाई के वकीलों ने ट्रायल के दौरान माना कि राष्ट्रीय सुरक्षा कानून लागू होने से पहले उन्होंने विदेशी प्रतिबंधों की मांग की थी, लेकिन उन्होंने कानून का पालन करने के लिए इन मांगों को छोड़ दिया था। उन्होंने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के आधार पर भी तर्क दिया।

लाई को छोड़कर बाकि सबने जुर्म कबूल किया : एप्पल डेली के छह पूर्व वरिष्ठ प्रबंधक और लाई के मामले में शामिल दो कार्यकर्ताओं ने अपना जुर्म कबूल कर लिया था। उन्होंने यह माना था कि लाई और दूसरों के साथ मिलकर विदेशी ताकतों से प्रतिबंध लगाने, नाकेबंदी करने या दूसरी दुश्मन वाली गतिविधियों में शामिल होने का अनुरोध करने की साजिश रची थी। जुर्म कबूल करने से आमतौर पर सजा कम हो सकती है। सुरक्षा कानून के तहत, दूसरों द्वारा किए गए अपराध की शिकायत करने वालों को कम सजा दी जा सकती है। लाई पांच वर्षों से हिरासत में हैं और वह काफी पतले हो गए हैं। अगस्त में, उनके वकीलों ने कोर्ट को बताया कि उन्हें दिल की धड़कन की समस्या है। हांगकांग सरकार ने कहा कि शिकायक के बाद लाई के स्वास्थ की जांच की गई।

कनाडा में 180 करोड़ की गोल्ड चोरी में एक गिरफ्तार

टोरंटो, एजेंसी। कनाडा में सबसे बड़ी गोल्ड चोरी के मामले में पुलिस ने एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। पील रीजनल पुलिस ने बताया कि 2023 में टोरंटो एयरपोर्ट से 180 करोड़ रुपए से ज्यादा कीमत का सोना चोरी हुआ था। इस मामले में एक अन्य आरोपी के भारत में होने का भी दावा किया गया है। पुलिस के मुताबिक, 'प्रोजेक्ट 24क्य' नाम से चल रही जांच के तहत 43 वर्षीय अरसलान चौधरी को टोरंटो पियर्सन इंटरनेशनल एयरपोर्ट से गिरफ्तार किया गया। वह दुबई से कनाडा लौट रहा था। पुलिस का कहना है कि चौधरी का कोई स्थायी पता नहीं है। पील रीजनल पुलिस के मुताबिक, अरसलान चौधरी पर 5 हजार डॉलर से अधिक की चोरी, अपराध से हासिल संपत्ति रखने और आपराधिक साजिश के आरोप लगाए गए हैं। जांच एजेंसियों का कहना है कि यह गिरफ्तारी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चल रही जांच का अहम हिस्सा है। कैसे हुई कनाडा की सबसे बड़ी गोल्ड चोरी 17 अप्रैल 2023 को कनाडा में दोपहर 3 बजकर 56 मिनट पर स्विट्जरलैंड के ज्यूरिख शहर से आ रही एक फ्लाइट कनाडा के टोरंटो शहर के पियर्सन इंटरनेशनल एयरपोर्ट लैंड हुई। इस फ्लाइट से शुद्ध सोने की 6,600 ईंटें और लगभग 2.5 मिलियन डॉलर (21 करोड़ रुपए से ज्यादा) की फॉरेन करेंसी लाई गई। सोने का कुल वजन करीब 400 किलो था, जिसकी कीमत 173 करोड़ रुपए थी।

कैश को वेंकुवर के 'बुलियन एंड करेंसी एक्सचेंज' और सोने को टोरंटो के ञ्झष्ठ बैंक में जमा किया जाना था। सोने और कैश को एयरपोर्ट के कार्गो कंपाउंड में रखा गया। कनाडा पुलिस के मुताबिक, वारदात के दिन 5 बजकर 50 मिनट तक सोने वाला कंटेनर कार्गो फैसिलिटी में ही था। शाम 6 बजकर 23 मिनट पर एक 5 टन का बड़ा ट्रक फैसिलिटी के बाहर पार्क किया गया। इस ट्रक से एक फर्जी एयरवे बिल के साथ एक शख्स वेयरहाउस में दाखिल हुआ। सीसीटीवी में कैद हुए इस शख्स के हाथ में ये बिल देखा जा सकता है। ये बिल असल में सीफूड यानी समुद्री मछलियों की डिलीवरी के लिए था। जिन्हें एक दिन पहले ही कार्गो वेयरहाउस से ले जाया जा चुका था। कनाडा पुलिस के मुताबिक, असल में एयरपोर्ट के अंदर के एक आदमी ने प्रिंटर से पुराना बिल निकालकर इसे दूसरे बिल से बदल दिया था। सीसीटीवी फुटेज के मुताबिक, शाम 7 बजकर 4 मिनट पर ट्रक का ड्राइवर वेयरहाउस में उस सोने वाले कार्गो के पास पहुंचा। 7 बजकर 27 मिनट पर कार्गो को उठाकर ट्रक में लोड किया गया और अगले 3 मिनट में ट्रक वेयरहाउस से चला गया। करीब साढ़े 9 बजे जब एक सिक्योरिटी कंपनी का असली ट्रक सोने वाला कार्गो लेने एयरपोर्ट पहुंचा, तो पता चला कि सोना तो पहले ही गायब हो चुका है। सुबह 2 बजकर 23 मिनट पर एयर कनाडा ने कनाडा पुलिस को फोन करके वारदात की सूचना दी।

क्लेटेन कास्टलिनो टोरंटो में कस्टम्स क्लियरेंस बिजनेस के प्रेसिडेंट हैं। उन्होंने सीबीसी न्यूज से बातचीत में बताया कि कार्गो फैसिलिटी से कोई कार्गो ले जाने के लिए सिर्फ 2 चीजों की जरूरत होती है- कार्गो भेजने वाले की तरफ से एक लेटर और एक एयरवे बिल। इस बिल पर सही बिल नंबर होना चाहिए। चोरों के पास दोनों दस्तावेज थे। क्लेटेन के मुताबिक इनकी ठीक से जांच नहीं की गई।

चोरी में शामिल सिमरनप्रीत के भारत में होने का दावा : जांच में सामने आया कि ब्रैम्पटन निवासी 33 वर्षीय सिमरनप्रीत पनेसर ने इस चोरी में अहम भूमिका निभाई। पनेसर एयर कनाडा का पूर्व कर्मचारी है और उस पर एयरलाइन सिस्टम से छेड़छाड़ कर कार्गो को डायवर्ट करने का आरोप है। पुलिस का कहना है कि वह फिलहाल भारत में हो सकता है और उसके खिलाफ कनाडा में गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया है।

विराट कोहली की बादशाहत फिर कायम, आईसीसी रैंकिंग में एक बार फिर बने नंबर 1

राजकोट (एजेंसी)। वनडे क्रिकेट में विराट कोहली की शानदार फॉर्म ने उन्हें जुलाई 2021 के बाद पहली बार आईसीसी बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर पहुंचा दिया है। कोहली ने रविवार को वडोदरा में न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन वनडे मैचों की श्रृंखला के पहले मैच में भारत की जीत की नींव रखते हुए 91 गेंदों पर 93 रनों की तूफानी पारी खेली और अपने साथी खिलाड़ी रोहित शर्मा को पीछे छोड़ते हुए शीर्ष स्थान पर पुनः कब्जा जमा लिया।

जुलाई 2021 के बाद यह पहली बार है जब दिग्गज क्रिकेटर ने वनडे रैंकिंग में नंबर 1 स्थान हासिल किया है। कोहली पहली बार अक्टूबर 2013 में शीर्ष पर पहुंचे थे और आईसीसी की वेबसाइट के अनुसार, अब यह उनका 11वां कार्यकाल है। अब तक, उन्होंने शीर्ष पर कुल 825 दिन बिताए हैं - जो किसी भी खिलाड़ी द्वारा कुल मिलाकर 10वां सबसे अधिक और किसी भारतीय द्वारा सबसे अधिक है। विराट कोहली पिछले साल अक्टूबर में ऑस्ट्रेलिया बनाम भारत वनडे श्रृंखला के आखिरी मैच के बाद से शानदार फॉर्म में हैं। उन्होंने अपने पिछले सभी सात 50 ओवर के मैचों में पचास से अधिक का स्कोर बनाया है। उनकी पिछली सात पारियों के स्कोर इस प्रकार हैं-93, 77 (विजय हजारे ट्रॉफी), 131 (विजय हजारे ट्रॉफी), 65, 102, 135 और 74।

2025 में, कोहली ने 13 वनडे मैचों में 65.10 के शानदार औसत से 651 रन बनाए और कैलेंडर वर्ष में भारत के सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी के रूप में उभरे। अपने शानदार करियर में कोहली ने 11वीं बार आईसीसी पुरुष वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल किया है। इस प्रारूप में उनका प्रदर्शन बेहद प्रभावशाली रहा है। पिछले साल अक्टूबर में चैंपियंस ट्रॉफी के बाद अपने पहले अंतरराष्ट्रीय मैच में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ लगातार दो मैचों में शून्य पर आउट होने के बाद, कोहली ने सिडनी में 74 रनों की शानदार पारी खेलकर भारत को वनडे सीरीज में सांत्वनापूर्ण जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। घरेलू मैदान पर वापसी करते हुए, उन्होंने नवंबर-दिसंबर में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज में 135, 102 और नाबाद 65 रन बनाए।

इंडिया ओपन 2026: पीवी सिंधू पहले दौर में बाहर, वियतनाम की एनगुएन से मिली शिकस्त

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू को इंडिया ओपन सुपर 750 टूर्नामेंट में घरेलू दर्शकों के सामने निराशा हाथ लगी। महिला एकल के पहले दौर में सिंधू ने दमदार शुरुआत करते हुए पहला गेम जरूर जीता, लेकिन इसके बाद लय बरकरार नहीं रख सकीं और वियतनाम की थुई लिन एनगुएन के खिलाफ कड़े मुकाबले में हार के साथ टूर्नामेंट से बाहर हो गईं।

दुनिया की 12वें नंबर की खिलाड़ी और 2017 की इंडिया ओपन चैंपियन सिंधू को 1 घंटे 8 मिनट तक चले इस मुकाबले में 22-20, 12-21, 15-21 से शिकस्त झेलनी पड़ी। मुकाबले के पहले गेम में सिंधू ने अनुभव का फायदा उठाया, लेकिन दूसरे और तीसरे गेम में एनगुएन ने बेहतर फिटनेस और आक्रामक खेल का प्रदर्शन किया।

यह हार सिंधू के लिए इसलिए भी चौंकाने वाली रही, क्योंकि वह पिछले सप्ताह मलेशिया ओपन सुपर 1000 में सेमीफाइनल तक का सफर तय कर शानदार फॉर्म में नजर आ रही थीं। घरेलू कोर्ट पर उनसे बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद की जा रही थी, लेकिन दबाव के क्षणों में वह बढ़त को भुना नहीं सकीं।

वहीं, विश्व रैंकिंग में 23वें स्थान पर काबिज थुई लिन एनगुएन ने इस जीत के साथ टूर्नामेंट में मजबूत दावेदारी पेश की और अगले दौर में अपनी जगह पक्की कर ली। सिंधू की जल्दी विदाई से भारतीय प्रशंसकों को बड़ा झटका लगा है।

डब्ल्यूपीएल में हरमनप्रीत के अर्धशतक से मुम्बई ने गुजरात जायंट्स को हराया

नई दिल्ली (एजेंसी)। कप्तान हरमनप्रीत कौर के शानदार अर्धशतक से मुंबई इंडियंस ने यहां महिला प्रीमियर लीग क्रिकेट (डब्ल्यूपीएल) के मैच में गुजरात जायंट्स को सात विकेट से हरा दिया। इस मैच में हरमनप्रीत ने 71 रन बनाकर अपनी टीम को जीत दिलायी और वह अंत तक आउट नहीं। भारती फुलमाली 36 और जॉर्जिया वेयरहैम के 43 रनों की सहायता से गुजरात जाइंट्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 5 विकेट पर 192 रन बनाए। इसके बाद जीत के लिए मिले लक्ष्य की शुरुआत करते हुए मुम्बई इंडियंस की ओर से हरमनप्रीत ने तेजी से खेलते हुए 33 गेंद में ही अपने 50 रन पूरे कर लिए। हरमनप्रीत ने इसी के साथ ही डब्लयूपीएल में अपना 10 वां शतक लगाया। वहीं हरमनप्रीत के इस लीग में एक हजार रन भी पूरे हो गये हैं। उन्होंने 43 गेंद में सात चौकों और दो छक्के लगाकर 71 रन भी बनाये। वहीं मुंबई के दो विकेट पावरप्ले में ही 37 रन पर गिर गए।

दोनों के बीच 43 गेंद में 84 रन की साझेदारी भी हुई। मुंबई ने इस मैच में चार गेंद शेष रहते जीत दर्ज की। मुंबई के दो विकेट पावरप्ले के अंदर ही 37 रन पर गिर गए थे। इसके बाद हरमनप्रीत ने अमनजोत कौर के साथ 44 गेंद में 72 रन की साझेदारी कर टीम को आगे बढ़ाया। अमनजोत 40 रन बनाकर आउट हुई। इसके बाद निकोल कैरी ने तेजी से छह चौके लगाकर 22 गेंद में नाबाद 37 रन बनाकर टीम को लक्ष्य की ओर बढ़ाया। निकोल और हरमनप्रीत के बीच 43 गेंद में 84 रन की साझेदारी हुई जिससे टीम ने आसानी से जीत हासिल कर ली।

डेथ ओवरों में केएल राहुल साबित कर रहे हैं अपना दबदबा

मुंबई (एजेंसी)। राजकोट-वनडे इंटरनेशनल में केएल राहुल की असली वैल्यू अब पारी के आखिरी फेज में महसूस की जा रही है, और बुधवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ उनका नाबाद शतक इस बात का एक और सबूत था कि जब प्रेशर सबसे ज़्यादा होता है, तो वह कितने निर्णायक बन जाते हैं।

राहुल ने यहां निरंजन शाह स्टेडियम में बिना किसी जल्दबाजी के 112 रन बनाकर अपना आठवां वनडे शतक पूरा किया, और एक बार फिर सबसे मुश्किल समय में टीम को संभाला। यह मील का पत्थर शानदार तरीके से हासिल हुआ, जब काइल जैमीसन ने राहुल के पैड्स पर फुल टॉस फेंकी, जिसे दाएं हाथ के बल्लेबाज ने शांति से आगे बढ़कर लॉन्ग-ऑन के ऊपर से छक्के के लिए भेज दिया। हेलमेट उतारकर और बल्ला उठाकर, राहुल ने शांत आत्मविश्वास के साथ इस पल का जश्न मनाया।

भारत 118 रन पर 4 विकेट गंवाकर कुछ मुश्किल में था, लेकिन राहुल की मौजूदगी से तुरंत स्थिरता आई। उन्होंने शुरुआत में तेजी लाने की जल्दबाजी नहीं की, गैप्स का फायदा उठाया और तेजी लाने के लिए सही पलों का इंतजार किया, पारी को आगे बढ़ाया और आखिरी ओवरों में कमान संभाली। उनका हालिया प्रदर्शन इस फिनिशिंग रोल को दिखाता है। राहुल के पिछले चार वनडे स्कोर अब 60, 66 नाबाद, 29 नाबाद और 112 नाबाद हैं।

न्यूजीलैंड के खिलाफ उनके आंकड़े और भी प्रभावशाली हैं। उन्होंने 10 पारियों में 93.8 की औसत और 111.13 के स्ट्राइक रेट से 469 रन बनाए जिसमें दो शतक और एक अर्धशतक शामिल है, बुधवार का नाबाद 112 उनका सर्वोच्च स्कोर है। इसका असर डेथ ओवरों में सबसे साफ दिखता है। 2025 से राहुल ने फुल मेंबर टीमों में ओवर 41 से 50 के बीच सबसे ज़्यादा वनडे रन बनाए हैं, 140.09 के स्ट्राइक रेट से 283 रन बनाए हैं।

वह एक ऐसी लिस्ट में सबसे ऊपर हैं जिसमें ग्लेन फिलिप्स (244 रन), जनिथ लियानागे (201), जस्टिन ग्रीव्स (194) और कॉर्बिन बॉश (162) शामिल हैं, जो पारी के आखिर में उनकी बढ़ती अथॉरिटी को दिखाता है। जैसे-जैसे मैच आखिरी 10 ओवरों में तय हो रहे हैं, राहुल की शांति और फिनिशिंग क्षमता उन्हें चुपचाप भारत के सबसे वैल्यूएबल वनडे बल्लेबाजों में से एक बना रही है।

रोहित ने एकदिवसीय में अपने 7,000 रन पूर किये

राजकोट ।भारतीय क्रिकेट के अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा ने यहां न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय क्रिकेट मैच में अपनी 24 रनों की पारी के दौरान ही एक अहम रिकार्ड भी अपने नाम किया। रोहित ने इस मैच में अपने 7000 रन पूरे कर लिए। रोहित ने इस मैच के साथ ही एशिया में 7,000 एकदिवसीय रन पूरे कर लिए। इसके साथ ही वह इस उपलब्धि को हासिल करने वाले सातवें बल्लेबाज़ बन गए। इस खास क्लब में पहले से सचिन तेंदुलकर, महेन्द्र सिंह धोनी, विराट कोहली और श्रीलंका के कुछ दिग्गज बल्लेबाज़ शामिल हैं। रोहित ने साल 2007 में आयरलैंड दौरे पर भारत के लिए अपना एकदिवसीय डेब्यू किया था। तब से लेकर अब तक वह 281 एकदिवसीय मैचों में देश का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। इस दौरान उन्होंने अलग-अलग भूमिकाओं में अपने को साबित किया। रोहित ने अब तक एशिया में 165 एकदिवसीयमुकाबले खेले हैं। इनमें भारत, श्रीलंका, बांग्लादेश, यूएई और पाकिस्तान में खेले गए मैच शामिल हैं। खास बात यह है कि इनमें से 99 मैच उन्होंने घरेलू मैदान पर खेले हैं, जहां उनका औसत 56.85 का रहा है और उन्होंने 5,000 से अधिक रन बनाए हैं।

ग्रीजमैन के गोल से कोपा डेल रे के क्वार्टर फाइनल में पहुंचा एटलेटिको मैड्रिड

मैड्रिड ।एंटोनी ग्रिजमैन ने फ्री किक पर दर्शनीय गोल किया जिससे एटलेटिको मैड्रिड ने डेपोर्टिवो ला कोरुना को 1-0 से पराजित करके कोपा डेल रे फुटबॉल टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की की।ग्रीजमैन ने 61वें मिनट में बाएं पैर से करारा शॉट लगाकर यह गोल किया जो आखिर में निर्णायक साबित हुआ। इस तरह से 34 वर्षीय ग्रीजमैन ने पिछले छह मैचों में पांचवां गोल दागा। एटलेटिको मैड्रिड की टीम सऊदी अरब में खेले गए स्पेनिश सुपर कप के सेमीफाइनल में रियाल मैड्रिड से 1-2 से हार गई थी। कोपा डेल रे के अन्य मैचों में रियाल सोसिदाद ने ओसासुना को पेनल्टी शूटआउट में 4-3 से हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। मैच नियमित समय और अतिरिक्त समय में 2-2 से बराबर रहा था। एथलेटिक बिलबाओ ने दूसरी डिवीजन की टीम कल्चरल लियोनेसा को 4-3 से हराया।

विराट जब तक खेल का आनंद लेते हुए रन बना रहे हैं तब तक खेलेंगे : रमन

नई दिल्ली । पूर्व क्रिकेटर डब्ल्यूवी रमन ने कहा है कि अनुभवी बल्लेबाज विराट तब तक खेलते रहेंगे जब वह खेल का आनंद लेते हुए अच्छा प्रदर्शन कर सकेंगे। रमन ने कहा कि विराट में खेल के प्रति जुनून होने के साथ ही उसके प्रति प्रतिबद्धता भी अटूट है।36 साल की उम्र में भी वह फिट है और लगातार रन बना रहे हैं। उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले ही एकदिवसीय में 93 रनों की पारी खेलकर भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई।विराट अब केवल एकदिवसीय क्रिकेट ही खेलते हैं। रमन ने कहा, ऐसे क्रिकेटर आमतौर पर खेलने का फैसला इस आधार पर फैसले लेते हैं कि सुबह उठने पर उन्हें कैसा महसूस होता है।ऐस में वह तब तक खेलते रहेंगे जब तक खेल का मजा लेते हुए रन बनाते रहेंगे। वहीं जब तक वह अपने नाम के अनुसार खेल नहीं पायेंगे तो संन्यास में देर नहीं करेंगे। विराट ने अब तक 557 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 52.66 के औसत से 84 शतक और 146 अर्धशतक लगाये हैं। रमन ने कहा कि अपनी प्रदर्शन से वह आलोचकों को चुप कराते रहते हैं और संदेश देते हैं कि खेल से केवल अपनी शर्तों पर ही हटेंगे। उन्होंने साथ ही कहा, कोहली अपने आलोचकों को संदेश दे रहे हैं कि वह आने वाले समय में टिके रहेंगे और जब उन्हें ठीक नहीं लगेगा, तभी स्टेज छोड़ेंगे।और यह बिल्कुल सही भी है।

पाक मूल के चार अमेरिकी खिलाड़ियों को अब तक नहीं मिला टी20 विश्वकप के लिए वीजा

मुम्बई (एजेंसी)। अमेरिकी क्रिकेट टीम में शामिल पाकिस्तानी मूल के चार खिलाड़ियों को अभी तक वीजा नहीं मिला है। ऐसे में इनके अगले माह भारत और श्रीलंका में संयुक्त रुप से होने वाले टी20 विश्वकप में खेलने पर संशय बना हुआ है। पाक मूल के अमेरिकी तेज गेंदबाज अली खान ने सोशल मीडिया में कहा है कि भारत ने उनका वीजा आवेदन खारिज कर दिया गया है। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार अमेरिका के चार खिलाड़ियों के वीजा आवेदन अभी भी पूरे नहीं हुए हैं। इससे टूर्नामेंट की तैयारियों को लेकर अनिश्चितता और बढ़ गई है। इससे पहले भी टीमों की यात्रा और मेजबानी को लेकर परेशानियां आयीं थीं।

अमेरिका की टीम के चार खिलाड़ी अली खान, शयान जहांगीर, मोहम्मद मोहसिन और एहसान आदिल अभी तक वीजा मंजूरी का इंतजार कर रहे हैं। ये सभी खिलाड़ी पाक मूल के हैं। ये खिलाड़ी अभी विश्वकप की तैयारी के लिए अमेरिका टीम के साथ श्रीलंका दौर पर हैं। इन खिलाड़ियों ने कोलंबो स्थित भारतीय उच्चायोग में वीजा के लिए आवेदन किया पर अभी तक इन्हें वीजा नहीं मिला है। कहा जा रहा है कि इस आवेदन की अभी समीक्षा हो रही है।।

वहीं अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के एक अधिकारी के अनुसार, खिलाड़ियों से पहले सभी जरूरी दस्तावेज जमा कर दिए थे। इस मामले में कुछ जरूरी सूचनाएं मिल चुकी हैं, जबकि कुछ जानकारी अभी भारत के विदेश मंत्रालय से आनी बाकी है। प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही खिलाड़ियों से आगे संपर्क किया जाएगा। अधिकारियों ने बताया कि पाकिस्तानी मूल के खिलाड़ियों के वीजा आवेदन भारतीय सरकार के नियमों के तहत 'विशेष श्रेणी' में आते हैं। उन्होंने साफ किया कि यह अतिरिक्त जांच किसी खिलाड़ी, टीम या टूर्नामेंट के खिलाफ नहीं होती, बल्कि यह तय नियमों के अनुसार की जाती है।

गौरतलब है कि पाकिस्तानी मूल के खिलाड़ियों को भारत आने में वीजा देरी का सामना करना पड़ा है, चाहे वे किसी भी देश की टीम से खेलते हों।

ब्रैंडन किंग की कपतानी में अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज में उतरेगी वेस्टइंडीज

जमैका (एजेंसी)। वेस्टइंडीज ने अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की टी20 सीरीज के लिए वाले ब्रैंडन किंग की कप्तानी में अपनी टीम घोषित कर दी है। इस टीम में युवा क्रेंटिन सैम्पसन को पहली बार शामिल किया गया है। ये सीरीज 9 से 22 जनवरी तक दुबई में खेली जाएगी। नियमित कप्तान शाई होप के नहीं होने से ब्रैंडन को कप्तानी मिली है। होप अभी एस20 में व्यसत हैं। होप के अलावा रोस्टन चेज, अकील हुसैन और शेरफेन रदरफोर्ड भी टीम में नहीं हैं। 25 वर्षीय गयाना अमेजन वॉरियर्स के बल्लेबाज सैम्पसन कैरेबियन प्रीमियर लीग 2025 के बेहतरीन खिलाडियों में से एक थे, उन्होंने नौ मैचों में 151.57 के स्ट्राइक रेट से 241 रन बनाए थे। शमर जोसेफ और एविन लुईस भी टीम में वापस आ गए हैं, पिछली सीरीज में लगी चोटों से उबरने के बाद उन्हें खेलने की मंजूरी मिल गई है।

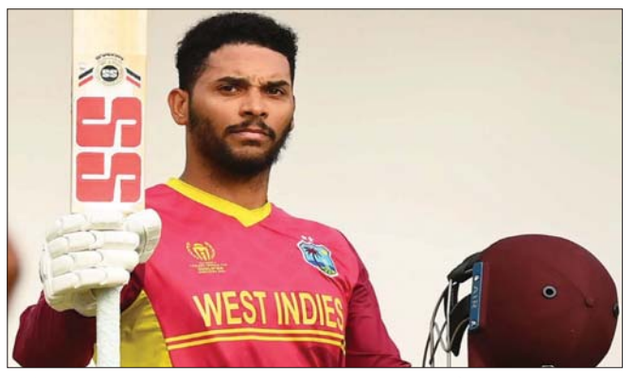

अल्जारी जोसेफ, जो पीठ के निचले हिस्से में चोट के कारण भारत में टेस्ट सीरीज से बाहर थे, उन्हें रिहैबिलिटेशन में प्रगति के बावजूद टीम में शामिल नहीं किया गया है। क्रिकेट वेस्टइंडीज ने कहा कि यह फैसला मेडिकल जांच के बाद लिया गया है, तेज गेंदबाज को टी20 विश्व कप के लिए संभावित चयन से पहले निगरानी में रखा जाएगा। वहीं काम का बोझ कम करने के लिए वकर्लोड मैनेजमेंट के तहत रोवमैन पॉवेल को जेसन होल्डर और रोमारियो शेफर्ड के साथ सीरीज से आराम दिया गया है। मुख्य कोच डैरेन सैमी ने कहा कि अफगानिस्तान सीरीज भारत और श्रीलंका में होने वाले टी20 विश्व कप की तैयारियों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

टी20 सीरीज के लिए वेस्टइंडीज टीम

ब्रैंडन किंग (कप्तान), एलिक अथानाज़े, केसी कार्टर, जॉनसन चार्ल्स, मैथ्यू फोर्डे, जस्टिन ग्रीव्स, शिमरोन हेटमायर, आमिर जांगू, शमर जोसेफ, एविन लुईस, गुडाकेश मोती, खैरी पियरे, क्रेंटिन सैम्पसन, जेडन सील्स, रेमन सिमंड्स, शमर स्प्रिंगर।

एशियन गेम्स 2026 मुकाबले 19 सितंबर से शुरु होंगे

नई दिल्ली । जापान में होने वाले आइची-नागोया एशियन गेम्स क्रिकेट 2026 मुकाबलों का कार्यक्रम घोषित कर दिया है।ये मुकाबले 19 सितंबर से 4 अक्टूबर तक चलेंगे हालांकि क्रिकेट सहित कई अन्य मुकाबले 17 सितंबर से 3 अक्टूबर के बीच खेले जाएंगे।इसमें क्रिकेट के मुकाबले टी20 प्रारुप में खेले जाएंगे।इसमें पुरुष और महिला दोनों ही टीमों के बीच मुकाबले होंगे।ये सभी मुकाबले आइची प्रीफेक्चर के कोरोजी एथलेटिक पार्क में आयोजित किये जाएंगे। इसमें महिला वर्ग के मुकाबले 17 सितंबर से शुरू हो जाएंगे। इसके पदक मुकाबले 22 सितंबर से शुरू होंगे। इसमें क्वार्टर फाइनल से ही आठ टीमें सीधे ही नॉकआउट प्रारुप में उतरेंगी।इसमें भारतीय टीम मौजूदा चैंपियन होने के कारण अपने खिताब को बचाने उतरेंगी।पुरुष टीम का क्रिकेट मुकाबला 24 सितंबर जबकि पदक मुकाबले 3 अक्टूबर से होंगे। इस टूर्नामेंट में कुल 10 टीमें शामिल होंगी। शीर्ष चार टीमें सीधे क्वार्टर फाइनल में पहुंचेंगी जबकि शेष छह टीमें बाकी चार जगहों के लिए मुकाबले खेलेंगी।इस दौरान सभी मैच डबल-हेडर (एक ही दिन में दो मैच होंगे।ये मैच भारतीय समय के मुताबिक सुबह 5:30 बजे और सुबह 10:30 बजे शुरू होंगे। महिला क्रिकेट टूर्नामेंट 17 सितंबर से शुरू होगा।इसमें 8 टीमें हिस्सा लेंगी और मुकाबले नॉकआउट प्रारुप में खेले जाएंगे।भारत इस प्रतियोगिता में मौजूदा चैम्पियन के तौर पर उतरेगा, उसने 2023 के फाइनल में श्रीलंका को हराकर स्वर्ण पदक जीता था।

पूर्व पाक क्रिकेटर अजमल ने आईसीसी पर निशाना साधा : बीसीसीआई के दबाव में फैसले लेने का आरोप लगाया

कराची । पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर सईद अजमल ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) पर जमकर निशाना साधा है। अजमल ने कहा है कि अगर आईसीसी भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के दबाव में फैसले लेती है तो उसका रहने का कोई मतलब नहीं है। अजमल ने कहा, 'अगर आईसीसी विश्व क्रिकेट के हित में निष्पक्ष तरीके से फैसला नहीं कर सकती है तो उसे अपना कामकाज बंद कर देना चाहिए। अजमल ने कहा कि आज अधिकतर टेस्ट खेलने वाले देशों का मानना है कि विश्व क्रिकेट में भारतीय बोर्ड का दबदबा है और आईसीसी भी उसकी बात नहीं टाल पाता पर कोई भी खुलकर ये बात नहीं कहता है।उन्होंने कहा कि भारत का आईसीसी प्रतियोगिताओं में भी पाकिस्तान में खेलने से इनकार करना साबित करता है कि उसपर विश्व संस्था का कोई दबाव नहीं चल पाता है। आईसीसी एक प्रकार से बीसीसीसीआई के आधीन नजर आता है।अजमल के अनुसा भारतीय टीम बिता किसी ठोस कारण के पाकिस्तान में खेलने से इंकार कर देती है और आईसीसी इसे मान लेती है। इसका एक कारण ये भी है कि अब इसमें आईसीसी चेयरमैन सहित अधिकतर भारतीय शामिल हैं। गौरतलब है कि भारतीय टीम सुरक्षा कारणों से पाकिस्तान की यात्रा नहीं करती है।भारत सरकार का मानना है कि जब तक पाक आतंक वाद को समर्थन देता रहेगा उससे खेला नहीं जा सकता है। केवल आईसीसी टूर्नामेंटों में ही भारतीय टीम पाक से खेलती है। इससे पहले भी पाक के कई क्रिकेटरों ने भारतीय टीम के पाकिस्तान दौरे पर नहीं आने की आलोचना करते हुए कहा है कि खेल को राजनीति से अलग रखा जाना चाहिये।

किदांबी श्रीकांत ने किया इंडिया ओपन का बचाव, हर देश में कोई ना कोई कमी होती है

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनिया के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत ने बुधवार को कहा कि उन्हें इंडिया ओपन की मेजबानी कर रहे इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में खेलने की स्थितियों में कुछ भी गलत नहीं लगा और हर मेजबान देश में कोई ना कोई कमी होती ही है। भारत के दिग्गज खिलाड़ी श्रीकांत ने साथ की कहा कि ऐसी चुनौतियां खेल का हिस्सा हैं और यह किसी एक मेजबान देश तक सीमित नहीं हैं और प्रत्येक मेजबान स्थल पर कमियां नजर आती हैं।

डेनमार्क की मिया ब्लिचफेल्ट ने मंगलवार को इंदिरा गांधी स्टेडियम परिसर की सुविधाओं और आसपास के माहौल की आलोचना करते हुए उन्हें गंदा और स्वास्थ्य के लिए खराब बताया था। उन्होंने साथ ही विश्व बैडमिंटन महासंघ से इस साल अगस्त में इसी स्थल पर होने वाली विश्व चैंपियनशिप से पहले दखल देने का आग्रह किया था। हमवतन थारुन मन्नेपल्ली को पहले दौर के कड़े मुकाबले में हराने के बाद 2021 विश्व चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता श्रीकांत ने कहा कि उन्हें यह बात समझ ही नहीं आ रही कि मेजबान स्थल की आलोचना क्यों हो रही है। श्रीकांत ने कहा, 'मुझे नहीं पता कि ऐसा क्यों हो रहा है क्योंकि हर देश की अपनी परिस्थितियां होती हैं। सिंगापुर में बहुत अधिक ड्रिफ्ट होता है और मलेशिया में शायद इसकी तुलना में थोड़ा कम। इंडोनेशिया में नवीनीकरण से पहले शटल काफी तेज जाती थी। हर देश की अपनी चुनौती होती है।' ब्लिचफेल्ट की टिप्पणियों के बारे में पूछे जाने पर श्रीकांत ने कहा कि उन्होंने उनका बयान विस्तार से नहीं पढ़ा है लेकिन उन्हें लगता है कि हालात अस्वीकार्य नहीं थे। श्रीकांत ने कहा, 'सच कहूं तो मुझे नहीं पता कि उन्होंने क्या कहा है। लेकिन मुझे लगता है कि परिस्थितियां ठीक हैं। मैंने कोई बुरी चीज होते हुए नहीं देखी। उन्होंने कहा, '2016 या 2017 में मुझे डेनमार्क में अपने मैच के बीच में लगभग एक घंटे तक इंतजार करना पड़ा था क्योंकि बत्ती गुल हो गई थी।' श्रीकांत ने एचएस प्रणय से जुड़े एक मामले का भी जिक्र किया जिन्हें दो दिन में एक मैच पूरा करना पड़ा था। उन्होंने कहा, 'एक बार प्रणय मुझे बता रहे थे कि उन्हें अपना मैच अगले दिन खेलना पड़ा। उन्होंने पहले दिन एक गेम खेला और फिर अगले दिन दूसरा गेम।'

श्रीकांत ने कहा, 'ये चीजें हो जाती हैं, कोई जानबूझकर ऐसा नहीं करता। हर देश इसे बहुत अच्छे से करना चाहता है। ऐसी चीजें बहुत कम होती हैं और मुझे नहीं पता कि हर कोई इसके बारे में शिकायत क्यों कर रहा है।' ब्लिचफेल्ट ने कहा था कि मुकाबले का आयोजन कर रहे कोर्ट पर परिस्थितियां संतोषजनक थी लेकिन कुल मिलाकर हालात चिंताजनक हैं।

भारत कोकिंग कोल का आईपीओ 143 गुना सब्सक्राइब, निवेशकों को अलॉटमेंट का इन्तजार

नई दिल्ली, ।

कोल इंडिया की सब्सिडायरी कंपनी भारत कोकिंग कोल लिमिटेड के 1,078.68 करोड़ रुपए का आईपीओ का अलॉटमेंट बुधवार को फाइनल हो सकता है। इश्यू अप्लाई करने के लिए 9 जनवरी को खुला था और 13 नवंबर को बंद हो गया था। बोली लगाने के आखिरी दिन यह आईपीओ 143 गुना सब्सक्राइब हुआ। सब्सक्रिप्शन का प्रोसेस पूरा होने के बाद अब निवेशक अलॉटमेंट का इन्तजार कर रहे हैं। अलॉटमेंट 14 नवंबर को फाइनल होने की संभावना है। भारत कोकिंग आईपीओ को निवेशकों से तगड़ा रिस्पांस मिला है। आईपीओ को कुल 143 गुना सब्सक्राइब किया गया। एनएसई आंकड़ों के मुताबिक इश्यू को 34,69,46,500 शेयरों की पेशकश के मुकाबले 49,90,71,10,200 शेयरों के लिए बोलियां मिली। सबसे ज्यादा बोलियां क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल निवेशकों की तरफ से देखने को मिली जिन्होंने इश्यू को कुल 310.81 गुना अप्लाई किया। इसके अलावा नॉन इंस्टीट्यूशनल निवेशकों ने 240.49 गुना और क्वालिफाइड निवेशकों ने 49.37 गुना अप्लाई किया। भारत कोकिंग आईपीओ के शेयर ग्रे मार्केट में मजबूत प्रीमियम के साथ कारोबार कर रहे हैं। ग्रे मार्केट में भारत कोकिंग कोल के शेयर बुधवार को 36.4 रुपए के भाव पर ट्रेड कर रहे थे। यह अपर प्राइस बैंड 23 रुपए से 13.4 रुपए या करीब 58.26 फीसदी ज्यादा है। इससे शेयर की लिस्टिंग को लेकर बाजार में अच्छी उम्मीदें दिखती हैं।

इलेक्ट्रिक एसयूवी ईएक्स 60 को ग्लोबल स्तर पर होगी लॉन्च

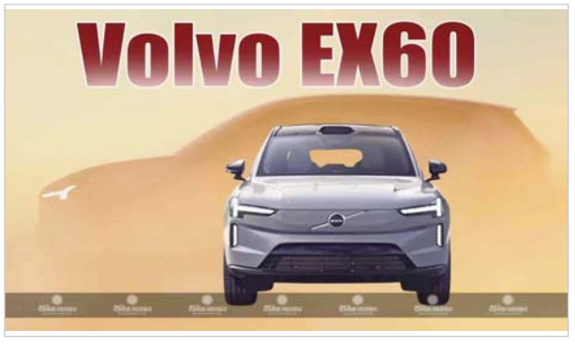

नई दिल्ली ।

वोल्वो कंपनी आगामी 21 जनवरी को अपनी नई मिड-साइज इलेक्ट्रिक एसयूवी ईएक्स 60 को ग्लोबल स्तर पर लॉन्च करेगी । कंपनी के मुताबिक, इएक्स60 को नए इलेक्ट्रिक-फोकस्ड आर्किटेक्चर और एडवांस्ड मैन्युफैक्चरिंग टेक्नोलॉजी के साथ तैयार किया गया है। यह गाड़ी मौजूदा एक्ससी60 की जगह लेगी और वोल्वो के पूरी तरह इलेक्ट्रिक ब्रांड बनने की रणनीति का अहम हिस्सा होगी। वोल्वो इएक्स60 में 800-वोल्ट का हाई-वोल्टेज इलेक्ट्रिकल सिस्टम दिया गया है, जो मौजूदा 400-वोल्ट सिस्टम की तुलना में ज्यादा एफिशिएंट माना जाता है। इस तकनीक से चार्जिंग के दौरान गर्मी कम पैदा होती है और ऊर्जा की बचत होती है। ऑल-व्हील-ड्राइव वेरिएंट में यह एसयूवी यूरोपियन डब्ल्यूएलटीपी टेस्ट साइकिल के अनुसार सिंगल चार्ज पर करीब 810 किलोमीटर तक की रेंज दे सकती है। वहीं, नॉर्थ अमेरिकन मार्केट में ईपीए स्टैंडर्ड के तहत इसकी अनुमानित रेंज करीब 644 किलोमीटर बताई जा रही है। चार्जिंग स्पीड ईएक्स60 की बड़ी खासियत मानी जा रही है। कंपनी के अनुसार, 400 केडब्ल्यू डीसी फास्ट चार्जर से कनेक्ट होने पर यह इलेक्ट्रिक एसयूवी सिर्फ 10 मिनट में करीब 340 किलोमीटर तक की रेंज जोड़ सकती है। इसमें सेल-टू-बॉडी टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल किया गया है, जिससे बैटरी सीधे चेसिस का हिस्सा बन जाती है। इससे गाड़ी की मजबूती, सेफ्टी और हैंडलिंग में सुधार होता है। इसके अलावा, वोल्वो पहली बार मेगा-कास्टिंग तकनीक का इस्तेमाल कर रही है, जिससे वजन कम होगा और मैन्युफैक्चरिंग प्रोसेस ज्यादा सरल बनेगा। वोल्वो ने इस हाई-परफॉर्मेंस बैटरी सिस्टम के लिए 10 साल की बैटरी वारंटी देने की भी घोषणा की है। ईएक्स60 नए एसपीए3 प्लेटफॉर्म पर आधारित पहली कार होगी, जिसे खासतौर पर इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए डिजाइन किया गया है।

पेट्रोल-डीजल की कीमतों में आया बदलाव

नई दिल्ली

अंतरराष्ट्रीय बाजार में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बदलाव आया है। घरेलू बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में तेजी आने लगी है।

इससे बुधवार सुबह घरेलू बाजार में पेट्रोल-डीजल की खुदरा कीमतों में बदलाव आया है। कच्चा तेल महंगा होने से आज कई शहरों में तेल की कीमतों में तेजी रही है जबकि कुछ जगह गिरावट आयी है। नोएडा में पेट्रोल 94.90 रुपये और डीजल 88.01 रुपये प्रति लीटर हो गया है.

वहीं उत्तराखंड में भी तेल की कीमतों में कमी आई है। राजधानी देहरादून में पेट्रोल 26 पैसे नीचे आकर 93.43 रुपये प्रति लीटर और डीजल 31 पैसे सस्ता होकर 88.33 रुपये लीटर बिक रहा है। बिहार की राजधानी पटना में पेट्रोल 35 पैसे उछलकर 105.58 रुपये लीटर हो गया जबकि डीजल 33 पैसे ऊपर आकर 91.82 रुपये लीटर पहुंच गया।

चारों महानगरों में पेट्रोल-डीजल की कीमतें पहले की तरह ही हैं। दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये और डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर जबकि मुंबई में पेट्रोल 103.44 रुपये और डीजल 89.97 रुपये प्रति लीटर। वहीं चेन्नई में पेट्रोल 100.76 रुपये और डीजल 92.35 रुपये प्रति लीटर पर है। कोलकाता में पेट्रोल 104.95 रुपये और डीजल 91.76 रुपये प्रति लीटर पर बना हुआ है।

इन शहरों में बदल गए रेट

- देहरादून में पेट्रोल 93.43 रुपये और डीजल 88.33 रुपये प्रति लीटर हो गया है.
- पटना में पेट्रोल 105.58 रुपये और डीजल 91.82 रुपये प्रति लीटर हो गया है.

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को भारतीय रुपया 6 पैसे की गिरावट के साथ ही 90.30 पर बंद हुआ। वहीं गत दिवस रुपया 90.24 पर बंद हुआ था। अमेरिकी डॉलर की मजबूती, अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और विदेशी निवेशकों की लगातार पूंजी निकासी के कारण भी रुपया नीचे आया। गत दिवस अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 90.24 प्रति डॉलर पर खुला। शुरुआती सत्र में इसमें हल्की मजबूती जरूर देखने को मिली, लेकिन यह 90.22 के स्तर तक ही सीमित रही, जो पिछले बंद भाव की तुलना में पांच पैसे की गिरावट को दिखाता है। इससे पहले सोमवार को रुपया 90.17 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख वैश्विक मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.11 फीसदी की बढ़त के साथ 98.73 पर बना रहा।

सोने और चांदी की कीमतों में भारी उछाल

नई दिल्ली ।

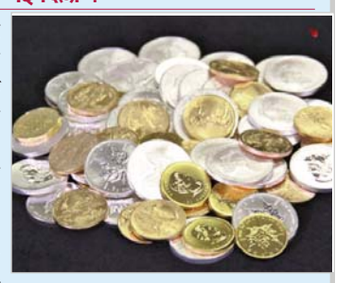

घरेलू बाजार में बुधवार को सोने ओर चांदी की तेज शुरुआत हुई। आज सुबह एमसीएक्स पर सोना 1,43,088 रुपए प्रति 10 ग्राम के नए स्तर पर पहुंच गया है। वहीं चांदी 4.15 फीसदी बढ़कर 2,86,600 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंची है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी दोनों की कीमतों में उछाल आया है। राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में चांदी की कीमतें 6,000 रुपए ऊपर आकर 2,71,000 रुपए प्रति किलोग्राम के नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गईं जबकि सोना 1,45,000 रुपए प्रति 10 ग्राम के अपने शीर्ष स्तर पर जा पहुंच गया। अखिल भारतीय सर्राफा संघ ने कहा कि चांदी की कीमतें लगातार बढ़ती जा रही है। इसकी कीमतें 6,000 रुपए यानी 2.3 प्रतिशत उछलकर 2,71,000 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई हैं। वहीं सोमवार को चांदी 15,000 रुपए यानी छह प्रतिशत की जबर्दस्त उछाल के साथ ही 2,65,000 रुपए प्रति किग्रा के शीर्ष स्तर पर पहुंच गई थी। वहीं यह शुक्रवार को 2,50,000 रुपए प्रति किग्रा पर बंद हुई थी। चांदी पिछले तीन कारोबारी सत्रों में कुल 21,000 रुपए यानी 8.4 फीसदी ऊपर आयी हैं। साल 2026 में अब तक चांदी कुल 32,000 रुपए करीब 13.4 फीसदी की तेज बढ़त दर्ज की है। यह 31 दिसंबर, 2025 को 2,39,000 रुपए प्रति किलोग्राम पर रही थी।

एनपीएस वात्सल्य योजना के नियमों में बदलाव, अब 80 फीसदी निकाल सकेंगे रकम

अब खाताधारकों को निकासी-एग्जिट के मामले में मिलेगा ज्यादा लचीलापन

नई दिल्ली, ।

पेंशन फंड नियामक एवं विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) ने नाबालिगों के लिए शुरू की गई एनपीएस वात्सल्य योजना के नियमों में बदलाव किया है। इन संशोधनों का उद्देश्य योजना को और सरल और आकर्षक बनाना है, ताकि अभिभावक अपने बच्चों के नाम पर इस योजना के तहत निवेश करने के लिए आगे आएं। नए नियमों के मुताबिक अब खाताधारकों को निकासी और एग्जिट के मामले में पहले की तुलना में ज्यादा लचीलापन मिलेगा।

संशोधित प्रावधानों के तहत एनपीएस वात्सल्य खाते से खाता खोलने के तीन साल बाद आंशिक निकासी की अनुमति दी गई है। शिक्षा, चिकित्सा उपचार और निर्धारित विकलांगता जैसी जरूरतों के लिए स्वयं के योगदान का अधिकतम 25 फीसदी तक निकाला जा सकेगा। वित्त मंत्रालय के मुताबिक यह आंशिक निकासी 18 साल की आयु से पहले दो बार और 18 से 21 वर्ष की आयु के बीच दो बार की जा सकती है, जो तय शर्तों के अधीन होगी। पहले नियमों में 18 वर्ष की उम्र तक अधिकतम तीन बार ही आंशिक निकासी की अनुमति थी।

एग्जिट नियमों में किए गए बदलाव अहम माने जा रहे हैं। अब खाताधारकों के पास यह विकल्प होगा कि वे अपनी पूरी राशि एनपीएस टियर-1 खाते में ट्रांसफर करें या कुल जमा राशि का 80 फीसदी तक एकमुश्त निकाल लें। शेष न्यूनतम 20 फीसदी राशि से पेंशन के लिए एन्युटी खरीदना अनिवार्य रहेगा। इसके अलावा यदि खाते में कुल जमा राशि आठ लाख रुपए या उससे कम है, तो पूरी राशि निकालने की अनुमति दी गई है। पहले के नियमों में कम से कम 80 फीसदी रकम से एन्युटी खरीदना जरूरी था और केवल शेष राशि ही एकमुश्त मिलती थी।

एनपीएस वात्सल्य योजना की शुरुआत सितंबर 2024 में की गई थी। यह योजना एनपीएस का ही एक हिस्सा है, लेकिन इसमें खाता केवल 18 साल से कम उम्र के बच्चों के नाम पर खोला जाता है। खाते का संचालन माता-पिता या अभिभावक करते हैं, जबकि लाभार्थी केवल बच्चा होता है। इस योजना का मकसद बच्चों के लिए लंबे समय में रिटायरमेंट फंड तैयार करना है, ताकि कंपाउंडिंग का लाभ मिल सके और छोटी बचत भी बड़े फंड में बदल सके।

इस योजना में न्यूनतम 1000 रुपए से निवेश शुरू किया जा सकता है और अधिकतम निवेश की कोई सीमा नहीं है। एनआरआई भी अपने बच्चों के नाम पर यह खाता खुलवा सकते हैं। खाता एसबीआई, एचडीएफसी बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा, पोस्ट ऑफिस या एनपीएस के ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के जरिए खोला जा सकता है।

ताइवान ने क्यों जारी किया वनप्लस कंपनी के सीईओ के खिलाफ अरेस्ट वारंट

ताइवान ।

मोबाइल कंपनी वनप्लस इनदिनों बड़ी परेशानी में है। रिपोर्ट के अनुसार कंपनी के सीईओ पीट लाउ के खिलाफ ताइवान ने अरेस्ट वारंट जारी किया है। लाउ पर आरोप है कि उन्होंने स्थानीय कानूनों का उल्लंघन कर ताइवान के मजदूरों को अवैध रूप से नौकरी पर रखा है। रिपोर्ट के अनुसार शिलिन डिस्ट्रिक्ट प्रोसिक्यूटर ऑफिस ने इस बात की पुष्टि की हैं कि 70 से अधिक ताइवानी इंजीनियरों की अवैध भर्ती के आरोपों की पूरी जांच के लिए वनप्लस सीईओ लाउ की तलाश हो रही है। प्रोसिक्यूटर्स (अभियोजकों) के अनुसार भर्ती प्रक्रिया में लाउ की कथित रूप से सहायता करने वाले दो ताइवानी नागरिकों पर पहले ही आरोप तय किए जा चुके हैं। मामला ताइवान के क्रॉस-स्ट्रेट एक्ट को अनदेखा करने का कथित प्रयास है, जो ताइवान और मेनलैंड चीन के बीच इकोनॉमिक और कारोबारी संबंधों को नियंत्रित करता है। इस अधिनियम के तहत चीनी कंपनियों को स्थानीय वर्कर्स को काम पर रखने या ताइवान में कुछ व्यावसायिक गतिविधियां करने से पहले ताइवानी सरकार से जरूरी अप्रूवल लेना अनिवार्य है।

अभियोजकों का दावा है कि वनप्लस ने हॉन्गकॉन्ग में एक अलग नाम से एक फर्जी कंपनी शुरू की, जिसका इस्तेमाल 2015 में ताइवान में एक अनधिकृत शाखा स्थापित करने के लिए किया गया। आरोप है कि यह इकाई बिना नियामक की मंजूरी के ऑपरेट हुई और वनप्लस स्मार्टफोन के लिए रिसर्च और डिवेलपमेंट का काम करती थी। जांचकर्ता ताइवानी अधिकारियों का तर्क है कि यह तामझाम जानबूझकर कंपनी के मेनलैंड चाइना ओनरशिप को छिपाने और कानूनी जांच से बचने के लिए हुआ था।

अलग तरह का डिवाइस पेश करने की तैयारी में ऐपल

नई दिल्ली ।

टेक दिग्गज कंपनी ऐपल किसी पारंपरिक फोल्डेबल स्मार्टफोन की बजाय एक अलग तरह का डिवाइस पेश करने की तैयारी में है। आईफोन फोल्ड फोन से ज्यादा फोल्ड होने वाले आईपेड जैसा अनुभव दे सकता है। अब तक बाजार में मौजूद फोल्डेबल स्मार्टफोन, जैसे सैमसंग गैलेक्सी झेड फोल्ड और गूगल पिक्सल फोल्ड, बंद होने पर सामान्य फोन जैसे दिखते हैं और खोलने पर बड़ी स्क्रीन वाले फोन में बदल जाते हैं। हालांकि, आईफोन फोल्ड को लेकर दावा है कि इसका डिजाइन इससे काफी अलग होगा। लीक के मुताबिक, यह डिवाइस फोल्ड होने पर लंबा नहीं बल्कि चौड़ा और कॉम्पैक्ट होगा। जब आईफोन फोल्ड को पूरी तरह खोला जाएगा, तो इसका आकार और स्क्रीन अनुपात आईपेड मिनी के काफी करीब हो सकता है। इसी वजह से टेक एक्सपर्ट इसे ÷फोन जो खुलता है÷ के बजाय ÷आईपेड जो फोल्ड होकर बंद होता है÷ के रूप में देख रहे हैं। इस चर्चा को तब और मजबूती मिली, जब टेक एक्सपर्ट स्टीफन हैकेट ने लीक के आधार पर इसका 3डी-प्रिंटेड मॉडल तैयार किया। इस मॉडल को देखकर कई विशेषज्ञों ने सवाल उठाया कि यह डिवाइस फोन की कैटेगरी में आएगा या टैबलेट की। अगर ये लीक सही साबित होती हैं, तो ऐपल स्मार्टफोन और टैबलेट के बीच की सीमाओं को काफी हद तक खत्म कर सकता है।

स्वास्थ्य सुरक्षा को कर्ज से जोड़ना दान नहीं, वित्तीय विकास का तरीका है नागेश्वरन

नई दिल्ली, ।

मुख्य आर्थिक सलाहकार वी अनंत नागेश्वरन ने कहा है कि कर्जदाताओं व कर्ज लेने वालों दोनों की रक्षा के लिए समावेशी फाइनैंस और स्वास्थ्य देखभाल बीमा व सामाजिक सुरक्षा के एक व्यापक इकोसिस्टम में शामिल किए जाने की जरूरत है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि स्वास्थ्य सुरक्षा को कर्ज से जोड़ना दान नहीं है, बल्कि वित्तीय विकास का तरीका है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सीईए ने कहा कि लोगों के पुनर्भुगतान में पिछड़ने का एक मुख्य कारण आलस्य या गैर जिम्मेदारी नहीं, बल्कि स्वास्थ्य संबंधी झटकों जैसी अप्रत्याशित घटनाएं हैं। उन्होंने कहा कि अच्छी तरह से डिजाइन की गई ऋण व्यवस्था भी अपने दम पर कुछ नहीं कर सकती। जब बीमारी हमला करती है तो उभरता कारोबार भी लड़खड़ा जाता है। नागेश्वरन ने मुख्यधारा के बैंकों से अर्थव्यवस्था के औपचारिकीकरण की प्रक्रिया का दर्शक बनने के बजाय बल्कि नए उधारकर्ताओं के नए तरीकों को सक्रिय रूप से अपने मूल पोर्टफोलियो में शामिल करने की जरूरत है। प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि गली में सड़क पर सामान बेचने वाले भी अनुशासित हो सकते हैं और बढ़ सकते हैं। उन्होंने कहा कि अब सवाल यह है कि क्या औपचारिक बैंकिंग प्रणाली वास्तविकता को पहचानने और उन्हें ओवरड्राफ्ट, बीमा और कार्यशील पूंजी की सुविधा प्रदान करने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि एक व्यक्ति को हमेशा के लिए सूक्ष्म उधारकर्ता नहीं रहना चाहिए और उसका व्यवसाय बढ़ने पर उसके पास ज्यादा वित्तीय विकल्प होने चाहिए।

भारत का पूर्वी एशिया के बाजारों में यूपीआई का विस्तार करने पर विशेष जोर

आज भारत में करीब 50 फीसदी डिजिटल लेनदेन हो रहा है

नई दिल्ली, ।

वित्तीय सेवा सचिव एम नागराजू ने कहा है कि सरकार स्वदेशी डिजिटल भुगतान प्लेटफॉर्म यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) की अंतरराष्ट्रीय मौजूदगी बढ़ाने की दिशा में कदम उठाया है। पूर्वी एशिया के बाजारों में इसका विस्तार करने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यूपीआई के कारण आज भारत में करीब 50 फीसदी डिजिटल लेनदेन हो रहा है। हमने कुछ देशों में विस्तार किया है और अब इसे कई अन्य देशों, खासकर पूर्वी एशिया में ले जाने की कोशिश कर रहे हैं।

मीडिया रिपोर्टे के मुताबिक नागराजू ने कहा कि यूपीआई पहले ही भूटान, सिंगापुर, कतर, मॉरिशस, नेपाल और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), श्रीलंका और फ्रांस समेत आठ देशों में चल रहा है। इससे भारत के यात्रियों को इस प्लेटफॉर्म के जरिए भुगतान करने की सुविधा मिल रही है। नागराजू ने छोटी और सूक्ष्म इकाइयों को मध्यम उद्यमों में बदलने की जरुरत पर जोर दिया। देश में कई करोड़ इकाइयों की उपस्थिति के बावजूद सूक्ष्म इकाइयों का मध्यम और बड़े उद्यमों में रूपांतरण नहीं हो रहा है। दरअसल देश में सूक्ष्म इकाइयां मझोले और बड़े उद्योगों में परिवर्तित नहीं हो रही हैं, जबकि कई करोड़ इकाइयां मौजूद हैं। मुझे लगता है कि ऐसा तभी होगा, जब सूक्ष्म उद्यमों को समर्थन, बाजार तक पहुंच और उत्पादकता का लाभ मिले।

दिसंबर में थोक महंगाई दर में बढ़ोत्तरी, खाने-पीने की चीजों के दाम

नई दिल्ली, ।

दिसंबर 2025 में देश की थोक महंगाई दर (डब्लयूपीआई) बढ़कर 0.83 फीसदी हुई है। यह लगातार दूसरा माह है, जब थोक महंगाई में बढ़त दर्ज हुई है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक खाने-पीने की चीजों, गैर-खाद्य वस्तुओं और मैन्युफैक्चरिंग उत्पादों के दाम बढ़ने से बढ़ोतरी हुई है। बीते दो महीनों में थोक महंगाई ने नकारात्मक रुख दिखाया था। अक्टूबर 2025 में थोक महंगाई -1.21 फीसदी और नवंबर में -0.32 फीसदी रही थी। वहीं दिसंबर 2024 में थोक महंगाई दर 2.57 फीसदी थी।

उद्योग मंत्रालय के मुताबिक, दिसंबर 2025 में थोक महंगाई सकारात्मक होने की मुख्य वजह मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में कीमतों का बढ़ना है। खास तौर पर मशीनरी, उपकरण, खाद्य उत्पाद, कपड़ा, खनिज और अन्य निर्माण से जुड़ी वस्तुओं के दाम बढ़े हैं। आंकड़ों के मुताबिक, दिसंबर में खाद्य पदार्थों में गिरावट (डिफ्लेशन) घटकर 0.43 फीसदी रह गई, जबकि नवंबर में यह 4.16 फीसदी थी। सब्जियों के दामों में भी गिरावट कम हुई। दिसंबर में सब्जियों की कीमतों में 3.50 फीसदी की गिरावट रही, जबकि नवंबर में यह गिरावट 20.23 फीसदी तक थी।

दिसंबर 2025 में मैन्युफैक्चरिंग उत्पादों की थोक महंगाई बढ़कर 1.82 फीसदी हुई, जो नवंबर में 1.33 फीसदी थी। वहीं गैर-खाद्य वस्तुओं में महंगाई बढ़कर 2.95 फीसदी रही, जो नवंबर में 2.27 फीसदी थी। दूसरी ओर, ईंधन और बिजली सेक्टर में थोक महंगाई नकारात्मक बनी हुई है। दिसंबर में सेक्टर में 2.31 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई, जो नवंबर के करीब बराबर है। इसके पहले जारी आंकड़ों के मुताबिक दिसंबर में खुदरा महंगाई (सीपीआई) भी बढ़कर 1.33 फीसदी हो गई थी, जो नवंबर में 0.71 फीसदी थी।

महंगाई दर में नरमी को देखकर भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने चालू वित्त वर्ष में अब तक 1.25 फीसदी की ब्याज दर कटौती की है। पिछले महीने आरबीआई ने पॉलिसी रेट में 25 बेसिस पॉइंट की कटौती कर 5.25 फीसदी किया था। आरबीआई ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था इस समय ÷गोल्डीलॉक्स फेज÷ में है, जहां विकास तेज है और महंगाई कम है।

52 सप्ताह के हाई पर निजी बैंक का शेयर.....ब्रोकरेज फर्म ने खरीदी की सलाह दी

मुंबई ।

निजी सेक्टर बैंक एक्सिस बैंक के शेयर बुधवार (14 जनवरी) को इंट्रा-डे में चार प्रतिशत के करीब चढ़कर 1,308.40 रुपये के 52 सप्ताह के हाई पर पहुंच गए। बैंक के शेयरों में यह तेजी वित्त वर्ष 2025-26 के दूसरे हिस्से में बेहतर प्रदर्शन की उम्मीदों से आई है। बैंक के शेयर अब अपने अब तक के सबसे ऊंचे स्तर 1,339.55 रुपये के करीब पहुंच गए हैं, जो 12 जुलाई 2024 को बना था। आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज ने एक्सिस बैंक पर खरीदारी की सलाह को बरकरार रखकर टारगेट प्राइस बढ़ाकर 1,420 रुपये किया है। यह स्टॉक के पिछले बंद भाव से 12 प्रतिशत ज्यादा है। एक्सिस बैंक के शेयर मंगलवार को 1261 रुपये पर बंद हुए। ब्रोकरेज ने रिपोर्ट में कहा कि कारोबार में लगातार मजबूती, मुनाफे पर सीमित दबाव और एक बार के प्रावधानों का सामान्य होने जैसे कारणों से वित्त वर्ष 2026 के दूसरे हिस्से में बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है। ब्रोकरेज ने कहा कि बैंक को उम्मीद है कि मुनाफे का दबाव अक्टूबर से दिसंबर 2025 की तिमाही में सबसे निचले स्तर पर आएगा। ऐसा इसलिए क्योंकि आगे ब्याज दरों में कटौती की संभावना नहीं है। कैश रिजर्व रेश्यो

से राहत और जमा लागत के सामान्य होने से भी मदद मिलेगी। सितंबर 2025 की तिमाही में बैंक की ऋण लागत तिमाही आधार पर 65 आधार अंक घटकर 73 आधार अंक रह गई। इससे संकेत मिलता है कि पहली तिमाही में किए गए तकनीकी प्रावधानों का असर अब पूरी तरह खत्म हो चुका है।

एक्सिस बैंक के शेयर का प्रदर्शन एक माह में करीब सपाट रहा है। तीन और छह महीने में शेयर 10 प्रतिशत चढ़ा है। एक साल में स्टॉक ने 23 प्रतिशत, दो साल में 15 फीसदी और तीन साल में 38.72 फीसदी का रिटर्न दिया है।

इंडस्ट्री में सफलता की कोई समय सीमा नहीं, रिजेक्शन आम बात है

द केरल स्टोरी जैसी सफल फिल्म का हिस्सा रहीं अभिनेत्री अदा शर्मा ने एक्टिंग करियर में लंबा सफर तय किया है। उनकी कुछ फिल्में सुपरहिट रहीं, जबकि कुछ बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाईं। अदा का कहना है कि फिल्म इंडस्ट्री उतार-चढ़ाव से भरी है। उन्होंने न्यूकमर्स को भी सफलता के टिप्स दिए। अदा ने नए कलाकारों को बताया कि करियर के मुश्किल दौर में घबराने की जरूरत नहीं है। बस फोकस बनाए रखें और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ते रहें। मेहनत, धैर्य और सकारात्मकता के साथ चुनौतियों का सामना किया जा सकता है। अदा शर्मा ने बातचीत में नए कलाकारों को सफलता के मंत्र दिए। अदा ने इंडस्ट्री की कठिनाइयों पर खुलकर बात की और सलाह दी कि यहां आने से पहले पूरी तरह आश्वस्त होना चाहिए।

अदा शर्मा ने कहा, न्यूकमर्स को मेरी सलाह है कि अगर वे इंडस्ट्री जॉइन करना चाहते हैं, तो उन्हें आश्वस्त होना चाहिए कि मुश्किलों के दौर में भी उनका डटकर मुकाबला करना सफलता दिलाएगा। इंडस्ट्री में बहुत सारे उतार-चढ़ाव हैं। आप सिर्फ फाइनल मूवी देखते हैं, लेकिन उस मूवी या रोल तक पहुंचने के लिए कितने ऑडिशंस देने पड़ते हैं, कितने रिजेक्शन झेलने पड़ते हैं, कितने दिन बिना काम के गुजरते हैं और कितने सालों तक रुक-रुककर इंतजार करना पड़ता है। उन्होंने बताया, इन तमाम मुश्किलों के बाद शायद एक ब्रेक मिलता है, लेकिन वह कब मिलेगा, इसकी कोई गारंटी नहीं है। एक ब्रेक सुपरहिट होने के बाद भी अगली फिल्म कब मिलेगी, यह भी पता नहीं होता। ऐसे में मन को मजबूत रखना बहुत जरूरी है। जब चीजें ठीक नहीं चल रही होंगी, तो बहुत से लोग सलाह देंगे कि यह नहीं करना चाहिए था, तुम इस सेक्टर में गलत आ गए। ऐसे समय में डिप्रेशन में न जाएं, इसके लिए अपना मन मजबूत रखें। इंडस्ट्री में सफलता की कोई निश्चित समय सीमा नहीं होती और रिजेक्शन आम बात है। अदा शर्मा ने सुझाव दिया कि बाकी कई शौक जरूर रखें, जो मन को शांत रखने में मदद करते हैं। खासकर जब काम नहीं चल रहा हो या जीवन में मुश्किलें हों, तब ये हॉबीज बहुत काम आती हैं। अदा खुद का उदाहरण देते हुए बोलीं, जैसे मैं म्यूजिक करती हूं, पियानो बजाती हूं, फ्लूट बजाती हूं या डांस करती हूं। कोई भी ऐसी हॉबी रखें, जिससे आप अपना दिमाग शांत रख सकें।

'मिर्जापुर द फिल्म' में हुई इस दिव्येंदु शर्मा की वापसी, श्रिया पिलगांवकर ने दिया सरप्राइज

प्राइम वीडियो की सुपरहिट वेब सीरीज 'मिर्जापुर' अब फिल्म के रूप में सामने आएगी। 'मिर्जापुर द फिल्म' की शूटिंग इन दिनों चल रही है। शूटिंग से कई तस्वीरें और वीडियोज भी सामने आ चुके हैं। अब सीरीज का हिस्सा रहीं अभिनेत्री श्रिया पिलगांवकर ने शूटिंग से कुछ तस्वीरें साझा की हैं। साथ ही उन्होंने फिल्म में सीरीज के अहम किरदार की वापसी के बारे में भी जानकारी दी है। जानिए कौन कर रहा है फिल्म में आठ साल बाद वापसी

श्रिया पिलगांवकर ने अपने इंस्टाग्राम पर मिर्जापुर द फिल्म की शूटिंग से जुड़ी दो तस्वीरें साझा की हैं। इनमें पहली तस्वीर में क्लैप बोर्ड नजर आ रहा है, जिस पर फिल्म का नाम 'मिर्जापुर द फिल्म' लिखा हुआ है। साथ ही स्क्रिप्ट रखी हुई है, जिस पर स्वास्तिक बना हुआ है और क्लैप बोर्ड व स्क्रिप्ट पर फूल चढ़े हुए हैं। इससे पता चलता है कि यह मुहूर्त शॉट की तस्वीर हो सकती है। इसके साथ ही श्रिया ने एक और तस्वीर भी साझा की है। इसमें पूजन हो रहा है और फिल्म की पूरी कास्ट व क्रू मौजूद है। इसके साथ ही श्रिया ने कैप्शन में लिखा है, 'आठ साल बाद अंदाजा लगाइए कौन मौत के मुंह से वापस लौट आया है? मिर्जापुर द फिल्म की शूटिंग हो रही है। जल्द ही मिलते हैं।'

वापस आ गए मुन्ना भैया

श्रिया के कैप्शन के बाद अब ये साफ हो गया है कि मिर्जापुर के दूसरे सीजन में मर चुके मुन्ना भैया यानी दिव्येंदु शर्मा, 'मिर्जापुर द फिल्म' में वापसी कर रहे हैं। श्रिया ने जो फिल्म की कास्ट की तस्वीर साझा की है, उसमें दिव्येंदु शर्मा भी नजर आ रहे हैं। अब श्रिया के कैप्शन और इस तस्वीर से फैंस को ये कंफर्मेशन मिल गई है कि मुन्ना भैया का किरदार 'मिर्जापुर द फिल्म' में वापस आ रहा है। जाहिर है कि मुन्ना भैया शो का सबसे लोकप्रिय किरदार है। सीरीज के तीसरे सीजन में मुन्ना भैया का न होना हर किसी को काफी खला था और लोगों ने इस किरदार के वापस आने की मांग भी की थी। लोगों को उम्मीद थी कि तीसरे सीजन में मुन्ना भैया का किरदार वापस आएगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। लेकिन अब 'मिर्जापुर द फिल्म' में मुन्ना भैया के किरदार की वापसी तय है।

रवि किशन भी आएंगे नजर

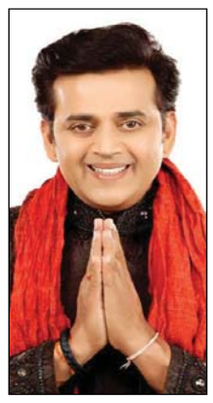

इसके अलावा 'मिर्जापुर द फिल्म' में रवि किशन और जितेंद्र कुमार की नई एंट्री हुई है। हालांकि, ये दोनों ही अभिनेता वेब सीरीज का हिस्सा नहीं थे। ऐसे में रवि किशन का किरदार क्या होगा, इसके बारे में कोई जानकारी नहीं है। वहीं जितेंद्र कुमार संभवत- फिल्म में बबलू पंडित का किरदार निभा सकते हैं। जो सीरीज में विक्रांत मैसी ने निभाया था, लेकिन विक्रांत फिल्म का हिस्सा नहीं हैं। हालांकि, सीरीज में भी पहले ही सीजन के अंत में बबलू पंडित के किरदार की मौत हो जाती है। श्रिया ने जो तस्वीर साझा की है उसमें फिल्म की बाकी कास्ट नजर आ रही हैं। इसमें पंकज त्रिपाठी, अली फजल, श्रिया पिलगांवकर, कृतिका कामरा, श्वेता त्रिपाठी, रवि किशन, राजेश तैलंग, रसिका दुग्गल और बाकी कलाकार नजर आ रहे हैं। अभी फिल्म की शूटिंग चल रही है। रिलीज की तारीख अभी तय नहीं है।

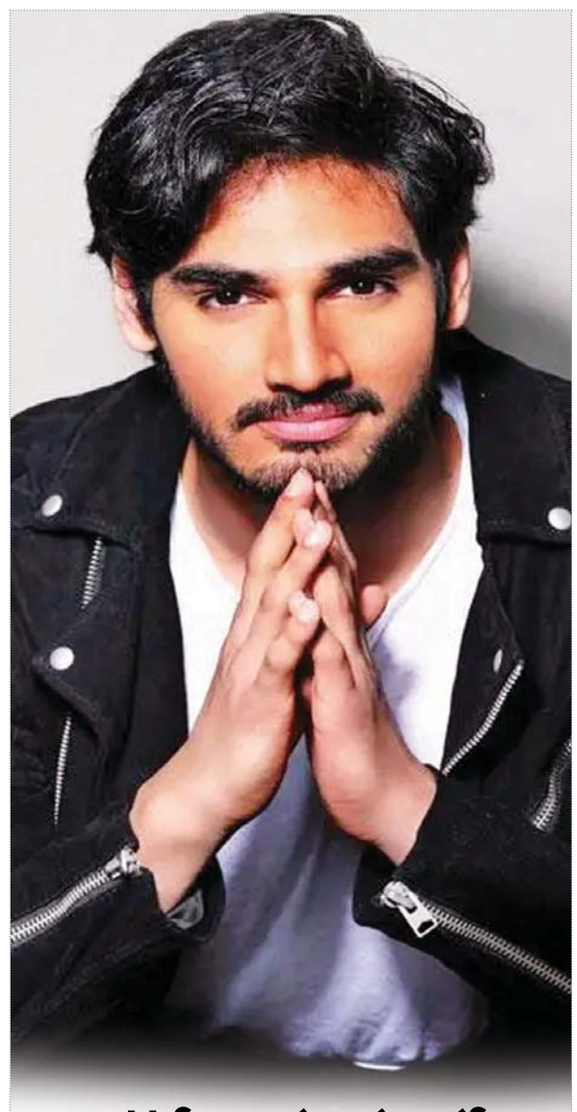

'बॉर्डर 2' से बड़े पर्दे पर वापसी करने जा रहे अहान शेट्टी, चार साल तक क्यों रहे फिल्मों से दूर?

अभिनेता अहान शेट्टी इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'बॉर्डर 2' को लेकर चर्चाओं में हैं। अहान अपने पिता सुनील शेट्टी की विरासत को आगे बढ़ाते हुए 'बॉर्डर 2' में सनी देओल, वरुण धवन और दिलजीत दोसांझ के साथ प्रमुख भूमिका में नजर आएंगे। इस फिल्म के जरिए अहान शेट्टी लगभग चार साल से भी अधिक समय के बाद बड़े पर्दे पर वापसी कर रहे हैं। 'बॉर्डर 2' अहान की डेब्यू फिल्म 'तड़प' के बाद उनकी दूसरी फिल्म है। जानिए आखिर क्यों चार साल बड़े पर्दे से दूर रहे अहान शेट्टी?

बॉर्डर 2 में लेफ्टिनेंट कमांडर एमएस रावत की भूमिका में दिखेंगे अहान

'बॉर्डर 2' से जबसे अहान का लुक और फिल्म का टीजर सामने आया है, तबसे ही उनके फैंस काफी उत्साहित हैं। 'बॉर्डर 2' में अहान भारतीय नौसेना के ऑफिसर लेफ्टिनेंट कमांडर एमएस रावत की भूमिका निभा रहे हैं। इस किरदार में फैंस उन्हें काफी पसंद कर रहे हैं और फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। फिल्म में उनके साथ आन्या सिंह नजर आएंगी।

इस वजह से चार साल कोई फिल्म नहीं कर पाए अहान

अहान शेट्टी फिल्मों से भले ही चार साल से दूर हों, लेकिन वो चर्चाओं में रहे हैं। अक्सर कम पब्लिक अपीयरेंस और सोशल मीडिया एक्टिविटी के बावजूद फैंस अहान की चर्चा करते रहते हैं और उनके काम का बेसब्री से इंतजार करते हैं। हालांकि, हाल ही में अहान ने चार साल बड़े पर्दे से दूर रहने के कारण के बारे में भी बताया था। 'बॉर्डर 2' के टीजर लॉन्च के दौरान अहान शेट्टी ने यह बताया था कि वो एक कॉन्ट्रैक्ट के चलते चार साल तक किसी फिल्म में काम नहीं कर पाए। इसके चलते वो डेब्यू फिल्म के बाद बड़े पर्दे से दूर रहे। इंडस्ट्री में कॉन्ट्रैक्ट के चलते एक्टर-एक्टर्स किसी और फिल्म का हिस्सा नहीं बन सकते हैं। अहान भी इसी के चलते चार साल फिल्मों से दूर रहे। हालांकि, अब वो 'बॉर्डर 2' से वापसी को तैयार हैं।

साल 2021 में 'तड़प' फिल्म से किया था डेब्यू

अहान शेट्टी ने साल 2021 में आई रोमांटिक फिल्म 'तड़प' से बॉलीवुड में अपनी शुरुआत की थी। मिलन लुथ्रिया द्वारा निर्देशित इस फिल्म में अहान के साथ तारा सुतारिया प्रमुख भूमिका में नजर आई थीं। फिल्म में अहान के अभिनय की काफी तारीफ हुई थी और क्रिटिक्स ने उन्हें लंबी रेस का खिलाड़ी बताया था। हालांकि, उसके बाद जब चार साल तक अहान की कोई फिल्म नहीं आई तो हर कोई हैरान था। लेकिन अब अहान ने इसके पीछे की वजह बताई है, जो एक कॉन्ट्रैक्ट साइन करना था।

फातिमा सना शेख ने संघर्ष के साथ तय किया फिल्मी सफर

बॉलीवुड एक्ट्रेस फातिमा सना शेख छोटी उम्र से ही इंडस्ट्री का हिस्सा रही हैं और इसलिए उन्होंने सब कुछ देखा है। कुछ ऐसी चीजें भी जो एक बच्चे को नहीं देखनी चाहिए। उनके अनुभवों ने उन्हें जल्दी परिपक्व बना दिया, लेकिन उनके अंदर की मासूमियत आज भी जिंदा है। फातिमा सना शेख ने 4 साल की उम्र से करियर की शुरुआत की और टीवी की जर्नी से होते हुए बॉलीवुड में एंट्री ली। हालांकि बचपन में उन्हें शूटिंग सेट पर काफी कुछ झेलना पड़ता था। 11 जनवरी को फातिमा सना शेख अपना 34वां जन्मदिन मनाएंगी। दंगल से बॉलीवुड में डेब्यू करने वाली सना शेख बचपन में ही बड़े स्टार्स के साथ स्क्रीन शेयर कर चुकी हैं। उन्होंने कमल हासन और तब्बू अभिनीत 1997 की हिट फिल्म चाची 420 में कमल हासन की बेटी का रोल प्ले किया था। सना ने खुद खुलासा किया था कि उस वक्त बच्चों को क्या ही पता होता है और जो बोला जाता है, बच्चे अपने मूड के हिसाब से करते हैं। ऐसा ही कुछ चाची 420 के सेट पर हुआ और उन्हें रोने के लिए कहा गया। अभिनेत्री ने बताया था कि उस वक्त उन्होंने नकली रोना शुरू किया और थोड़ा सा मुंह बना लिया, लेकिन सीन को परफेक्ट बनाना था और तभी किसी ने मुझे जोरदार डांट लगाई और मैं सच में रोने लगी। फिर उन्होंने कहा कि ऐसे ही रोना चाहिए था। सना को ऐसी भी परिस्थितियों का सामना करना पड़ा जिनसे किसी बच्चे को नहीं गुजरना चाहिए। बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट सेट पर 15 घंटे प्रतिदिन काम करना पड़ता था और उस वक्त बाल कलाकारों के लिए नियम और सुरक्षा जैसी कोई चीज नहीं थी। वे सेट पर बड़ों लोगों की ऐसी बातें सुनती थी, जो बच्चों को नहीं सुननी चाहिए। फातिमा ने आज जिस मुकाम पर हैं, वहां तक पहुंचने के लिए उन्होंने हर क्षेत्र में हाथ आजमाया। फिल्मों में सहायक भूमिकाओं के अलावा, उन्होंने कुछ टेलीविजन शो भी किए। वे फिल्मों में आने से पहले सीरियल अगले जनम मोहे बिटिया ही कीजो में नजर आई, जहां उन्होंने सुमन का किरदार निभाया। इसके अलावा वे लेडीज स्पेशल शो में भी दिखाई दीं। बहुत कम लोग ये बात जानते हैं कि साल 2016 में दंगल से डेब्यू करने से पहले कई फिल्मों में साइड रोल कर चुकी थी। उन्हें साल 2008 में आई तहान, 2013 में आई आकाश वाणी और 2012 बिट्टू बॉस में छोटे-मोटे रोल में देखा गया था, लेकिन फिल्म दंगल से उनके करियर को बड़ा ब्रेक मिला। इसके बाद उन्हें बतौर लीड एक्ट्रेस लूडो, ठग्स ऑफ हिंदुस्तान, आप जैसा कोई और मेट्रो इन दिनों में देखा गया और अब वे रोमांटिक ड्रामा फिल्म गुस्ताख इश्क में दिख रही हैं।

वर्किंग मदर होना मुश्किल है, बेटी के जन्म के 43वें दिन ही मैं सेट पर थी

एक्टिंग, होस्टिंग, चैट शो, जैसी विभिन्न विधाओं में सफलतापूर्वक हाथ आजमाने वाली नेहा धूपिया असल मायने में एक मल्टीटास्कर हैं। काम के साथ-साथ निजी जिंदगी में एक मां और पत्नी की भूमिका भी वह उसी खूबी से निभाती हैं। हाल ही में सिंगल पापा और परफेक्ट फैमिली जैसी सीरीज में नजर आईं नेहा से हमने इन्हीं विषयों पर अपने निजी जिंदगी के अनुभव शेयर किए। उन्होंने बताया कि कैसे वह बेटी मेहर के जन्म के 43 दिन बाद ही काम के मोर्चे पर लौट आई थीं। वह मानती हैं कि आज में भी समाज में कामकाजी मांओं को लेकर सेंसिटिविटी की कमी है।

आप एक वर्किंग मॉम हैं और आज की औरतें बेशक घर, बच्चे, काम सब हैंडल करती हैं, मगर यह आसान नहीं होता। आप कैसे सारी चीजों के बीच तालमेल बिठाती हैं?

यह बिल्कुल भी आसान नहीं होता। बहुत ही मुश्किल होता है और आप जितना भी बोले, कोई इसे समझता भी नहीं है। यह मैं बहुत सारी औरतों के लिए कह रही हैं, जैसे मेरे बच्चे छोटे हैं तो उनको स्कूल छोड़ना होता है। बतौर एक्टर आपको एक खास तरह से दिखना भी होता है, तो जिम भी जाना है। कई दिन ऐसे होते हैं कि मैं सवा 5 बजे उठती हूं। फिर जिम जाना, बच्चों को उठाना, स्कूल छोड़ना, फिर आपको सेट पर 9 बजे पहुंचना है, मगर आप सवा नौ बजे वहां पहुंचो तो कोई घड़ी देखते हुए कह देगा- आप लेट हो। जबकि हमारे दिमाग में तो ये आता है कि अरे यार, मैं ऑलरेडी साढ़े 4 घंटे से काम ही कर रही हूं, लेकिन यह बात न कोई समझता है, न समझना चाहता है। ऐसे में, जब कोई आपके 15 मिनट लेट होने पर नाखुशी जताता है तो आप हर बार उस इमोशन को कंट्रोल करते हैं कि जवाब देने की जरूरत नहीं है, क्योंकि आपकी प्रॉब्लम कोई नहीं समझेगा, मगर सुबह के 9 बजे ही आप समझ चुके होते हैं कि एक वर्किंग मदर होना कितना मुश्किल होता है।

आपको लगता है कि हमारे फिल्म सेट और समाज दोनों को कामकाजी मांओं के प्रति थोड़ा सेंसिटिव होने की जरूरत है, क्योंकि आज भी आप देखें तो अनुष्का शर्मा से लेकर सोनम कपूर तक मां बनने के बाद से लंबे ब्रेक में रहीं?

सेंसिटिविटी जरूरी है, मगर अनुष्का और सोनम की मां बनने के तुरंत बाद काम पर नहीं लौटने की जो भी वजहें हैं, वो मुझे नहीं पता। वो उनकी चॉइस है। मैं अपनी बात करूं तो मैंने तो आठ महीने की प्रेग्नेंसी में शूटिंग की है। मैं फिल्म ए थर्सडे शूट कर रही थी और सेट पर ही मेरा कॉन्ट्रैक्शन शुरू हुआ तो मैंने तो प्रेग्नेंसी के आखिरी दिन तक काम किया है। फिर, मेरी बेटी मेहर के जन्?म के 43 दिन ही, मैं रोडीज के सेट पर वापस लौटी तो मुझे लगता है कि यह हर किसी का निजी फैसला है। कुछ लोग अपनी प्रेग्नेंसी के दौरान भी काम कर सकते हैं, कुछ नहीं कर सकते। कभी मेडिकल कारणों से तो कभी उनकी चॉइस है तो हमें उसका भी सम्मान करना चाहिए। कुछ औरतें जल्द से जल्द काम पर लौटना चाहती हैं, क्योंकि वे अपनी पहले जैसी जिंदगी वापस चाहती हैं। कुछ थोड़ा वक्त लेना चाहती हैं तो मैं किसी और लिए नहीं बोल सकती, लेकिन मैं अपना बैलेंस तब महसूस करती हूं जब मैं जितना समय अपने बच्चों के साथ बिताती हूं, उतना ही काम को भी दे पाऊं।

सिंगल पापा सीरीज में आपकी एक लाइन है कि 90 फीसदी माएं सिंगल मदर ही होती हैं। सही भी है कि बच्चों की परवरिश का दायित्व मां पर ही ज्यादा होता है। आप इससे कितना रिलेट करती हैं?

मैं मानती हूं कि हम उन भाग्यशाली 10 प्रतिशत लोगों में से हैं, जिनके पार्टनर ये समझते हैं कि हमारे लिए भी काम करना उतना ही जरूरी है। मगर ऐसे बहुत से घर हैं जहां औरतें मां बनने के बाद दोबारा काम पर जा ही नहीं पातीं। जहां मर्द और औरत का रोल, उनका काम तय होता है और यह जल्दी नहीं बदलने वाला। मेरा मानना है कि यह बदलाव दोनों तरफ से होना चाहिए। एक मां के तौर पर हमें भी चीजों को छोड़ने, दूसरों को करने देना सीखना होगा। वहीं, पुरुषों और समाज को भी ये समझना होगा कि औरतें भी वे चीजें करेंगी जो वे करना चाहती हैं या उनके लिए जरूरी है। यह लाइन समाज के एक बड़े तबके पर लागू होती है, उम्मीद है कि शायद आने वाले समय में इसमें बदलाव आए।

आपके घर में बच्चों मेहर और गुरिक की पैरंटिंग में पति अंगद बेदी की कितनी भागीदारी रहती है?

अंगद बिल्कुल मेरा बराबर साथ देते हैं। हालांकि, ऐसी कोई बराबर-बराबर वाली भूमिका तय नहीं है, मगर जैसे आज मैं बाहर हूं तो मुझे पता है कि अंगद सारी चीजें हैंडल कर रहे हैं। अगर वो काम पर है तो मैं संभालती हूं। इसके अलावा, सपोर्ट स्टाफ है, ग्रैंड पैरंट्स हैं। मेरा मानना है कि बच्चे को बड़ा करने में सबकी भूमिका होती है, भले ही वो मां होममेकर ही क्यों न हो, क्योंकि उनकी जॉब तो सबसे ज्यादा मुश्किल है। वे दिन भर काम में लगी रहती हैं, जिसका न कोई रिवॉर्ड है, न सैलरी है। मैं खुद जितनी भी चीजें करती हूं, उसमें सबसे मुश्किल होममेकर वाला पार्ट है। खुशकिस्मती से हमारे घर में सब बराबर हैं और मैं उम्मीद करती हूं कि ऐसा और ज्यादा घरों में हो।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, राजेश चौधरी द्वारा वत्स ऑफसैट, मुद्रा हाउस, सी. ब्लॉक, बारात घर के सामने, सेक्टर-22, नोएडा से मुद्रित तथा ई-189, सेक्टर-63, नोएडा गौतमबुद्धनगर उ.प्र. से प्रकाशित।
संपादकः जितेन्द्र चौधरी, आरएनआई नं. UPHIN/2014/55236, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, फोन नं.: 9999511233, ई-मेल : vishalindianews@gmail.com, वेब : www.vishalindia.in